केवल मैडीकल व्यवसायियों के लिए

सभी देशवासियों को
महाशिवरात्रि, हरियाली तीज, स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन एवं कृष्ण जन्माष्टमी
की हार्दिक शुभकामनाएं

मैडीकल दर्पण

Editor- Brijesh Garg www.medicaldarpan.com Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No.- BSR 56/2023-2025 RNI UPBIL/2010/44113

Year 16 | Issue 11 | D.O.P. 01 AUGUST 2024 | Pages 16 | ₹ 10/- Copy | ✆ 09045029158, medicaldarpan.ctp@gmail.com

फार्मा कंपनी बना रही थी नकली आयुर्वेद दवा, करोड़ों की मेडिसिन जब्त

मुंबई: फार्मा कंपनी में वसेई में रेड कर नकली दवा बनाने का भंडाफोड़ किया गया है। महाराष्ट्र सरकार की फूड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने छापेमारी के दौरान करोड़ों रुपये कीमत की दवाइयां जब्त की। यह इस साल की अब तक की सबसे बड़ी रेड बताई गई है। पता चला है कि कंपनी में पिछले सात सालों से नकली दवाइयां बनाई जा रही थी। एफडीए ने मुंबई में आयुर्वेद के नाम पर नकली दवा बना रही घरवार फार्मा प्राइवेट लिमिटेड पर छापेमारी की और 1 करोड़ 27 लाख रुपये की नकली दवा जब्त की है। वहीं करीब 2 करोड़ 93 लाख 255 रुपये की मशीनों को भी सीज किया है। छापेमारी वसेई के गीता गोविंद इंडस्ट्री नावघर के शैलेश इंडस्ट्री के 20 नंबर गली में की गई। जांच में पता चला कि यह कंपनी पिछले करीब 7 सालों से नकली दवाओं का निर्माण कर रही थी। फार्मा कंपनी घरवार फार्मा प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड और रूसब फार्मा के नाम से थी।

जॉइंट कमिश्नर एफडीए विजिलेंस डॉ.राहुल खाडे के अनुसार एफडीए अधिकारियों ने जब रेड की तो पता चला कि कंपनी के पास हरियाणा के पंचकूला में दवा बनाने का लाइसेंस था, जबकि कंपनी पालघर में अवैध निर्माण कर रही थी। नकली दवा बनाने वाली कंपनी के डायरेक्टर और पार्टनर धीरेन्द्र जनार्दन पर कार्यवाही के लिए निर्देश दिए गए हैं। एफडीए के अधिकारियों ने नकली प्रोडक्ट बनाने के लिए रखे रॉ मेटीरियल को मौके से जब्त कर लिया है। बताया गया है कि 2021 में भी रूसब फार्मा एवं घरवार फार्मा प्राईवेट लिमिटेड की सिस्टर फर्म पर आयुर्वेदिक में एलोपैथी ड्रग मिलाने को लेकर कार्यवाही की गई थी।

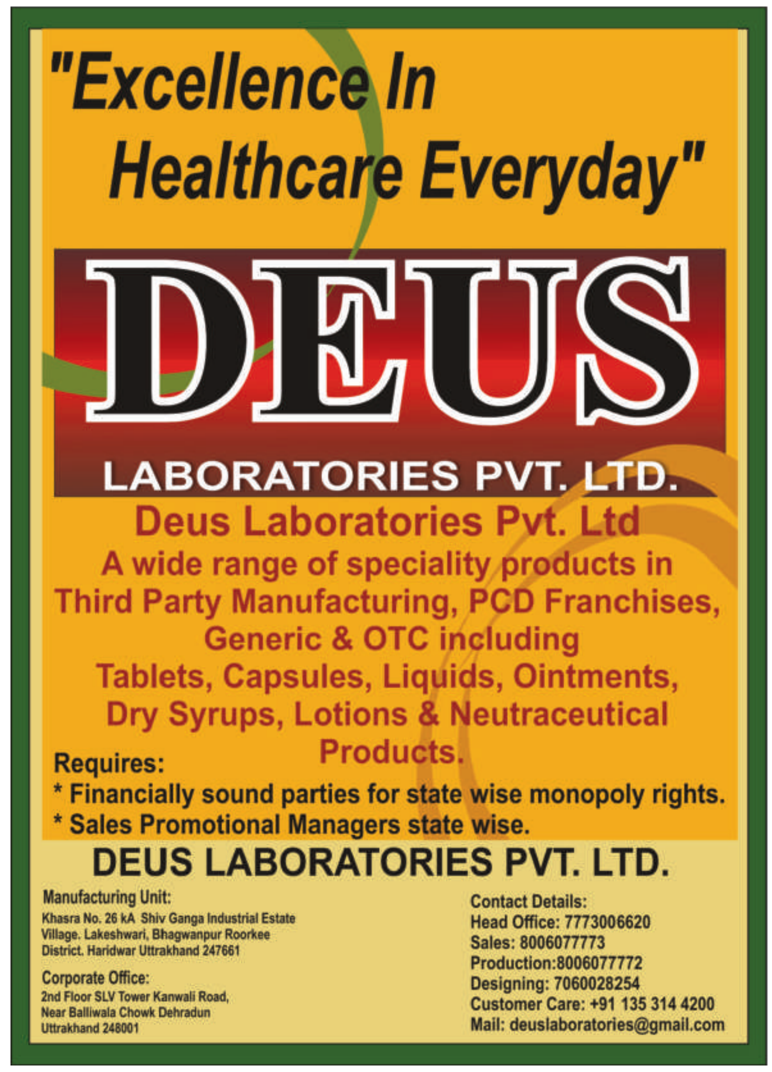

दवाओं के मिलते-जुलते ब्रांडों पर सरकार कसेगी नकेल

नई दिल्ली: दवा निर्माताओं के सामने मुश्किल होने वाली है। दरअसल, मिलते-जुलते दवा ब्रांडों पर सरकार नकेल कसने की योजना बना रही है। इससे दवा निर्माताओं को अपनी ब्रांडिंग प्रथाओं की बढ़ती जांच का सामना करना पड़ सकता है। जानक.ारी अनुसार सरकार केवल नियामक से मंजूर ब्रांड नामों को ही वैध मानेगी। अन्य समान दिखने वाले ब्रांडों को विपणन की अनुमति नहीं दी जाएगी। दवा निर्माताओं को जल्द ही सरकार के पोर्टल पर अपने उत्पादों के ब्रांड नाम के साथ फॉर्मूलेशन विवरण अपलोड करने के लिए कहा जाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि भारत में समान ब्रांड नामों के साथ बड़ी संख्या में दवाएं बेची जा रही हैं, जो पूरी तरह से अलग-अलग स्थितियों का इलाज करती हैं। फार्मेसी में इन दवाओं के बीच भ्रम के परिणाम रोगियों के लिए गंभीर हो सकते हैं। बाजार में समान ब्रांड नामों के मुद्दे को लेकर सरकार ने संज्ञान लिया है और प्रस्ताव दिया है कि सुगम पोर्टल में ब्रांड नाम वाले सभी उत्पादों का डेटाबेस सुलभ बनाया जाए। कई ऐसे ब्रांड हैं जो भ्रम पैदा करते हैं। जैसे ओल्वेंस उच्च रक्तचाप रोधी दवा ओल्मेसार्टन का एक ब्रांड नाम है और ओलेंज एंटीसाइकोटिक दवा ओलंजापाइन का एक ब्रांड है। दूसरा आईएमओएक्स (मनुष्यों के लिए एमोक्सिसिलिन गोलियाँ) और आईएनआईएमओएक्स (पशु चिकित्सा में उपयोग के लिए एक इंजेक्शन के रूप में एमोक्सिसिलिन और क्लोक्सासिलिन10 का संयोजन) है। भारत की शीर्ष दवा सलाहकार संस्था ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड ने विभिन्न श्रेणी के उत्पादों के लिए एक ही ब्रांड नाम के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया और सुझाव दिया कि एक ही ब्रांड नाम के साथ अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

प्रतिबंधित नशीली दवा की तस्करी पकड़ी, एक तस्कर काबू

सुपौल: प्रतिबंधित नशीली दवा की तस्करी रोकने के मामले में सफलता मिली है। आरोपी तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई एसएसबी 45वीं बटालियन सीमा चौकी रिफ्यूजी कॉलोनी के जवानों ने की। सीमा पर भारत से नेपाल ले जा रहे 241 बोतल प्रतिबंधित दवा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। कमांडेंट गौरव सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि सीमा पिलर संख्या 200 एवं 201 के क्षेत्र से भारत से नेपाल की तरफ प्रति.बंधित नशीली दवा की तस्करी होने वाली है। सूचना के तहत टीम का गठन कर जवानों को मौके पर भेजा गया। वहां पहुंचने के कुछ देर बाद जवानों ने एक बाइक सवार को कुछ सामान लेकर भारत से नेपाल की तरफ जाते हुए देखा। जवानों ने बाइक चालक को रोककर तलाशी ली तो प्लास्टिक बोरे से 241 बोतल प्रतिबंधित दवा बरामद हुई। इसके चलते तस्कर बलभद्रपुर निवासी राजेश कुमार मेहता को गिरफ्तार कर लिया।

जैसा मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्यागकर दूसरे नये वस्त्रों को ग्रहण करता है, वैसे ही आत्मा पुराने तथा वृद्ध शरीर को त्यागकर नये शरीर को प्राप्त करती है.

खांसी की दवा में जहर! 100 से ज्यादा कफ सिरप जांच में फेल

नई दिल्ली: खांसी की दवा के धोखे में आप कहीं जहर का सेवन तो नहीं कर रहे हैं। दरअसल, सरकार की जांच में 100 से अधिक कफ सिरप फेल पाई गई हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि गांबिया, उज्बेकिस्तान और कैमरून में बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार बताई गई खांसी की सिरप में जो टॉक्सिन मौजूद थी, वही इन सिरप में भी मिला है। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन के अनुसार डाइएथिलीन ग्लाइकोल और एथिलीन ग्राइकोल पाए जाने की वजह से 100 कंपनियों के कफ सिरप को नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी की श्रेणी में रखा गया है। डीईजी/ईजी, माइक्रोबायोलॉजिकल ग्रोथ, पीएच वॉल्यूम के आधार पर कफ सिरप को एनएसक्यू की श्रेणी में रखा गया है। बताया गया है कि 7087 बैच दवाओं की जांच की गई और इनमें से 353 को एनएसक्यू की श्रेणी में रखा गया। वहीं, 9 सैंपल में डीईजी और ईजी की मात्रा थी।

गुणवत्ता सही न होने से डीईजी और ईजी की उपस्थिति के अलावा असुरक्षित सप्लाई चेन और प्रो.पिलीन ग्लाइकोल बल्क टेस्टिंग में फेल होने को बताया गया है। गौरतलब है कि कई देशों में बच्चों की मौत के बाद भारत में बनने वाली कफ सिरप पर सवाल खड़े किए गए हैं। इसके बाद सरकारी और प्राइवेट लैब्स में इनकी जांच की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अक्टूबर 2022 में भारत की कफ सिरप पर सवाल उठाए थे। बताया गया था कि गांबिया में कफ सिरप की वजह से बच्चों की किडनी फेल हुई और 70 बच्चों की मौत हो गई। इसके बाद से देशभर में कफ सिरप बनाने वाली यूनिट्स की जांच की जा रही है। कंपनियों को ग्रोपीलीन ग्लाइकोल के इस्तेमाल को लेकर जानकारी भी दे दी गई है।

OUR USP
"PIC/S" approved "State of Art Facilities"
A WHO-GMP Certified company with operations in more than 62 countries
Top most clients of Indian pharmaceuticals companies
500+ Products with pan India operations
"Bulk stock available"
And Many More...
Saving Life Beyond Excellence
Highest production capacity of respules in India
Our Products Segment :
LVP - Large Volume Parenterals
SVP - Small Volume Parenterals
Eye drop manufacturing in FFS technology & three pieces
Nebuliser Suspension/Solution manufacturing in FFS technology
Upcoming facilities
Ampoules & Vial
Dry Powder Injections
For any information, please feel free to contact us :
AXA PARENTERALS LTD.
7 KM Milestone, Roorkee - Chandigarh Highway, Puhana Chowk, Roorkee, Haridwar, Uttarakhand, INDIA
+91 9997574343 / 9997502111
dgm@axapar.com
www.axaparenterals.com

1240 नशीले इंजेक्शन की तस्करी मामले में सप्लायर सहित दो अरेस्ट

पानीपत (हरियाणा): 1240 नशीले इंजेक्शन की तस्करी मामले में सप्लयार सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम ने पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत के मार्गदर्शन में की। आरोपियों की पहचान आदर्श निवासी नीलोखेड़ी, करनाल व आसिम निवासी मसूरी गाजियाबाद यूपी के रूप में हुई है। एंटी नारकोटिक्स सेल इंचार्ज सब इंस्पेक्टर दीपक ने बताया कि फरवरी 2023 में उनकी टीम ने पीपल मंडी से आरोपी नितिन गुप्ता निवासी न्यू गुरु नानकपुरा कच्चा कैंप को 40 नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन बुप्रेनॉफिन सहित गिरफ्तार किया था। उसकी निशानदेही पर इंजेक्शन बेचने वाले आरोपी शुभम निवासी भाटिया कॉलोनी को भी गिरफ्तार किया था। आरोपी शुभम के कब्जे से 1000 बुप्रेनॉफिन व 200 फेनीरामिने मेलटी नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन बरामद किये थे। शुभम की पीपल मंडी में जेके मेडिकल स्टोर नाम से दवाइयों की दुकान हैं। पूछताछ में आरोपी शुभम ने पुलिस को बताया था कि उसे करनाल के नीलोखेड़ी निवासी आदर्श पुत्र रमेश ने 1500 रूपये कमीशन लेकर दिल्ली से आसिम नामक युवक से उक्त इंजेक्शन कम कीमत पर दिलाए थे। पुलिस ने थाना पुराना औद्योगिक में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया और उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इसके बाद आरोपी आदर्श व आसिम की धरपकड़ के प्रयास शुरू कर दिए थे। सब इंस्पेक्टर दीपक ने बताया कि आरोपी आदर्श पुलिस पकड़ से बचने के लिए छुपकर रह रहा था। गत दिनों आदर्श लूट के एक अन्य मामले में कैथल में पकड़ा गया। आरोपी कैथल जेल में बंद था। सूचना मिलने पर एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम आरोपी को जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर आई। आरोपी को न्यायालय में पेश कर 2 दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया और उसकी निशानदेही पर नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन सप्लायर आरोपी आसिम पुत्र मुबीन निवासी मसुरी गाजियाद यूपी को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी आसिम ने उक्त नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन बेचना स्वीकार कर लिया।

Creating New Possibilities for Healthy Life
Wide Range of Soft Gelatin
Your Inquires are welcome for
FRANCHISEE / PCD
For Marketing & Distribution with Monopoly Rights
GMP Certified Products
Competitive Rates
No Deposits Required
Full Promotional Material Support
With A Wide Range of
Tablets / Capsules / Softgels • Liquids / Dry Syrup
Injectables • Herbal Preprations • Ointments & Lotions
For further information visit www.capripharma.com
Capri PHARMACEUTICALS
651/2B; Punjab Mata Nagar, Near Canal Petrol Pump, Ludhiana-141002
Just SMS
(Your Name & Address to 099141-34854)
With Interested Parties
WhatsApp : 09815734854
e-mail : info@capripharma.com

जीवन से बड़ा कोई विद्यालय नहीं, कठिनाइयों से बढ़कर कोई परीक्षा नहीं, और समय से बड़ा कोई शिक्षक नही।

SUDHIR GROUP OF COMPANIES
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY
Inspiring Health & Packaging Since 1963
Business Opportunity For Global & Domestic Clients
Fix N Fix & Max-Bopp Self Adhesive Tapes
Manufacturer Of Surgical Products
JURGYAN INDUSTRIES
GYANI PACKWELL
MOHIT SURGICALS & POLYCHEM PVT. LTD
Our Pharma Speciality
SPRANZA VITA SURGICALS
AccilexNutricorp
Accilex | Diacard
Accilex Hospicare
SPRANZA VITA PHARMACEUTICAL LLP
Orrin PHARMA LLP
For business enquires:
Info@sudhirlifesciences.com : admin@sudhirlifesciences.com
+91 9424417000 +91 9425155887 +91 8871307000
Website : www.accilexnutricorp.com : www.spranzavita.com : www.orrinpharma.com : www.jurgyan.in

नशीली दवा सप्लाई केस में पुलिस की रेड

आगरा: प्राप्त समाचार के अनुसार नशीली दवा सप्लाई के केस में पंजाब पुलिस की टीम ने आगरा के सिकंदरा और कोतवाली क्षेत्र में कई स्थानों पर दबिश दी। दवा कारोबारी से भी पूछताछ की गई है। टीम अपने साथ दो दवा सप्लायरों को भी ले गई है। पंजाब पुलिस ने पहले भी आगरा में रेड की है। कोतवाली और कमला नगर क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई थी।

दवा सैंपल मामले में कार्यवाही न करने पर औषधि अधिकारियों को फटकारा

आगरा: दवा सैंपल मामले में कार्रवाई न करने पर औषधि विभाग के अधिकारियों को डीएम ने फटकार लगाई है। अधिकारियों को हर सैंपल पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम कलक्ट्रेट में खाद्य और औषधि प्रशासन विभाग की बैठक ले रहे थे। उनके सामने औषधि निरीक्षकों द्वारा छह दवाओं के सैंपल लेकर सिर्फ तीन पर केस करने का मामला सामने आया। इस पर उन्होंने पूछा कि शेष तीन पर समान कार्यवाही क्यों नहीं की गई है। इस पर औषधि विभाग के अफसर जवाब नहीं दे पाए। डीएम ने सभी सैंपलों के साथ एक जैसी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस दौरान दवा विक्रेता संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। आगरा कैमिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष आशू शर्मा ने ज्ञापन सौंपा।

APS
A Name Synonym With...
Topmost Quality & Time Bound Deliveries
WHO-GMP & ISO 9001 CERTIFIED COMPANY
THIRD PARTY MANUFACTURING FACILITIES AVAILABLE WITH SPARE CAPACITY
TABLETS
CAPSULES
ORAL LIQUIDS
BETALACTAM & NON-BETALACTAM
OINTMENTS & LOTION
Dry syrup
PREMIUM BRANDS
INVITES FRANCHISEE / DISTRIBUTORS / SALES PROMOTERS FOR UNREPRESENTED AREA
More than 100 Brands
Attractive Packing in Blister / Alu - Alu / Strip
Full promotional Support
Visual- Aids
Catch-Cover
FERROGOLD PEPZIT BICY-5 APSOWIN DOTY
Apsonim-SP RABIK DSR APSTEL CLAFY-O
PSYCOPIR Apspride-M1 HEPTRILIN LV-FLEX
WHO-GMP CERTIFIED
COPP FOR DOMESTIC EXPORTS
PLEASE CONTACT :
APS BIOTECH PVT LTD
Plot No. 21, Raipur, Bhagwanpur, Roorkee- 247661 (Uttarakhand)
Mob.:- 06395947077, 09719311088, 09719411089
E-mail : apsbiotech@rediffmail.com, apsroorkee@yahoo.com
Website : www.apsbiotech.in

InMed THERAPEUTICS INDIA
(AN ISO 9001:2008 CERTIFIED CO.)
a step towards complete General Healthcare Diabetic & Cardiac Care
More than 400 Products
WHO - GMP Certified With Latest DCGI Molecules
We offer a widest range of exclusive Diabetic & Cardiac Care alongwith general range including Tablets, Capsules, Syrup, Injection
We offer Promotional Inputs, Samples, Visualaid, Gift, MR bag.
Trade enquiries welcome
Financially sound parties may contact for monopoly basis Franchises/PCD distributionship on
@newvision 09815625402
Scan for more information
Ground Floor, 286, Industrial Area, Phase-1 Panchkula (Haryana) Pincode - 134109
Mob. : 9216295095, 0172-5025095
Email : inmedindia@gmail.com, Website : www.inmedpharma.in

पतंजलि को HC ने दिए ये आदेश

नई दिल्ली। कोरोनिल मामले में पतंजलि को दिल्ली हाईकोर्ट ने सभी दावों को वापस लेने का आदेश जारी किया है। कोरोना महामारी के दौरान लाखों लोगों की मौत के लिए एलोपैथी डॉक्टर्स को दोषी ठहराने और पतंजलि की कोरोनिल दवा को इलाज के रूप में बढ़ावा देने के मामले को लेकर ये आदेश दिया गया है। बाबा रामदेव की पंतजलि आयुर्वेद कंपनी की दवा कोरोनिल को कोरोना-19 का शर्तिया इलाज होने का दावा करने पर आपत्ति जताई थी।

ProctoPiles®
कैप्स्यूल् / क्रीम
सभी प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध
No Side Effects
• ये ब्लीडिंग रोकने में मदद करता है।
• मस्सो की गांठ को हटाने में सहायक है।
• मस्सो में होने वाले दर्द को कम करता है।
आयुर्वेद एक चमत्कार...
24 घण्टे* के अन्दर खून, दर्द, जलन व खुजली से शुरूआती राहत पायें।
Vrinda life®
(A DIVISION OF GOPAL LIFESCIENCES)
A WHO-GMP CERTIFIED UNIT
Helpline No. 82880-01088

MD PAPER August 2024_32 Inch January. 2021.qxd 2/28/2025 9:16 AM Page 4

कैंसर की नकली दवा बेचने के आरोप में भारतीय नागरिक गिरफ्तार

वाशिंगटन: कैंसर की नकली दवा बेचने पर भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। बिहार के संजय कुमार पर अमेरिका में हजारों डॉलर की नकली ऑन्कोलॉजी फार्मास्यूटिकल्स बेचने और शिपिंग करने का आरोप लगा है। एक अमेरिकी अदालत के अनुसार 43 वर्षीय संजय कुमार और उनके सह-साजिशकर्ताओं ने कथित तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका में लोगों को कीट्रूडा सहित ऑन्कोलॉजी फार्मास्यूटिकल्स के नकली, नकली संस्करणों की बिक्री और शिपमेंट की व्यवस्था की थी। जेनुइन कीट्रूडा एक कैंसर इम्यूनोथेरेपी है, जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका में 19 विभिन्न संकेतों के लिए अनुमोदित किया गया है। इसमें कुछ प्रकार के मेलेनोमा, फेफड़ों के कैंसर, सिर और गर्दन के कैंसर, हॉजकिन लिंफोमा, गैस्ट्रिक कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर और स्तन कैंसर का इलाज शामिल है। मर्क शार्प एंड डोहमे एलएलसी, जिसे पहले मर्क शार्प एंड डोहमे कॉर्प के नाम से जाना जाता था, के पास अंतरराज्यीय वाणिज्य में परिचय के लिए कीट्रूडा के निर्माण को अधिकृत करने का विशेष अधिकार है। बताया गया है कि अमेरिकी बाजार में नकली कीट्रूडा बेचने के अपने काले धंधे को बढ़ाने के लिए अमेरिका की यात्रा पर गए कुमार को बीती 26 जून को ह्यूस्टन में गिरफ्तार किया गया था। कुमार पर नकली दवाओं की तस्करी का आरोप लगाया गया है। अगर उसे दोषी पाया गया तो उसे अधिकतम 20 साल की जेल की सजा हो सकती है।

गुमराह कर शादी करने और धर्म परिवर्तन कराने पर होगा आजीवन कारावास

उत्तर प्रदेश विधानसभा में जबरन धर्म परिवर्तन विरोधी विधेयक पारित हो गया। बिल को उप्र विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक नाम दिय गया है। अभी तक देशभर में 10 राज्यों में धर्मांतरण विरोधी कानून लागू हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश में जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने जबरन धर्म परिवर्तन विरोधी मौजूदा कानून में बदलाव के लिए विधेयक पेश किया। संशोधन विधेयक में धर्म परिवर्तन से जुड़े अपराधों में सजा की अवधि को बढ़ा दिया गया है। इसमें आजीवन कारावास और एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। साथ ही, विदेशों से धर्म परिवर्तन के लिए होने वाली फंडिंग पर अंकुश लगाने के लिए भी सख्त प्रावधान किए गये हैं।

यूपी में जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ यह विधेयक लाया गया : सरकार ने विधानसभा में जबरन धर्म परिवर्तन विरोधी विधेयक पेश किया। पेश किए गये बिल को उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक नाम दिय गया है। नाबालिग, एससी-एसटी का धर्म परिवर्तन कराने पर उम्रकैद के प्रावधान वाला विधेयक विधानसभा से पारित हो गया। विधानसभा से पारित होने के बाद इसे विधान परिषद भेजा जाएगा। उच्च सदन से पारित होने के बाद राज्यपाल के पास जाएगा। फिर इसे राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। यूपी सरकार ने इससे पहले नवंबर 2020 में इसके लिए अध्यादेश जारी किया था। इसके बाद फरवरी 2021 में उत्तर प्रदेश विधानमंडल के दोनों सदनों से विधेयक पारित किया गया और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम-2021 को कानूनी रूप में मान्यता मिली।

सस्ती टीबी रोधी दवा निर्माण का रास्ता खुला, होगा लाभ

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार देश में सस्ती टीबी रोधी दवा के निर्माण का रास्ता खुल गया है। इससे बाल रोगियों को लाभ मिल पाएगा। दरअसल, भारतीय पेटेंट कार्यालय ने जॉनसन एंड जॉनसन (जेएंडजे) के तपेदिक रोधी (टीबी) दवा, बेडाक्विलिन के बाल चिकित्सा संस्करण के आवेदन को अस्वीकार कर दिया है। इससे लागत प्रभावी टीबी उपचार तक पहुंच पर व्यापक प्रभाव पडने की संभावना है। बता दें कि दो बार टीबी से बचे गणेश आचार्य ने अन्य नागरिक समाज समूहों और बचे लोगों के साथ मिलकर एक याचिका दायर की थी। 2020 में उन्होंने पेटेंट को चुनौती दी। गौरतलब है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित दवा प्रतिरोधी टीबी के लिए बेडाक्विलिन एक प्रमुख इलाज है। पिछले साल, पेटेंट कार्यालय ने जुलाई 2023 में प्राथमिक पेटेंट की समाप्ति से परे वयस्कों के इलाज के लिए बेडाक्विलिन पर भारत में अपना एकाधिकार बढ़ाने के अमेरिकी फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन के प्रयास को भी खारिज कर दिया था। यदि प्राथमिक पेटेंट की समाप्ति के बाद दूसरा पेटेंट दिया जाता, तो इससे दवा पर कंपनी का बाजार नियंत्रण बढ़ जाता। इन फैसलों ने बाजार में एक जेनेरिक तपेदिक दवा के लिए मार्ग प्रशस्त कर दिया है। यह दवा प्रतिरोधी टीबी से पीडित रोगियों के लिए छह महीने के कोर्स के लिए प्रति व्यक्ति प्रति माह 45 डॉलर की न्यूनतम कीमत से 80 प्रतिशत सस्ती होने की संभावना है। यह इलाज तक पहुंच के लिए एक बड़ा कदम है, क्योंकि इससे सस्ती दवाओं के लिए बाजार खुल जाएगा। इस दवा में अनुसंधान एवं विकास बहुत कम है और बच्चे सबसे अधिक असुरक्षित हैं। वयस्क दवाओं में उल्लेखनीय कमी देखी गई है और बच्चों के संस्करण के लिए भी हमें इलाज की लागत में काफी कमी आने की उम्मीद है।

हॉस्पिटल के रजिस्ट्रेशन का नवीनीकरण न मिलने पर सील

फतेहाबाद: प्राप्त समाचार के अनुसार हॉस्पिटल के रजिस्ट्रेशन का नवीनीकरण न करवाने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अग्रिम आदेश तक अस्पताल को सील कर दिया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद के अधीक्षक डॉ. प्रमोद कुशवाहा ने बताया कि लाइफ लाइन हॉस्पिटल का कुछ समय पहले निरीक्षण किया था । जांच में पता चला कि संचालक ने अस्पताल का नवीनीकरण नहीं कराया था। जिले की टीम ने संचालक को नोटिस दिया था। नोटिस के समय तक भी नवीनीकरण नहीं करवाया गया।

रेजिडेंट डॉक्टर्स मंगलवार को भी हड़ताल पर, रखी ये मांगें

नई दिल्ली: रेजिडेंट डॉक्टर्स मंगलवार को भी हड़ताल पर बैठे हैं। बता दें कि जीटीबी अस्पताल में हुए हत्याकांड के विरोध में 1100 नर्सिंग कर्मचारी और 500 से अधिक रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर चल रहे हैं। वहीं, डॉक्टरों की हड़ताल से मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आरडीए और नर्सिंग एसोसिएशन की मांग के आधार पर चिकित्सा निदेशक डॉ. अस्मिता एम. राठौर और यूसीएमएस ने इनसे बात की और दोनों एसोसिएशन के पांच-पांच प्रतिनिधियों से मांगों को लेकर चर्चा करने के लिए कहा है।

बुखार और शुगर समेत इन जरूरी दवाइयों के दाम फिर बढ़े

मेरठ: प्राप्त समाचार के अनुसार बुखार और शुगर समेत कई जरूरी दवाइयां फिर महंगी हो गई हैं। फार्मा कंपनियों ने बड़ी संख्या में दवा की कीमत पांच से लेकर 27 रुपये तक बढ़ा दी है। बता दें कि सरकार ने एक अप्रैल से राष्ट्रीय आवश्यक दवा सूची के अनुसार 800 दवाओं के दाम बढ़ाए थे, लेकिन इससे अलग भी दवा कंपनियों ने कुछ दवाओं के दाम बढ़ा दिए। ली। जिन दवाओं की कीमत में वृद्धि हुई है, उनमें पेन किलर, एंटीबायोटिक, एंटी इंफेक्शन आदि दवाएं शामिल हैं। ब्रांडेड दवाइया भी महंगी हो गई हैं। इनमें ब्लड प्रेशर की एमटास एटी, पेट की विजिलेक, कोलेस्ट्राल की क्लाविक्स एएस, शुगर की ग्लूमस्टार पीएम-2 व ग्लूकोनीन-जी फोर्ट दवाएं शामिल हैं। डायजीन 100 एमएल सिरप सात रुपये महंगी हो गई है। ब्लड प्रेशर की दवा 27 रुपये महंगी हो गई। बुखार की दवा जीरोडॉल एमआर की कीमत में 11 रुपये की वृद्धि हुई है। इटीजोल की कीमत सात रुपये बढ़ी है। दवा कारोबारियों का कहना है कि नई कीमतें एक अप्रैल से लागू हो गई थीं लेकिन उनके पास पुराना स्टाक होने से इसका असर कम पड़ा था। अब ग्राहकों को अधिक दाम देने पड़ रहे हैं।

मेडिकल स्टोर से 53 तरह की दवाइयां जब्त

सीतामढ़ी: प्राप्त समाचार के अनुसार मेडिकल स्टोर पर छापेमारी का मामला सामने आया है। शहर से सटे मेहसौल पूर्वी गांव स्थित मोनू मेडिसिन दवा दुकान में छापेमारी की गई। इसमें करीब 53 तरह की दवाइयों को जब्त किया गया है। बरामद दवाओं की बाजारी कीमत लाखों रुपये आंकी गई है। वहीं तीन तरह की दवाओं के सेंपल लेकर जांच के लिए भेजे हैं। दवा निरीक्षक ने बताया कि सूचना मिली थी कि मोनू मेडिसिन स्टोर में संचालक द्वारा अवैद्य तरीको से दवा बेची जा रही है। सूचना के तहत निरीक्षक टीम द्वारा मेडिकल स्टोर पर दबिश दी और मैडिकल स्टोर से करीबन 53 तरह की दवाओं को जब्त किया गया। तीन दवाओं के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। इसके अलावा, आरोपी दुकानदार को दवा संबंधी सभी कागजात लेकर कार्यालय बुलाया गया है।

पेट गैस, दर्द की नकली दवाएं बेचने पर मेडिकल सील

गाजियाबाद: प्राप्त समाचार के अनुसार पेट गैस और दर्द की नकली दवाएं बेचने पर मेडिकल स्टोर को सील करने का मामला प्रकाश में आया है। औषधि सुरक्षा विभाग की टीम ने शास्त्रीनगर के मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की और भारी मात्रा में नकली दवाएं तथा नशे के इंजेक्शन बरामद किए। पता चला है कि नकली दवाओं की खेप उत्तराखंड से आई थी। दुकान से तीन दवाओं के सैंपल लेकर जांच के लिए लखनऊ की फॉरेंसिक लैब में भेजे हैं और दुकान को सील कर दिया है। औषधि सुरक्षा विभाग के निरीक्षक आशुतोष मिश्रा ने बताया कि सूचना के तहत शास्त्रीनगर स्थित पाल मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की गई। टीम ने मौके से भारी मात्रा में पेनटॉप-डीएसआर कैप्सूल और अल्ट्रासेट टैबलेट के बॉक्स बरामद किए हैं। हैरानी की बात है कि दोनों दवाओं की पैकिंग असली जैसी है, लेकिन दवाएं नकली हैं। मेडिकल स्टोर के संचालक नरेंद्र कुमार के अनुसार यह दवाएं उसने गोविंदपुरम के परवेज नाम के व्यक्ति से सस्ती दरों पर खरीदी गई थी। परवेज ने दवाओं के नकली होने के बारे में भी बताया था। आरोपी परवेज की तलाश की जा रही है। टीम ने मेडिकल स्टोर से भारी मात्रा में एलर्जी और नशे में इस्तेमाल होने वाले एविल इंजेक्शन भी बरामद किए हैं।

अस्पताल में लडकी का अश्लील वीडियो बनाया, संचालक समेत तीन पर FIR

कासगंज (उत्तर प्रदेश): अस्पताल में लडकी का अश्लील वीडियो बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है अस्पताल संचालक, उसके सहयोगी संजय व शाहरुख के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाई गई है। कस्बा गंजडुंडवारा में संचालित अस्पताल लाइफ लाइन में काम सीखने आई लड़की के शरीर पर खुजली का पाउडर डाल दिया गया और जब वो चेंजिंग रूम में कपड़े बदलने गई तो उसकी वीडियो क्लिप बना ली गई। वीडियो क्लिप के दम पर अस्पताल के संचालक और उसके दो साथियों ने लड़की को ब्लैकमेल करने की योजना बना ली। पीड़ित लड़की की मां लता वर्मा ने जब उससे अस्पताल न जाने के बारे में पूछा तो उसने रोते हुए अपने साथ घटित वाकया बताया। पीडिता के अनुसार शाहरुख नाम का लड़का अस्पताल में ही काम करता है। उसने मेरे शरीर पर खुजली की दवा डाल दी और जब मैं कपड़े बदल रही थी तो मेरी वीडियो क्लिप बना ली। बाद में अस्पताल संचालक मनीष पंडित व संजय पंडित ने शाहरुख के साथ मिलकर मुझे वो वीडियो क्लिप दिखाई और सोशल मीडिया पर वायरल कर बदनाम करने की धमकी दी। संचालक मनीष ने कई बार मुझे बदनीयती से पकड़ने की कोशिश भी की है। पीड़ित लड़की की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी, लेकिन अस्पताल संचालक पर कोई भी कार्यवाही नहीं हो पाई। आखिर कासगंज जनपद की जिलाधिकारी मेघा रूपम से मामले की फरियाद की गई। जिलाधिकारी के आदेश पर आरोपी अस्पताल संचालक मनीष पंडित उसके सहयोगी संजय पंडित व शाहरुख के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

बंद फार्मा कंपनी से चोरी करते तीन लोगों को दबोचा

बद्दी (सोलन): प्राप्त समाचार के अनुसार बंद फार्मा कंपनी से चोरी करते तीन लोगों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है। वारदात जुड़ी कलां में बंद फार्मा कंपनी की है। पुलिस ने तीनों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। जानकारी अनुसार जुडी कलां में एक नोयल फार्मा कंपनी है। यह कंपनी पिछले कई दिनों से बंद पड़ी है। यहां से पुलिस को चोरी होने की सूचनाएं मिल रही थीं। मौके पर गई पुलिस ने तीन लोगों को चोरी करते हुए पकड़ा। यह तीनों लोग यूपी के सुरेश पाल, राजस्थान का सुनील व बिहार का विक्की एक ट्रैक्टर में कंपनी से सामान भर रहे थे। पुलिस ने ट्रैक्टर को सीज करने के बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया। यह तीनों लोग कई दिनों से इस बंद कंपनी से चोरी कर सामान को बेच रहे थे। उधर, डीएसपी खजाना राम ने बताया कि बद्दी पुलिस ने बंद कंपनी से चोरी करते हुए तीन लोगों को मौके पर ही गिरफ्तार किया है और सामान से भरा हुआ ट्रैक्टर भी कब्जे में लिया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है।

फेंसिडिल कफ सिरप की पांच करोड़ की सीरप जब्त

कोलकाता: फेंसिडिल कफ सीरप की तस्करी रोकने में पुलिस को भारी सफलता मिली है। जब्त सिरप की कीमत पांच करोड़ रुपये बताई गई है। मौके से दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने यह कार्रवाई कूचबिहार जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के घुघुमारी में की। एसटीएफ के एसपी इंद्रजीत बसु ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एक 14-पहिया ट्रक को रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान आम के बड़े लदान के नीचे छिपाकर रखी फेंसिडिल कफ सिरप की 37 हजार 500 बोतल मिली।

दवा रोसिलॉक्स मामले में SC ने सन फार्मा की याचिका रदद् की

नई दिल्ली: दवा रोसिलॉक्स की अधिक कीमत के मामले में सन फार्मा कंपनी की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने कैंसिल कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 1995 की सीमित या अति. रंजित व्याख्या नहीं की जा सकती। इस आदेश का उद्देश्य सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर दवाएं उपलब्ध कराना है। न्यायाधीश संजय कुमार और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के इस दावे को रदद् कर दिया कि वह क्लॉक्सासिलिन-आधारित दवा के ब्रांड रोसिलॉक्स का वितरक नहीं केवल डीलर है। फैसले में कहा गया कि डीपीसीओ के तहत वितरक और डीलर की परिभाषाएं परस्पर अलग-अलग नहीं हैं। पूरी संभावना है कि एक वितरक थोक विक्रेता या खुदरा विक्रेता बनकर दोहरी भूमिका निभा सकता है और इस तरह डीपीसीओ के पैराग्राफ 2(डी) के तहत डीलर की परिभाषा को पूरा कर सकता है। चूंकि अपीलकर्ता ने दोनों भूमिकाएं निभाई हैं। इसलिए उसे डी.पी.सी.ओ. के पैराग्राफ 13 के दायरे से बाहर करना पर्याप्त नहीं होगा। डीपीसीओ के हवाले से पीठ ने कहा कि इसका उद्देश्य और इरादा आम आदमी को औषधियों के फॉर्मूलेशन उपलब्ध कराने की कीमतों को नियंत्रित करना है। अदालत ने कंपनी की अपील को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया, क्योंकि उसे दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले में कोई त्रुटि नहीं मिली। दवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी 8 फरवरी, 2005 को जारी किए गए एक मांग नोटिस से व्यथित थी। इसमें अप्रैल 1996 से जुलाई 2003 की अवधि के लिए 2,15,62,077 रुपये की अधिक वसूली गई मूल राशि का भुगतान करने का अनुरोध किया गया था। तत्पश्चात, उसे ब्याज सहित अधिक वसूली गई राशि, जो कुल मिलाकर 4,65,08,333 रुपये थी, जमा करने का निर्देश दिया गया था। यह मांग नोटिस राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण द्वारा जारी किया गया था। कंपनी का दावा था कि वह निर्माता, आयातक या वितरक नहीं है। इस पर पीठ ने कहा कि हमने पाया कि एनपीपीए द्वारा जारी नोटिसों के जवाब में अपीलकर्ता द्वारा दायर जवाबों से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि अपीलकर्ता ने निर्माता से ही दवा की खरीद की बात स्वीकार की है। इस प्रकार, अपने जवाबों में उसके स्वयं के स्वीकारोक्ति के अनुसार, अपीलकर्ता का प्रत्यक्ष निर्माता के साथ सीधा संपर्क था। अदालत ने कहा कि डीपीसीओ में परिभाषित डीलर वह थोक विक्रेता या खुदरा विक्रेता होगा जो दवा की खरीद या बिक्री करता है। इसके तहत परिभाषित वितरक में दवाओं का वितरक या निर्माता द्वारा नियुक्त स्टॉकिस्ट शामिल होगा।

MD PAPER August 2024_32 Inch January. 2021.qxd 2/28/2025 9:16 AM Page 6

जन्मदिन पर ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं

SHRI VINOD JI	SURAT	06/08/1970	9979101595
SHRI SHIVENDRA TYAGI JI	AGRA	06/08/1984	9837745678
SHRI UMESH MAHAJAN JI	JALGAON	06/08/1979	9420384760
MOHD. SABIR	DHAULPUR	07/08/1980	9887589504
SHRI PRASHANT PAGARIYA JI	JALGAON	07/08/1976	9028309597
Smt. RAJNI DEVI JI	BULANDSHAHR	08/08/1988	9720319623
SHRI MUKESH GARG JI	HAPUR	08/08/1961	8171543966
SHRI RUPESH SHAH JI	SURAT	10/08/1970	9879050250
SHRI MILIND KUMAR JAIN CHAODIYA JI	NASHIK	11/08/1966	9834933318
SHRI DINESH KHANDELWAL JI	DHULE	12/08/1973	9420373600
SHRI RAKESH SHARMA JI	AGRA	12/08/1975	9760134868
SHRI PAWAN KUMAR R. AGARWAL	NANDURABAR	12/08/1977	9511829507
MR. SANJAY RAMAWAT JI	CHANDRAPUR	13/08/1971	9422136436
SHRI SHROFF JITENDRA KUMAR JI	BANASKANTHA	14/08/1973	9824002990
SHRI JITENDRA JAIN JI	BHARUCH	14/08/1981	9427105080
MR. VIKAS RASTOGI JI	MEERUT	14/08/1975	9897541391
Shri VIKAS KADIAN JI	SONIPAT	15/08/1979	9812672555
SHRI GANPAT SINGH T RATHORE	BHARUCH	15/08/1985	9909148462
SHRI TEJESH GIRHEPUNJE	BHANDARA	15/08/1947	9423407577
DR. DEEP CHAND MITTAL JI	BULANDSHAHR	15/08/1954	9760586885
DR. NAIMUDDIN SAIFI JI	BULANDSHAHR	15/08/1974	7535848474
SHRI DEP CHAND MITTAL JI	BULANDSHAHR	15/08/1954	9760586885
SHRI ROHIT SHARMA JI	BULANDSHAHR	16/08/2003	8923457046
DR. MEGHRAJ SINGH JI	BULANDSHAHR	16/08/1978	9536501277
SHRI LALIT BOROLE JI	JALGAON	16/08/1976	7276742158
SHRI JAIPRAKASH TEKCHANDANI JI	NAGPUR	17/08/1978	9372555595
SHRI MITESH Y. AGARWAL JI	GONDIA	17/08/1992	9403399266
SHRI MAHENDRA C. SHAH JI	KOLHAPUR	18/08/1960	9890684848
SHRI NAVIN AGARWAL JI	GONDIA	18/08/1978	9422313303
SHRI SHYAM TIWARI JI	AGRA	20/08/1967	9319212295
DR. PRADEEP KUMAR GAUR JI	BULANDSHAHR	20/08/1957	9412858870
SHRI DEVENDRA SINGH JI	ETAH	20/08/1985	9719496764
SHRI GAURANG SHAH JI	SABARKANTHA	21/08/1976	9825040512
SHRI UTPAL SHARMA JI	GONDIA	21/08/1970	8888670904
SHRI BALARAJU ALURI JI	MEDCHAL	21/08/1972	7093591111
SHRI HITESH H. KALSARIYA JI	SURAT	22/08/1979	9879380463
SHRI RAKESH KHATWANI JI	NAGPUR	22/08/1978	9850370301
SHRI SURESH PATIL JI	JALGAON	22/08/1975	9423190260
SHRI DINESH KUMAR JI	SURAT	23/08/1981	9427793426
SHRI SATYAPAL J.RAKA JI	NASHIK	23/08/1983	9665044450
SHRI SUDHIR GOSWAMI JI	NADIA	25/08/1976	7001319031
SHRI PRAVIN KUMAR GUPTA JI	AGRA	25/08/1970	9897166688
SHRI ZAKIR ALI JI	ALIGARH	25/08/1990	8006007551
SHRI PRAVIN S. MUNDLE JI	WARDHA	27/08/1984	9325429821
SHRI VAIBHAV BORSE JI	DHULE	27/08/1987	8888722577
SHRI DINESH R. MALU JI	JALGAON	27/08/1974	9823503212
SHRI PRADEEP SANKPAL JI	KOLHAPUR	28/08/1977	7083848429
MOHD.ADIL JI	NASHIK	28/08/1930	8983172038
SHRI SANJAY R. TIWARI JI	JALGAON	30/08/1967	9823027474
SHRI HARISH BAHEKAR JI	GONDIA	31/08/1986	9168439103

नकली दूध से भरा टैंकर पकड़ा

बुलंदशहर (उप्र)। नकली दूध से भरा हुआ टैंकर पकड़ने का मामला सामने आया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को यह सफलता मिली है। जांच के दौरान टैंकर में करीब 1400 लीटर जहरीला दूध मिला। बताया गया है कि दूध को ग्लूकोज और रिफाइंड तेल से तैयार कर बाजार में बेचने के लिए ले जाया जा रहा था। टीम ने इस नकली दूध के सैंपल लिए हैं और टैंकर में भरे करीब 70 हजार रुपये कीमत के दूध को खेत में बहा दिया। सहायक आयुक्त खाद्य अधिकारी विनीत कुमार के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि स्याना में नकली दूध की बड़ी खेप आने वाली है। टीम अधिकारियों ने स्याना के बरौली वासुदेवपुर स्थित कुबेर डेयरी पर दबिश दी। वहां से मिले इनपुट के आधार पर शेखपुर गड़वा गांव स्थित पवन डेयरी पर छापा मारा गया। वह जेके डेयरी गजरौला और गज डेयरी सिकंदराबाद के लिए दूध भेजता था। वहां से टीम ने 15 किलोग्राम वे पाउडर, 150 लीटर लिक्विड ग्लूकोज, 15 लीटर रिफाइंड, खुला रिफाइंड आदि सामान मिला है।

मेडिकल स्टोर से 30 दवाओं के सैंपल लिए, स्टोर सील

चंबा: मेडिकल स्टोर से 30 दवाओं के सैंपल लेकर जांच के लिए कंडाघाट स्थित विभागीय प्रयोगशाला में भेजा गया है। यह कार्यवाही चुराह विधानसभा क्षेत्र में दवा निरीक्षक ने निजी संस्था के दवा स्टोर पर की। बताया गया है कि लैब में एक्सपर्ट पूरी बारीकी के साथ दवाइयों की गुणवत्ता को जांचेंगे।

दवा स्टोर किया सील : गौरतलब है कि स्वास्थ्य विभाग ने इस संस्था के दवा स्टोर को पहले ही सील कर दिया है। टीम को यहां निरीक्षण के दौरान 116 प्रकार की दवाइयां मिली थीं। ये दवाएं बिना लाइसेंस के वहां रखी गई थीं। बताया गया है कि यह संस्था चुराह सहित अन्य क्षेत्रों में लोगों को मुफ्त दवाइयां उपलब्ध करवा रही थी। ऐसे में इन दवाइयों की गुणवत्ता जांचना और भी ज्यादा जरूरी है। कि रोजाना लोगों को ये दवाई संस्था की तरफ से दी जा रही थी। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग दवाइयों की गुणवत्ता की जांच करवाने के लिए सजग हो गया है। इसके चलते संस्था के स्टोर से विभिन्न प्रकार की 30 दवाइयों के सैंपल भरे गए हैं। इन्हें विभाग ने जांच के लिए कंडाघाट भेज दिया है। इनकी जांच रिपोर्ट आने के बाद विभाग आगामी कार्यवाही करेगा। गौरतलब है कि जिस संस्था के स्टोर को सील करने के साथ विभाग ने दवाइयों के सैंपल भरे हैं, वह कुछ सालों से चंबा के लोगों को घर-द्वार स्वास्थ्य जांच के साथ निशुल्क दवाइयां दे रही है। ऐसे में यदि दवाइयों का सैंपल फेल होता है तो संस्था के कार्य पर भी सवालिया निशान उठ सकते हैं। असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर मनीष कपूर ने बताया कि जिस स्टोर को सील किया गया था, वहां रखीं दवाइयों की गुणवत्ता जांचने के लिए 30 दवाइयों के सैंपल भरे गए हैं। इनकी जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कोई कार्यवाही होगी।

बंद मेडिकल स्टोर पर छापेमारी, लाखों रुपये के कैप्सूल बरामद

मोगा (पंजाब): प्राप्त समाचार के अनुसार बंद मेडिकल स्टोर से लाखों रुपये के कैप्सूल बरामद करने में औषधि विभाग को सफलता मिली है। औषधि विभाग की टीम ने गुप्त सूचना मिलने पर जीरा रोड पर बंद पड़ी दुकान राजेश मेडिकोज पर छापेमारी की। इस दौरान सीआईए स्टाफ के प्रभारी इंस्पेक्टर दलजीत सिंह बराड़ भी मौजूद रहे। टीम ने मौके से 61260 प्रीगैबलीन 300 कैप्सूल जब्त किए। इनकी कुल कीमत 21 लाख 44 हजार एक सौ रुपए बनती है। मोगा के ड्रग इंस्पेक्टर नवदीप सिंह संधू ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि मोगा के जीरा रोड पर श्री फार्मा के मालिक ने राजेश मेडिकोज नाम से लाइसेंस लिया हुआ है। उन्होंने एक दुकान को जीरा रोड पर किराए पर लिया हुआ है। जहां पर भारी मात्रा में प्रीगैबलीन 300 स्टोर किया हुआ है। उन्होंने तुरंत संबंधित विभाग को सूचित किया और पुलिस विभाग को भी सूचना दी। सीआईए स्टाफ मोगा के प्रभारी इंस्पेक्टर दलजीत सिंह बराड़ की अगुआई में टीम ने दुकान पर छापेमारी की। मौके से 61260 प्रीगैबलीन 300 कैप्सूल बरामद किए।

ग्लेन फार्मा को अमेरिका में मिर्गी की दवाई बेचने की मंजूरी मिली

मुंबई। प्राप्त समाचार के अनुसार फार्मा कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स (ग्लेन फार्मा) मिर्गी की दवा जेनेरिक टॉपिरामेट कैप्सूल को जल्द ही अमेरिका के बाजारों में बेचेगी। अमेरिका के हेल्थ रेगुलेटर ने इस दवा को मंजूरी दे दी है। बता दें कि टॉपिरामेट कैप्सूल मिर्गी जैसे गंभीर दौरे के इलाज में रामबाण साबित होती है। फार्मा कंपनी का अमेरिकी बाजार में पहले से ही 198 प्रोडक्ट्स का एक मजबूत पोर्टफोलियो है और अभी 50 और दवाओं की मंजूरी का इंतजार है। ग्लेन फार्मा ने शेयर बाजार को बताया कि अमेरिकी बाजार में टॉपिरामेट कैप्सूल की जबरदस्त मांग है। अब ये दवा 15 एमएम, 25 एमएम की क्षमता में भी उपलब्ध होगी। ग्लेनमार्क फार्मा की यह दवा जैनसेन फार्मास्युटिकल्स के टॉपामैक्स का एक किफायती विकल्प है। अमेरिकी बाजार में टॉपामैक्स की सालाना बिक्री लगभग 21.9 मिलियन डॉलर की है। ऐसे में कंपनी को उम्मीद है कि टॉपरिमेट कैप्सूल भी अमेरिका के बाजार में अपनी जगह बनाने पर कामयाब होगी। कंपनी का कहना है कि वह विकास को ज्यादा गति देने के लिए बाहरी पार्टनरशिप पर भी ध्यान दे रही है। फार्मा कंपनी की 11 विश्व स्तरीय मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी हैं और इनका 80 से ज्यादा देशों में संचालन जारी है।

कोडीन कफ सिरप को कार में रखकर बेच रहे पांच आरोपी दबोचे

सिधी (मप्र): कोडीन कफ सिरप को कार में रखकर बेच रहे पांच युवकों को मौके से गिरफ्तार किया गया है। बहरी पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 575 बोतल नशीली कफ सिरफ बरामद की हैं। आरोपियों से परिवहन में इस्तेमाल स्विप्ट डिजायर कार को भी कब्जे में ले लिया गया है। थाना प्रभारी बहरी राकेश बैस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम पड़रिया जंगल में एक सफेद रंग की स्विप्ट डिजायर कार में पांच युवक बैठे हैं और उसमें नशीली सिरप कोरेक्स लिए हुए हैं। वे इसे बेचने के लिए ग्राहकों का इन्तजार कर रहे हैं। सूचना के तहत एक टीम गठित कर मौके पर भेजी गई। वहां सफेद रंग की कार खड़ी दिखी, जिसको घेराबंदी कर पकड़ा लिया। कार में कुल पांच युवक बैठे मिले, जिनको गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ में उन्होंने अपने नाम चालक विष्णु कुशवाहा उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम भड़री, शिवेन्द सिंह चौहान उम्र 22 वर्ष निवासी पडरा रीवा, प्यूष वर्मा उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम घोघर रीवा, अभिषेक सरल उम्र 21 वर्ष निवासी विध्यबिहार कालोनी पड़रा, रीवा, सुनील साकेत उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम धनखोरी जिला सीधी का होना बताये। गाड़ी की तलाशी ली गई और डिग्गी में तीन बोरिया मिली। दो बोरियों में कार्टून खोलकर चेक किया तो उसमें ओनरेक्स कफ सिरफ मिली। इसकी गिनती करने पर 575 नग कीमती 2 लाख 30 हजार मिली जिसे जब्त कर आरोपी युवकों से नशीली कफ सिरफ के रखने एवं परिवहन के संबंध में काग. जात मांगे। वे कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए। आरोपियों के खिलाफ अधिनियम 1985 की धारा 8/21/22/29 एवं म.प्र. ड्रग कन्ट्रोल एक्ट 5/13 के तहत मामला दर्ज किया है। उनसे 575 नग ऑनरेक्स कफ सिरफ कीमती 2 लाख 30 हजार, 4 नग मोबाईल फोन कीमती 45 हजार, एक नग स्वीप्ट डिजायर कार कीमती 3 लाख कुल कीमत 5 लाख 75 हजार बरामद कर लिए हैं। पांचों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है।

प्राचार्य डा० सी पी भैसोड़ा को डाक्टर ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किए जाने पर थल में हर्ष

थल। प्राप्त समाचार के अनुसार पिथौरागढ़ जिले के थल के अठखेत निवासी वर्तमान में अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ चंद्र प्रकाश भैसोडा को चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ द ईयर अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया गया हैं। सोबन सिंह जीना आयुर्विज्ञान संस्थान और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ सी पी भैसोड़ा सीमित संसाधन होने के बावजूद मेडिकल कॉलेज में अपने स्तर से मरीजों को बेहतरीन सुविधाएं देने की कोशिश में लगे हुवे हैं। जिससे इसका लाभ पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को मिल रहा हैं। समाज में उनके इस योगदान पर दिव्य हिमगिरी संस्था ने उन्हें एक कार्यक्रम में उत्तराखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत के कर कमलों से डॉक्टर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया। उनकी इस उपलब्धि पर उनके गांव अठखेत में खुशी की लहर हैं और गांव के ही दीपक भैसोड़ा, त्रिलोक भैसोड़ा, गौरव भैसोड़ा, देवराज भैसोड़ा, मुकेश भैसोड़ा, राजेंद्र भैसोड़ा, हिमांशु भैसोड़ा, गिरीश भैसोड़ा ने उन्हें बधाई देकर खुशी जताई हैं।

दवा निर्माण के नियमों में बदलाव, 400 फैक्ट्रियां बंद

अंबाला: सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने देशभर के दवा कारोबारियों को बड़ा झटका दिया है। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) के गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रेक्टिस (जीएमपी) के मानकों पर खरा उत्तरने के लिए दवाओं की निर्माण प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। इसके विरोध में कन्फेडरेशन आफ इंडियन फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री (सीआइपीआइ) ने आवाज उठाई है। इसका कहना है कि यदि तुरंत प्रभाव से शेड्यूल-एम को लागू किया जाता है तो देशभर में दवा कारोबारियों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। करीब 400 फार्मा कंपनियां बंद हो चुकी हैं। यह देश के दवा बाजार को बड़ा झटका है। दूसरी ओर, सीडीएससीओ ने न्यूट्रास्यूटिकल्स के निर्माण को भी लेकर दिशा निर्देश दिए हैं। सीडीएससीओ ने इसके निर्माण की भी मनाही कर दी है। यह वे उत्पाद हैं, जो अधिकतर लोग प्रयोग करते हैं।

डायबिटीज की नई दवा टिर्जेपटाइड जल्द मिलेगी

नई दिल्ली: डायबिटीज की नई दवा टिर्जेपटाइड भारत में जल्द बिक्री के लिए उपलब्ध होगी। इस दवा के आने से डायबिटीज से पीड़ित मरीजों को लाभ मिल सकेगा। बता दें कि देश की करीबन आधी आबादी शुगर से पीड़ित है। नई दवा को डायबिटीज पेशेंट के लिए सुपर हीरो माना जा रहा है। हालांकि, इस दवा की कीमत काफी ज्यादा होगी। इससे आम आदमी को खर्च अधिक उठाना पड़ेगा। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में इन दिनों ओजेम्पिक नामक वजन घटाने वाली दवा काफी डिमांड में है। लोगों को इससे काफी फायदा भी मिल रहा है। इस बीच भारत की ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन ने एली लिली की टिर्जेपटाइड ड्रग को मंजूरी दे दी है और इसका इस्तेमाल टाइप 2 डायबिटीज के इलाज के लिए होगा।

MD PAPER August 2024_32 Inch January. 2021.qxd 2/28/2025 9:16 AM Page 7

REALNOVA HEALTHCARE
(AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COMPANY)
MORE THEN 500+ Products RANGE
Your Enquires are Welcome For PCD/Franchise & Third Party Manufacturing
WITH THE WIDE RANGE OF
TABLETS | SOFT GELATIN CAPS | PAEDIATRIC | EYE/EAR DROPS
OINTMENT/SOAP | PROTEIN POWDER | CARDIAC/DIABETIC | INJECTABLES
OZENIUS PHARMACEUTICALS | Realved | EYESUKUN CARE | Cadinor
Contact no:- +917009737900, +917495006399
realnovahealthcare@gmail.com
www.realnova.in
ozeniuspharma@gmail.com
www.ozeniuspharma.com

दवा निर्माता के खिलाफ केस दर्ज, DPCO के उल्लंघन का है मामला

तेलंगाना: प्राप्त समाचार के अनुसार दवा निर्माता के खिलाफ केस दर्ज किए जाने का मामला सामने आया है। औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने दवा मूल्य नियंत्रण आदेश (DPCO) का उल्लंघन करने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत हिमाचल प्रदेश स्थित दवा निर्माता पर यह केस दर्ज किया है। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इस मामले में मार्केटिंग कंपनी की भूमिका भी सामने आई है और वह भी भ्रष्टाचार और अनैतिक व्यापार व्यवहार के लिए उत्तरदायी है। बताया गया है कि दवा विनिर्माण कंपनी एक कैंसर-रोधी दवा की कीमत अधिक कर रही थी। इसकी कीमत राष्ट्रीय दवा मूल्य नियामक द्वारा तय की गई थी। पिछले सप्ताह डीसीए के अधिकारियों द्वारा की गई छापेमारी में करीमनगर जिले में एक मेडिकल दुकान से डाकाजी 500 इंजेक्शन (डकारबाजनि इंजेक्शन आईपी 500 मिलीग्राम) दवा जब्त की गई थी। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने इसकी कीमत रुपये तय की है। एक इंजेक्शन के लिए 518.79 रुपये (अधिकतम कीमत) है इसलिए 12 प्रतिशत जीएसटी सहित अधिकतम खुदरा मूल्य रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए। एक शीशी के लिए 581 रुपये मूल्य तय है लेकिन लेबल पर दवा की एमआरपी 20 प्रतिशत ज्यादा अंकित पाई गई। इस तरह एक शीशी की कीमत 1,250 रुपये है। विभाग के अनुसार यह डीपीसीओ, 2013 का उल्लंघन है। डीसीए तेलंगाना के महानिदेशक के अनुसार, डैकाजी 500 इंजेक्शन नामक दवा का निर्माण हिमाचल प्रदेश में जी लैबोरेटरीज लिमिटेड में किया गया था। अधिकारी ने कहा कि डैकाजी 500 इंजेक्शन का उपयोग लिम्फ प्रणाली के कैंसर (हॉजकिन रोग) और घातक मेलेनोमा (एक प्रकार का त्वचा कैंसर) के इलाज के लिए किया जाता है। फर्म को अधिक रुपये वसूलते हुए पाया गया। 668.95, जो केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित अधिकतम कीमत से दोगुने से भी अधिक है।

टीम में ये रहे शामिल : छापेमारी टीम के अधिकारियों ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है और सभी अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

RISO FOOD & NUTRACEUTICALS
Manufacturers of
Quality Nutraceutical & Ayurvedic Products
Wide range of Syrups, Tablets, Capsules, Sachets, Energy Powders, Oils, Protein Powders and Effervescent Tablets Available
For Manufacturing Related Queries
Call 99960 20790
All types of
Third party Manufacturing Enquiries
Own Brand Manufacturing Enquires
Bulk Manufacturing Enquires
Welcome
RISO FOOD & NUTRACEUTICALS
(A Unit of Kim Laboratories Pvt. Ltd.)
Plot No. 28, HSIIDC Phase 1, Saha, Ambala 133 104 (Haryana), India
www.risonutraceuticals.com

मेडिकल एजेंसी पर छापेमारी कर नशीली टैबलेट बरामद

गोरखपुर: मेडिकल एजेंसी पर छापेमारी कर नशीली टैबलेट बरामद करने का मामला सामने आया है। ड्रग इंस्पेक्टर ने मेडिकल कॉलेज रोड स्थित झुंगिया बाजार इलाके में अर्चना मेडिकल एजेंसी पर रेड की। वहां गर्भधारण जांच किट, गर्भपात कराने वाली दवा की चार विभिन्न ब्रांड की नशीली दवाओं की 4200 टैबलेट भी बरामद हुईं।

ड्रग इंस्पेक्टर राहुल कुमार के नेतृत्व में टीम नशीली दवा बिकने की पुख्ता सूचना के बाद पहले एक क्लीनिक पर पहुंची थी। वहां अल्प्राजोल टेबलेट के बारे में पूछने पर अर्चना मेडिकल एजेंसी का नाम बताया गया। टीम ने अर्चना मेडिकल एजेंसी पर जाकर रेड की। यह मेडिकल एजेंसी पंजीकृत है, लेकिन यहां दवाओं की खरीद-बिक्री का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। वहां गर्भधारण किट के साथ ही गर्भपात से संबंधित दवाएं भी मिलीं। इन दवाओं को बिना डॉक्टर के पर्चे पर ही बेचा जा रहा था। यहां से आलरिलैक्स व क्लोनाफिट दवाओं के सैंपल भी लिए गए। उन्हें लखनऊ लैब में जांच के लिए भेजा गया है। इन दवाओं से संबंधित कोई अभिलेख ड्रग इंस्पेक्टर के मांगने पर दुकानदार नहीं दिखा सका। अन्य दवाओं की खरीद-बिक्री का रिकॉर्ड भी दुकान में नहीं मिला। इसके चलते संचालक को नोटिस देकर दवाओं की खरीद-बिक्री का रिकॉर्ड मांगा गया है।

स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी, अस्पताल सील

अलीगढ़। प्राप्त समाचार के अनुसार स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल पर छापेमारी कर उसे सील कर दिया है। यह कार्यवाही जयगंज सराय भूखी में बीयूएमएस डॉ. आयशा खान उर्फ गुड्डी के हॉस्पिटल में नियम विरुद्ध महिलाओं के प्रसव करने पर की गई। आईजीआरएस पोर्टल पर इस संबंध में शिकायत मिली थी। शिकायत की जांच के लिए पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने हॉस्पिटल में दबिश देकर उसे सील कर दिया। इस मौके पर पुलिस टीम भी मौजूद रही।

यह है मामला : जानकारी के अनुसार डॉ. आयशा खान का रईशखान मैटरनिटी होम सराय भूखी क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी के यहां रजिस्टर्ड है। केवल बीयूएमएस पद्धति से ही इलाज की छूट के बावजूद यहां महिलाओं को भर्ती कर प्रसव करवाया जा रहा था। हॉस्पिटल में लंबे समय से तीन-चार बेड डालकर यह काम किया जा रहा था। इसे क्षेत्र में गुड्डी हॉस्पिटल के नाम से जाना जाता है।

इस संबंध में आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत हुई थी। जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग से एसीएमओ डॉ. दिनेश खत्री, नायब तहसीलदार व सासनी गेट पुलिस के साथ पहुंचे और मौके पर प्रसव प्रक्रिया को होते पाया गया। शिकायत सही मिलने पर अस्पताल को सील कर दिया गया। बता दें कि शिकायत पर दो माह पहले भी टीम ने यहां दबिश दी थी। तब विरोध के चलते टीम बिना कार्रवाई के लौट गई थी।

पेटेंट उल्लंघन को लेकर सन फार्मा पर केस दर्ज कराया

मुंबई: प्राप्त समाचार के अनुसार पेटेंट उल्लंघन को लेकर सन फार्मा पर केस दर्ज कराया गया है। ऑस्ट्रेलियाई दवा निर्माता कंपनी मेने फार्मा ने यह केस दर्ज करवाया है। रजोनिवृत्ति संबंधी योनि दर्द के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उत्पाद के पेटेंट उल्लंघन का मामला बताया गया है। न्यू जर्सी के संयुक्त राज्य अमेरिका जिला न्यायालय में दर्ज केस में मेने फार्मा ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर संबंधित सभी 20 ऑरेंज बुक-सूचीबद्ध पेटेंटों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। यह एक योनि सम्मिलन है। इसका उद्देश्य रजो. निवृत्ति के बाद संभोग के दौरान दर्द को कम करना है। गौरतलब है कि ऑरेंज बुक में सूचीबद्ध पेटेंट वे हैं जिन्हें अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा अनुमोदित किया गया है और उपयोग के लिए सुरक्षित माना गया है। ऑस्ट्रेलियाई दवा निर्माता कंपनी ने कहा कि उसने यह केस तब दर्ज करवाया, जब पता चला कि सन फार्मा ने जेनेरिक संस्करण को बाजार में लाने की अनुमति के लिए एफडीए को संक्षिप्त नई दवा आवेदन एएनडीए पेश किया है।

ALWAISWIN Pharma India Pvt Ltd
Deals In:- Herbal, Food, Neutraceuticals Syrup, Injectables, Softgel
Our Company registered Products:
Almonx 500 | Orthogard- BP | Alrabe-DSR | Nerviwin-M
Almonx Cv625 | Orthogard- NP | Alvit-Grow 16G | Nerviwin150
Almonx LB | Orthogard- MR | Alvit- Active12G | Nerviwin GB
Almonx 250 | Orthogard Gel | Alvicof-dx | Nerviwin 300
Call Us:-9815003544,7784849000
Franchise Available For Vacant States
Attractive Packings | Third Party Enquiry Also Welcome | Best Quality Products
Head Office:-18-f-Big B Complex Rotary Chowk Baddi (H.P)
G.Mail:- alwaiswinpharma@gmail.com
Our web:-alwaiswinpharma.com

जिला अस्पताल में आए पैथोलॉजी लैब संचालक समेत महिला को दबोचा, पैथोलॉजी सील

अंबेडकर नगर: जिला अस्पताल में दलाली के लिए आए पैथोलॉजी लैब संचालक समेत महिला को गिरफ्तार किया गया है। दोनों को अकबरपुर कोतवाली भेजने के साथ ही उन पर केस दर्ज करने की तैयारी शुरू कर दी गई। इस बीच देर शाम डीएम के सख्त निर्देश पर बिना लाइसेंस चल रही संबंधित पैथोलॉजी को सील कर दिया गया। जिला प्रशासन की टीम ने जिला अस्पताल में दलालों को पकड़ने के लिए छापेमारी की। छोमारी की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन में हडकंप मच गया। टीम ने एक निजी पैथोलॉजी के संचालक खुर्शीद को मौके पर पकड़ लिया और पुलिस हिरासत में सौंप दिया है। इसी बीच निजी अस्पताल और पैथोलॉजी के लिए काम करने के आरोप में अन्नावा निवासी महिला कंचन को भी पकड़ लिया गया। उसे भी पुलिस हिरासत में भेजा गया है। सीएमएस डॉ. ओमप्रकाश ने हिरासत में लिए गए दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करवा दी है। एसडीएम भरत शुक्ल, डिप्टी सीएमओ डॉ. संजय वर्मा और सीएचसी अकबरपुर प्रभारी डॉ. मार्कंडेय की टीम ने पकड़े गए संचालक खुर्शीद के भारत पैथोलॉजी पर दबिश दी। वहां पैथोलॉजी से जुड़े कागजात नहीं मिले। इसके चलते उसे तत्काल सील कर दिया गया। एडीएम के निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में कुछ कर्मचारियों ने निर्धारित ड्रेस नहीं पहनी थी। इस पर उन्हें कड़ी फटकार लगाई गई।

अस्पताल की लापरवाही से हुई मरीज की मौत, हॉस्पिटल सील

रायपुर: अस्पताल की लापरवाही से मरीज की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। इसके चलते पंडरी स्थित इंदिरा आईवीएफ हॉस्पिटल को सील कर दिया गया है। गौरतलब है कि अस्पताल में मरीज की मौत होने पर उसके परिजनों ने बवाल कर दिया था। इस मामले में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जांच कमेटी गठित की। जांच रिपोर्ट में अस्पताल की लापरवाही सामने आई, जिसके बाद इंदिरा आईवीएफ अस्पताल का लाइसेंस दो माह के लिए सस्पेंड कर अस्पताल को सील कर दिया है। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी ने बताया कि जांच रिपोर्ट में पता चला है कि अस्पताल में ऑपरेशन के लिए पर्याप्त सेटअप नहीं थे। हॉस्पिटल की इस लापरवाही के चलते ही सील किया गया है। गौरतलब है कि अस्पताल में मृत मरीज का इलाज किया जा रहा था। मरीज की मौत के बाद दूसरे हॉस्पिटल में रैफर किया गया था। स्वास्थ्य विभाग ने संज्ञान लेते हुए तीन सदस्यीय जांच समिति को गठित की गई थी। गंभीर लाप. रवाही उजागर होने के बाद अस्पताल पर कड़ी कार्रवाई अमल में लाई गई है।

ALSO AVAILABLE VETERINARY PRODUCT
AdHyA Pharmaceuticals Pvt. Ltd.
A Symbol of Excellence in Health Care To Serve Quality Medicines.
Excise Free Zone
Beta & Non Beta
Alu Alu Pack Available
A Wide Range of Syrups, Tablets Capsules, Dry Syrup
Come Join Hands with us:
• Bulk order manufacturing.
• Loan licence arrangement.
• Third party/marketed by arrangement.
• For sole marketing rights for unrepresentated areas.
Interested parties may contact :
KULDEEP SINGH
Mob. : 09927034515, 9837034518
AdHyA Pharmaceuticals Pvt. Ltd.
Believe in Quality & Service
197, Raipur, Bhagwanpur, Roorkee, Haridwar (U.K.)
E-mail : adhyapharmaceuticals@gmail.com
adhyaprinting@gmail.com

सिप्ला साल के अंत तक चीन के संयंत्र से अमेरिका को आपूर्ति शुरू करेगी

नई दिल्ली: दवा कंपनी सिप्ला के एमडी और ग्लोबल सीईओ उमग वोहरा के अनुसार, अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक से मंजूरी मिलने के बाद, कंपनी को चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में अपने चीन संयंत्र से अमेरिकी बाजार में आपूर्ति शुरू करने की उम्मीद है। कंपनी की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि कंपनी अपने विभिन्न घरेलू संयंत्रों के मुद्दों को हल करने के लिए यूएसएफडीए के साथ काम कर रही है। वोहरा ने कहा मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारी चीन सुविधा ने यूएसएफडीए ऑडिट को मंजूरी दे दी है और वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही तक अमेरिका को आपूर्ति करने की उम्मीद है। अन्य संयंत्रों के बारे में अपडेट साझा करते हुए, उन्होंने बताया कि भारत में पातालगंगा और कुरकुंभ की सुविधाओं को भी VAI (स्वैच्छिक कार्रवाई संकेत) के साथ मंजूरी दे दी गई है। वोहरा ने कहा, हमारे गोवा साइट को अवलोकन जारी किए गए थे और हमारे इंदौर संयंत्र को वर्तमान में सुधारा जा रहा है। इन विनियामक मुद्दों का समाधान खोजना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

Contract Research manufacturer
In Quality and state of Art sections of-
AYURVEDIC AYUSH MARK PRODUCTS
TABLET | CAPSULES | OIL | BHASMA | SYRUP
COSMECEUTICALS
SERUM | PSORIASIS | VITILIGO | SKIN CARE | HAIR CARE
ALLOPATHIC
TABLET | CAPSULE | OINTMENT
NUTRACEUTICALS
Rajani Healthcare Products
Office Address: Purva Complex, Sadashiv Peth Pune 411 030, Maharashtra India
Plant: E-18/1, Jejuri MIDC Tel: Purander Dist: Pune Maharashtra India 412 303, www.rajanipharma.com
pharma789@gmail.com, export.rhcp@gmail.com, info@rajanipharma.com, business@rajanipharma.com
+91 20 24471007 +91 20 24473132 +91 9823096996 +91 8793340533 +91 9168316618 +91 9604639665

BW Manufactured in India For
Beingwell Healthcare
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
Your enquires are Welcome for Franchisee/PCD & Distribution Monopoly Bussiness for Unrepresented Area.
All OVER INDIA
Tablet | Capsules | Ointment | Injection
Soft Gel Cap. | Syrup | Ayurvedic | Sachet
LATEST & NEW DCGI MOLECULES
Full Promotional Support -
• Attractive Promotional Corporate
• Gifts
• Visual Aids
• Order Book
• Reminder Card
• Catch Covers
• MR Bags
Parties looking for entire state URGENTLY CALL 9816702610 750889990
Third party manufacturing proposals invited
Call for more Details
SCO : 485, 2nd, Floor, M. Market, Manimajra, Chandigarh-160101
Contact: 172-5024875, 7508899900, 9816702610
Email : beingwell2015@gmail.com
Website : www.beingwellhealthcare.co.in

भारतीय फार्मा उद्योग को गुणवत्ता की शिद्दत से दरकार, बजट पर आस

नई दिल्ली: भारतीय फार्मा उद्योग को गुणवत्ता की शिद्दत से दरकार है। गौरतलब है कि भारत विश्वभर में दवा सप्लाई में 80 प्रतिशत की भागीदारी रखता है। इसके बावजूद फार्मा उद्योग को दवा की गुणवत्ता में बढ़ोतरी लाने और इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) की जरूरत है। इससे फार्मा सेक्टर में इनोवेशन और क्रिटिकल दवा का निर्माण घरेलू स्तर पर शुरू हो सकेगा। साथ ही दवा के कच्चे माल का भी यहां बड़े पैमाने पर उत्पादन संभव होगा। सरकार से बजट में फार्मा आरएंडडी के लिए विशेष फंड देने की मांग की गई है। उद्यमियों का मानना है कि फार्मा इंडस्ट्री की गुणवत्ता को भी बढ़ाए जाने की जरूरत है और बजट में इस दिशा में भी कदम उठाया जाना चाहिए। वहीं, नए केमिकल बनाने वाली कंपनियों को इंसेंटिव देने की भी गुजारिश की गई है। बता दें कि बीते साल इंडोनेशिया, नाइजीरिया, तजाकिस्तान, श्रीलंका जैसे कई देशों में भारतीय दवा की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठे हैं। बजट में दवा निर्माता कंपनियों के अनुपालन भार को कम करने की भी मांग उठाई गई है। बीते तीन सालों से देश के फार्मा व ड्रग निर्यात में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 2023-24 में निर्यात 9.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 27.9 अरब डॉलर के स्तर पर दर्ज किया गया है। वर्ष 2030 तक इसे 130 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। पिरामल फार्मा लिमिटेड की चेयरमैन नंदिनी पिरामल का मानना है कि भारतीय दवा के निर्यात की बड़ी संभावनाएं हैं। बजट में सरकार को दवा निर्यात के प्रोत्साहन के लिए इंसेंटिव की घोषणा करनी चाहिए। इससे कंपनियां बड़े निवेश के लिए प्रोत्साहित हो सकेंगी। गौरतलब है कि तीन साल पहले तक दवा के कच्चे माल के लिए भारत मुख्य रूप से चीन पर निर्भर था। कोरोना काल में इसकी गंभीरता को देखते हुए सरकार ने दवा के कच्चे माल के निर्माण के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम की घोषणा की। इसके तहत 40 से अधिक कंपनियां आईं और कई ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है। फार्मा के घरेलू उत्पादन और निर्यात में बढ़ोतरी को देखते हुए फार्मा उद्यमी इस सेक्टर को अब रिसर्च व इनोवेशन के सहारे नए चरण में ले जाना चाहते हैं। उधर, मेडिकल उपकरण निर्माताओं ने सरकार से बजट में उपकरणों के आयात पर लगने वाले शुल्क को 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की मांग की है।

स्वास्थ्य विभाग का छापा, अवैध मेडिकल स्टोर सील

चंबा: स्वास्थ्य विभाग ने छापेमारी कर बिना लाइसेंस के संचालित किए जा रहे मेडिकल स्टोर को सील कर दिया है। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग की टीम को देखकर दवा स्टोर संचालिका दुकान बंद कर भाग गई थी। दवा निरीक्षण टीम ने दुकानदार का पता किया और फोन कर उसे मौके पर बुलाया। दवाई बेचने के लिए ड्रग लाइसेंस दिखाने को कहा तो वह इसे नहीं दिखा पाई। इसके चलते टीम ने दवा दुकान को सील कर दिया।

पंचायत प्रतिनिधि नहीं कर रहे सहयोग : दवा निरीक्षक ने पंचायत प्रतिनिधियों की तरफ से सहयोग न करने पर उपायुक्त को पत्र लिखा है। इसमें बताया गया कि पंचायत में जब भी वह कार्रवाई करने के लिए जाते हैं तो उन्हें संपूर्ण सहयोग नहीं मिल पाता। पंचायत प्रतिनिधियों को सहयोग करने के आदेश दिए जाएं। **मेडिकल स्टोर संचालक से मांगा स्पष्टीकरण :** स्टेट ड्रग कंट्रोलर मनीष कपूर ने बताया कि चुराह विधानसभा में बिना लाइसेंस चल रही दवा की दुकान को सील किया है। साथ ही दुकान संचालक से स्पष्टीकरण मांगा है।

डॉ रेड्डीज का पहली तिमाही का मुनाफा मामूली रूप से घटकर 1,392 करोड़ रुपये रहा; राजस्व 7,673 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज ने कहा कि 30 जून, 2024 को समाप्त पहली तिमाही के लिए उसका समेकित कर पश्चात लाभ मामूली रूप से घटकर 1,392 करोड़ रुपये रह गया। दवा कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 1,402 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ (पीएटी) दर्ज किया था। डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि पहली तिमाही में राजस्व 7,673 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 6,738 करोड़ रुपये था। डॉ रेड्डीज के सह-अध्यक्ष और एमडी जीवी प्रसाद ने कहा, हमने नए वित्त वर्ष की अच्छी शुरुआत की और हमारी वृद्धि और लाभप्रदता मुख्य रूप से हमारे जेनेरिक व्यवसाय द्वारा संचालित हुई। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने मुख्य व्यवसायों को मजबूत करना जारी रखे हुए है और रोगी प्रभाव और मूल्य सृजन को बढ़ाने के लिए बायोलॉजिक्स, उपभोक्ता स्वास्थ्य सेवा और नवाचार में रणनीतिक निवेश किया है। उत्तरी अमेरिकी जेनेरिक्स व्यवसाय का राजस्व साल दर साल 20 प्रतिशत बढ़कर पहली तिमाही में 3,846 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 3,200 करोड़ रुपये था। भारत के जेनेरिक्स व्यवसाय का राजस्व पहली तिमाही में 1,325 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में यह 1,148 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि उसके बोर्ड ने 5 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर को 1 रुपये अंकित मूल्य वाले पांच शेयरों में उप-विभाजित करने को मंजूरी दे दी है।

एंथम बायोसाइंसेज ने आईपीओ के लिए जेएम फाइनेंशियल, सिटी, जेपी मॉर्गन को बैंकर नियुक्त किया

मुंबई: प्राप्त समाचार के अनुसार अनुबंध दवा अनुसंधानकर्ता और निर्माता एंथम बायोसाइंसेज ने सिटी और जेपी मॉर्गन को बैंकर के रूप में रखते हुए अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए जेएम फाइनेंशियल को प्रमुख बैंकर नियुक्त किया है, इस घटनाक्रम से अवगत लोगों ने बताया। बेंगलुरु स्थित इस शोध स्टार्टअप के आईपीओ में नए शेयर जारी करने और मौजूदा निवेशकों से बिक्री के लिए प्रस्ताव शामिल होंगे, और इससे कुल 3,300 करोड़ रुपये (लगभग 400 मिलियन डॉलर) जुटाने की उम्मीद है। ऊपर बताए गए लोगों में से एक ने बताया कि आईपीओ इस साल के अंत तक या अगले साल की पहली तिमाही में प्राथमिक बाजार में आने की उम्मीद है, जो विनियामक अनुमोदन के अधीन है। एंथम, जेएम, सिटी और जेपी मॉर्गन ने शुक्रवार को प्रेस टाइम तक ईटी के सवालों का जवाब नहीं दिया। बायोकॉन के पूर्व कार्यकारी अजय भारद्वाज द्वारा स्थापित, एंथम बायोसाइंसेज वैश्विक इनोवेटर फार्मास्युटिकल और बायोटेक्नोलॉजी कंपनियों को दवा खोज से लेकर विकास और निर्माण तक एकीकृत फार्मास्युटिकल सेवाएं प्रदान करता है। यह बायोकॉन के स्वामित्व वाली सिंजेन इंटरनेशनल और हैदराबाद स्थित जीवीके बायो के साथ प्रतिस्पर्धा करता है। मार्च 2021 में, टू नॉर्थ ने लगभग 1 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन पर, लगभग 85 मिलियन डॉलर में एंथम बायो में लगभग 8% हिस्सेदारी हासिल की। एंथम बायोसाइंसेज ने मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए 385 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ के साथ 1,057 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया। यह बेंगलुरू के निकट बोम्मसंद्रा और हारोहल्ली में दो विनिर्माण सुविधाएं संचालित करता है।

TORIOX LABORATORIES
Manufacturers of
Quality Nutraceutical & Ayurvedic Products
Wide range of Syrups, Tablets, Capsules, Sachets, Energy Powders, Oils, Protein Powders and Effervescent Tablets Available
For Manufacturing Related Queries
Call 99916 53003
All types of
Third party Manufacturing Enquiries
Own Brand Manufacturing Enquires
Bulk Manufacturing Enquires
Welcome
TORIOX LABORATORIES
Plot No. 52, HSIIDC Alipur, Barwala, Panchkula, Haryana-134117
E-mail: info@torioxlaboratories.com
www.torioxlaboratories.com

डायबिटीज व हेमोराइड के रोगियों को एक सिरिंज में दे सकेंगे दो दवाओं का मिश्रण

जम्मू: एक सिरिंज में अब दो दवाओं का मिश्रण दिया जाना संभव हो गया है। इससे डायबिटीज और हेमोराइड के रोगियों को काफी सुविधा रहेगी। बता दें कि डायबिटीज, हेमोराइड, रूट कैनाल आदि रोगों के इलाज में एक से अधिक दवाइयों का मिश्रण करना पड़ता है। उसके लिए अब मरीज को एक से अधिक बार सिरिंज नहीं लगानी होगी। एक ही सिरिंज में दो तरह की दवाओं का मिश्रण होगा और एक बार में ही मरीज का टीकाकरण हो जाएगा। गौरतलब है कि आईआईटी जम्मू में हुए इनोवेंशन फैक्ट्री कार्यक्रम में आईआईटी जम्मू की खुशबू राठौड़ और एनआईटी त्रिची के वरुण रावत ने मल्टी-ड्रग इंजेक्टर तैयार किया है। इसमें एक सिरिंज में एक से अधिक दवाइयों का आसानी से मिश्रण हो सकेगा। एनआईटी त्रिची मैकेनिकल अंतिम वर्ष के छात्र वरुण रावत ने कहा कि ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड में एंटीइन्फ्लैमेटोरियो और दर्द निवारक को साथ में देना होता है। इसके लिए उसका अच्छे से मिश्रण होना जरूरी होता है। कई सारी दवाइयां मिलकर एक नई दवा बनाती है। सामान्य सिरिंज में इस तरह का तंत्र नहीं होता है। ऐसे में मल्टी-ड्रग इंजेक्टर काफी उपयोगी होता है।

बेस्ट इंवेंशन का पुरस्कार मिला

ये इंजेक्टर न सिर्फ दो दवाइयों का अच्छे से मिश्रण करेगा बल्कि उतना ही करेगा जितनी जरूरत होगी। मल्टी ड्रग्स इंजेक्टर को नोवेंशन फैक्ट्री कार्यक्रम में बेस्ट इंवेंशन का पुरस्कार मिला और पुरस्कार के रूप में दो लाख रुपये का चेक मिला।

इंजेक्टर में दो चौंबर लगे हैं। मान लें कि डॉक्टर ने दो अलग-अलग दवाइयों का सॉल्युशन बनाना है और एक दवा का दो एमएल तो दूसरी का चार एमएल लेना है। वर्तमान में डॉक्टर को टेस्ट ट्यूब में मिश्रण करना पड़ता है। मल्टी-ड्रग इंजेक्टर में डोर सेटिंग व्यवस्था है। इसमें दोनों दवाइयों के डोज अलग-अलग तय किए जा सकते हैं। उससे डॉक्टर को काफी आसानी मिलेगी। सामान्य रूप से दो मिश्रित दवाइयों को लंबे समय तक नहीं रख सकते हैं, लेकिन इंजेक्टर दो दवाइयों को अलग-अलग रखता है। जरूरत पडने पर ट्रिगर पिन से दोनों दवाइयों का मिश्रण हो सकेगा। ये सभी सिर्फ यांत्रिक घटक की मदद से होगा और ये इंजेक्टर सामान्य सिरिंज जितना होगा। इसमें कंस्ट्रक चौंबर हैं। इसकी मदद से यह सब संभव होगा।

'फार्मा क्षेत्र के विकास के लिए कौशल उन्नयन और नवाचार की आवश्यकता'

नई दिल्ली: संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में कहा गया है कि घरेलू दवा उद्योग को कौशल उन्नयन, नवाचार और एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकता है, जिसका आकार 2030 तक 130 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है। भारतीय दवा बाजार का वर्तमान मूल्य लगभग 50 बिलियन अमरीकी डॉलर है और यह मात्रा के हिसाब से दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। सर्वेक्षण में कहा गया है, फार्मा उद्योग के 2030 तक 130 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है। फार्मा में विकास के अगले चरण के लिए कौशल उन्नयन, नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग और एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना की आवश्यकता है। इसमें कहा गया है कि दवा क्षेत्र में भारत की ताकत मौजूदा ऑफ-पेटेंट दवाओं का लागत प्रभावी और कुशल उत्पादक होने में निहित है -जिसे जेनेरिक उद्योग भी कहा जाता है। दुनिया को नवोन्मेषकों और उचित मूल्य पर दवाएँ उपलब्ध कराने वालों दोनों की जरूरत है, जिसमें सामाजिक लाभ बढ़ाने में बाद वाले की अहम भूमिका है। इसमें कहा गया है कि अनसुलझे स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से नई दवाओं के विकास से आबादी के लिए स्वास्थ्य सेवा की पहुँच की चौड़ाई और गुणवत्ता में सुधार होगा।

MD PAPER August 2024_32 Inch January. 2021.qxd 2/28/2025 9:16 AM Page 9

औषधि विभाग की मेडिकल स्टोर पर रेड, लगी रोक

मधुबनी (बिहार): औषधि विभाग की टीम ने मेडिकल स्टोर पर छापेमारी कर जांच के बाद इसके संचालन पर 20 दिनों के लिए रोक लगा दी है। क्षेत्रीय अपर निदेशक एवं विसर्जन के निर्देश पर औषधि निरीक्षक निशी एल टोपनो एवं संगीता ने लदनियां प्रखंड के गाढा स्थित शिवम मेडिकल हाल पर छापेमारी की। दवा दुकान संचालक को दवा के क्रय-विक्रय पर 20 दिनों के लिए रोक लगा दी है। बता दें कि गाढा निवासी अशोक यादव ने शिवम मेडिकल स्टोर के संचालक पर अवैध दवा की बिक्री का आरोप लगाते हुए केस दर्ज करवाया था। इसके चलते आरएडीडी ने मामले की जांच औषधि निरीक्षक को सौंपी। डीआई निशी एल टोपनो ने शिवम दवा दुकान पर दबिश दी और संचालक से क्रय विक्रय के दस्तावेज मांगे। मेडिकल स्टोर संचालक इसे दिखा पाने में असमर्थ रहा। इसके चलते मेडिकल स्टोर से एक्सपेक्ट-डी का सैंपल लेकर जांच के लिए लैबोरेट्री भेजा गया है। मेडिकल स्टोर को आगामी 20 दिनों के लिए बंद करवा दिया गया है। छापेमारी की जांच रिपोर्ट संबंधित पदाधिकारी को सौंप दी गई है। सैंपल की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

मैनकाइंड फार्मा करेगी भारत सीरम एंड वैक्सीन्स का अधिग्रहण

मुंबई: प्राप्त समाचार के अनुसार मैनकाइंड फार्मा कंपनी भारत सीरम एंड वैक्सीन्स (बीएसवी) में सौ फीसदी हिस्सेदारी हासिल करेगी। इसके लिए 13,630 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करने का निश्चित समझौता किया है। कंपनी ने कहा कि वह निजी इक्विटी निवेशक एडवेंट इंटरनेशनल से करीब 13,630 करोड़ रुपये में भारत सीरम और वैक्सीन का पूर्ण अधिग्रहण करेगी। इससे दवा निर्माता खुद को भारतीय महिला स्वास्थ्य और प्रजनन दवा बाजार में अग्रणी के रूप में स्थापित कर रहा है। वहीं, जटिल आरएंडडी तकनीक प्लेटफार्मों के साथ गंभीर देखभाल में अन्य उच्च प्रवेश बाधा उत्पादों तक अपनी पहुंच बना रहा है। इसके कुछ प्रमुख ब्रांड अपने-अपने चिकित्सा क्षेत्रों में मजबूत नेतृत्व की स्थिति में हैं। उधर , मैनकाइंड फार्मा के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राजीव जुनेजा का कहना है कि बीएसवी का अधिग्रहण मैनकाइंड की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह हमें भारतीय महिला स्वास्थ्य और प्रजनन क्षेत्र में बाजार अग्रणी के रूप में स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि हम अपने मैनकाइंड परिवार में बीएसवी के 2,500 से अधिक सदस्यों का स्वागत करते हैं। साथ मिलकर हम और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगे और दुनियाभर में महिलाओं के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालने की आशा करते हैं। बीएसवी के सीईओ और एमडी संजीव नवंगुल ने कहा कि यह अधिग्रहण अत्याधुनिक उत्पाद लाने और भारत समेत दुनियाभर में लाखों रोगियों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

अवैध मेडिकल स्टोर पर छापेमारी, 116 प्रकार की दवाइयां जब्त किया सील

चंबा (हिमाचल): अवैध मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की गई और 116 प्रकार की दवाइयों को जब्त कर सील कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग ने चुराह क्षेत्र में बिना लाइसेंस चल रही निजी संस्था पर दबिश देकर उसे सील कर दिया है। दवा निरीक्षक ने चंबा से तीसा में जाकर यह कार्रवाई की। उनकी इस कार्रवाई के बाद चुराह के साथ-साथ पूरे जिले में झोलाछाप डॉक्टरों और दवाई विक्रेताओं में हडकंप मच गया है। निजी संस्था पिछले कई महीनों से बिना लाइसेंस दवाइयों की सप्लाई कर रही थी। दुकान की जांच के दौरान 116 प्रकार की दवाइयां मिलीं। स्वास्थ्य विभाग ने दुकान को सील कर सभी दवाइयां कब्जे में ले ली हैं। दवा निरीक्षक ने निरीक्षण के दौरान दुकान संचालक ने दवाइयों को इतनी अधिक मात्रा में रखने के लिए ड्रग लाइसेंस दिखाने को कहा। लेकिन संस्था के पास कोई लाइसेंस नहीं मिला। जबकि किसी प्रकार की दवाई रखने और बेचने के लिए ड्रग लाइसेंस होना अनिवार्य है। इसके चलते दवा दुकान को सील कर दिया गया। गौरतलब है कि दवा निरीक्षक दो महीनों में तीन दुकानें जिले में सील कर चुके हैं।

लेडी डॉक्टर ने एक ही अस्पताल में 20 से ज्यादा किडनी ट्रांसप्लांट किए

नोएडा।: लेडी डॉक्टर द्वारा मात्र दो साल में एक ही अस्पताल में 20 से ज्यादा किडनी ट्रांसप्लांट किए जाने का खुलासा हुआ है।

हाल ही में दिल्ली पुलिस ने एक अंतर्राष्ट्रीय किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस मामले में नया खुालसा हुआ है। रैकेट में शामिल एक महिला डॉक्टर ने महज दो साल में नोएडा के एक ही अस्पताल में 20 से ज्यादा किडनी ट्रांसप्लांट किए थे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार नोएडा और ग्रेटर नोएडा में ऐसे छह अस्पताल हैं जो ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए पंजीकृत हैं। नोएडा का स्वास्थ्य विभाग उन सबके आंकड़े जुटा रहा है। इसे दिल्ली की अपराध शाखा को सौंपा जाएगा। ऐसे में नोएडा में भी कई डॉक्टरों और अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। गौरतलब है कि नोएडा में सेक्टर 62 में फॉर्टिस हॉस्पिटल, सेक्टर 128 में जेपी अस्पताल, ग्रेटर नोएडा में यथार्थ अस्पताल, नोएडा एक्सटेंशन में यथार्थ अस्पताल, नोएडा सेक्टर-26 में अपोलो अस्पताल और सेक्टर 104 में प्राइमा अस्पताल में अंग प्रत्यारोपण (ऑर्गन ट्रांसप्लांट) होता है।

119 ऑर्गन ट्रांसप्लांट हुए : यथार्थ (दोनों शाखाओं) और प्राइमा अस्पताल में अब तक 119 ऑर्गन ट्रांसप्लांट हुए हैं। करीब 12 प्राइमा अस्पताल में और शेष यथार्थ अस्पताल में हुए हैं। इनमें किडनी, लिवर और हृदय प्रत्यारोपण प्रमुख हैं। बता दें कि मरीज के साथ अंगदाता के कार्यालय पहुंचने के बाद जरूरी दस्तावेज की जांच के बाद प्रक्रिया पूर्ण करने पर एनआ. ेसी दिया जाता है। इस प्रक्रिया में ट्रांसप्लांट करने वाला डॉक्टर शामिल नहीं होता है। अधिकारियों का कहना है कि डॉ. विजया राजकुमारी इस मामले में कार्यालय नहीं आईं। उनके जिले में प्रैक्टिस करने संबंधी दस्तावेज की जांच के बाद कुछ कहा जा सकेगा। बताया गया कि यथार्थ अस्पताल में जो ट्रांसप्लांट हुए, उनमें बांग्लादेश, अफगानिस्तान समेत कई देशों से मरीज और अंगदाता पहुंचे थे।

अस्पताल में मरीजों के अश्लील वीडियो बनाए, 3 नर्सों को किया Arrest

नई दिल्ली: अस्पताल में मरीजों के अश्लील वीडियो बनाए और उन्हें स्नैपचैट पर शेयर किया गया। तीनों आरोपी नर्सों को गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में केस दायर किया गया है। आरोप है कि ये तीनों नर्स अस्पताल में भर्ती बुजुर्ग मरीजों के अश्लील वीडियो बनाती थीं और उन्हें स्नैपचैट पर शेयर करती थीं। यही नहीं, इन तीनों ने मुर्दाघर में आने वाले शवों को भी नहीं बख्शा। पुलिस टीम को इनके मोबाइल से मृत लोगों की तस्वीरें और वीडियो मिले हैं। मामला सामने आने के बाद तीनों नर्सों को अस्पताल प्रशासन ने नौकरी से निकाल दिया है। नर्सिंग के पवित्र पेशे को तीन नर्सों ने शर्मसार कर डाला है। ओक्लाहोमा के एक अस्पताल में मरीजों के मजाक भरे और अश्लील वीडियो वायरल हुआ, जिसके बाद से बाद हडकंप मचा है। मामला संज्ञान में आते ही हॉस्पिटल प्रशासन ने आरोपी तीन नर्सों को तुरंत ड्यूटी से हटा दिया। इन तीनों नर्सों के नाम जेड विलियम्स, ऑब्रे ग्रेनाटा और मैकेंजी बोल्फा बताए गए हैं। ये तीनों शहर के गोल्डन एज हॉस्पिटल में नौकरी करती थीं और यहीं पर इन्होंने मरीजों के साथ अश्लील वीडियो बनाए। जिन वीडियो के आधार पर इन तीनों के ऊपर केस दर्ज किया गया है, उनमें इन्होंने बुजुर्ग मरीजों का मजाक बनाया है। एक वीडियो में एक मरीज को बिस्तर पर लेटे हुए दिखाया गया है। वह शर्ट और डायपर पहने हुए है और उसकी चादर गंदगी से भरी है। दूसरे वीडियो में एक मरीज को कमर से नीचे नग्न अवस्था में दिखाया गया है। कुछ वीडियो में ये तीनों उनकी हालत का मजाक बनाती हुई दिख रही हैं। ये तीनों नर्स एक वीडियो में मुर्दाघर में रखे एक शव के बालों के साथ छेड़छाड़ करते हुए भी दिख रही हैं। बीते 24 जून को इन तीनों नर्सों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में आरोप लगाया गया कि इन तीनों ने अपने पेशे को शर्मसार किया है।

नशीली दवा याबा टैब की 32.53 करोड़ की तस्करी पकड़ी

आइजोल: नशीली दवा याबा टैब की 32.53 करोड़ की तस्करी को रोकने में पुलिस को सफलता मिली है। वहीं, महिला समेत दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि नशीली दवा तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने सीमावर्ती चम्फाई जिले से आइजोल जा रही एक बोलेरो कार को रोका। कार की तलाशी ली गई और 32.11 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की नशीली 10,70,600 मेथमफेटामाइन गोलियां बरामद कीं। 115.55 किलोग्राम मेथाम्फेटामाइन गोलियां (जिन्हें याबा टैबलेट या पार्टी टैबलेट भी कहा जाता है) 106 पैकेटों में रखी गई थीं।

ब्लड बैंक में कमीशनखोरी का भंडाफोड़, तीन कर्मचारी हटाए

मंडला (मध्य प्रदेश): ब्लड बैंक में कमीशनखोरी का मामला सामने आया है। इस खेल से जुड़े 3 कर्मचारियों की नौकरी समाप्त कर दी गई है और 11 को कारण बताओ नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। फिलहाल अस्पताल में सक्रिय ब्लड माफिया गिरोह के सदस्य फरार बताए जा रहे हैं।

ब्लड माफिया और ब्लड बैंक कर्मियों के बीच सांठगांठ का मामला सामने आया है। गिरोह के लोग भोले-भाले, गरीब ग्रामीणों से मुफ्त में खून लेते और उसके बदले कर्मचारियों से मिलीभगत कर हजारों रुपये कमाते थे। मोहगांव क्षेत्र का एक ग्रामीण अस्पताल में भर्ती हुआ। उनको खून की जरूरत पड़ी तो ब्लड माफिया ने इस ग्रामीण से एक यूनिट ब्लड के बदले 34 सौ रुपये ऐंठ लिए। ग्रामीण ने इसकी शिकायत जिला और स्वास्थ्य प्रशासन से की। शिकायत मिलने पर जिला और स्वास्थ्य प्रशासन ने मामले की जांच की। जांच में ब्लड बैंक विभाग और खून के दलालों की सांठगांठ उजागर हुई।

औषधि विभाग ने दवा दुकानों पर रेड, 9 स्टोर कराए बंद

देहरादून। प्राप्त समाचार के अनुसार औषधि विभाग ने दवा दुकानों पर छापेमारी की। विभाग ने निरीक्षण के दौरान लापरवाही मिलने पर 9 मेडिकल स्टोरों को बंद करवा दिया है। औषधि नियंत्रण विभाग की टीम ने पछवादून क्षेत्र में 14 मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान फार्मासिस्ट न मिलने और अन्य कई अनियमितताएं पाए जाने पर नौ मेडिकल स्टोरों को बंद करवा दिया है। मेडिकल स्टोर संचालकों को नोटिस भी जारी किए हैं। नोटिस का संतोषजनक जवाब न मिलने और दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर संबंधित मेडिकल स्टोर के लाइसेंस रद करने की कार्रवई की जाएगी।

औषधि नियंत्रण विभाग को पछवादून क्षेत्र की दवा दुकानों में अनियमितता की शिकायतें मिल रही थी। इसके चलते ड्रग इंस्पेक्टर मानेंद्र सिंह राणा के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। ड्रग इंस्पेक्टर ने सबसे पहले सेलाकुई में राजकीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के पास छह मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षक किया। इस दौरान तीन मेडिकल स्टोर में फार्मासिस्ट और मालिक दोनों ही गायब मिले। मेडिकल स्टोर में एक्सपायरी और नारकोटिक्स ड्रग का रिकॉर्ड नहीं मिला। एक्सपायर दवाओं को रखने के लिए अलग से बॉक्स भी नहीं बनाए गए थे और मेडिकल स्टोर में गंदगी पाई गई। ड्रग इंस्पेक्टर ने तत्काल मेडिकल स्टोर को बंद कर दवा के क्रय और विक्रय पर रोक लगा दी। उसके बाद ड्रग इंस्पेक्टर ने सेलाकुई, सहसपुर और बरोटीवाला में आठ मेडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान छह में फार्मासिस्ट, स्टॉक, नारकोटिक्स व एक्सपायर दवाओं के रिकॉर्ड नहीं मिले। दवाओं के भंडारण व कोल्ड चेन की व्यवस्था में भी अनियमितताएं पाई।

फर्जी डॉक्टर का एक और अस्पताल सील, आरोपी स्टाफ समेत फरार

अहमदाबाद: प्राप्त समाचार के अनुसार फर्जी डॉक्टर का एक और मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल सील किया गया है। आरोपी फर्जी डॉक्टर मेडिकल उपकरण लेकर अपने स्टाफ के साथ फरार हो गया है। अहमदाबाद जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेष परमार ने पिछले दिनों फर्जी चिकित्सक डा. मेहुल चावडा के बावला तालुका के केराला गांव में अवैध अनन्या हॉस्पिटल को सील किया था। टीम ने उसी के सामने चल रहे अन्य मल्टीस्पेशियलिटी मोरैया हास्पिटल पर भी छापेमारी की। हालांकि, इस कार्यवाही से पहले फर्जी डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ मौके से फरार होने में कामयाब रहे।

वीडियो वायरल होने के बाद कार्रवाई : अहमदाबाद जिले के बावला तालुका के केराला गांव में मेहूल चावड़ा नामक फर्जी डॉक्टर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल चला रहा था। इलाज के नाम पर यह फर्जी डॉक्टर मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहा था। साथ ही लाखों रुपये की अवैध कमाई करने में जुटा था। मरीज का इलाज करते समय फर्जी डॉक्टर का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वह मरीज का इलाज करता दिखाई दे रहा था। यह वीडियो मरीज के परिवार ने बनाया था। इनकी बेटी को इलाज के लिए अनन्या मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल एडमिट किया गया था। बाद में उसकी मौत हो गई हुई थी। इस वायरल वीडियो की जांच के आदेश जारी हुए और मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. शैलेश परमार की अगुवाई में टीम ने पुलिस के साथ अनन्या मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल पर रेड की। जांच के बाद अस्पताल को सील कर दिया गया। अब फर्जी डॉक्टर का एक और मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल सील किया गया है। फर्जी डॉक्टर का एक और मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल सील किया गया है।

कोहेन्स लाइफसाइंसेज और सुवेन फार्मा के विलय को एनएसई, बीएसई की मंजूरी मिली

हैदराबाद: प्राप्त समाचार के अनुसार एडवेंट इंटरनेशनल समर्थित एकीकृत अनुबंध विकास और विनिर्माण संगठन (सीडीएमओ) सुवेन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने कहा कि उसे कोहेन्स लाइफसाइंसेज के साथ प्रस्तावित विलय के लिए दोनों स्टॉक एक्सचेंजों - नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने कहा कि हैदराबाद स्थित सुवेन फार्मास्युटिकल और कोहेन्स लाइफसाइंसेज द्वारा विलय के लिए राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष एक संयुक्त आवे. दन भी दायर किया गया है, कंपनी ने कहा कि विलय प्रक्रिया के पूरा होने की अपेक्षित समयसीमा लगभग 12-15 महीने थी। संयुक्त इकाई मजबूत विकास और विनिर्माण क्षमताओं के साथ एक एकीकृत सीडीएमओ खिलाड़ी के रूप में उभरेगी और तीन मुख्य वर्टिकल - फार्मा सीडीएमओ, एग्रोकेमिकल्स सीडीएमओ और सक्रिय फार्मास्युटिकल घटक (एपीआई) विनिर्माण का संचालन करेगी, यह कहा। सुवेन ने कहा कि विलय किए गए प्लेटफॉर्म में 37% से अधिक EBITD। मार्जिन, 30% से अधिक RoCE, मजबूत नकदी प्रवाह सृजन के साथ श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ वित्तीय मीट्रिक होंगे, जिसमें अगले 2-4 वर्षों में विभिन्न राजस्व और लागत तालमेल पहलों से लगभग 10% वृद्धिशील EBITD। को चलाने की क्षमता है। जबकि वैश्विक निजी इक्विटी (पीई) इक्विटी खिलाड़ी एडवेंट के पास वर्तमान में सुवेन फार्मा में 50.1% और कोहेन्स में 100% हिस्सेदारी है, विलय के बाद एडवेंट के पास संयुक्त इकाई में 66.7% हिस्सेदारी होगी।

नशा तस्कर गिरोह का पर्दाफाश

बरनाला (पंजाब): बरनाला में नशा तस्कर गिरोह का पर्दाफाश करने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अंतरराज्यीय नशा तस्कर गिरोह के 4 सदस्यों को उत्तर प्रदेश में छापेमारी कर गिरफ्तार किया है। तस्करों के पास से भारी मात्रा में नशीली गोलियां और एक गाड़ी जब्त की गई है। एसएसपी संदीप कुमार मलिक ने बताया कि कुछ दिन पहले पटियाला निवासी एक नशा तस्कर शिवराम को पकड़ा गया था। पुलिस ने उसके पास से 1 लाख 37 हजार 550 नशीली गोलियां बरामद की थी। उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस ने उत्तर प्रदेश के जिला सहारनपुर और मुजफ्फरनगर में रेड की। वहां से नश तस्कर मोहम्मद आलम, अभिषेक कुमार और आशु तीनों निवासी सहारनपुर के अलावा फरमान अली निवासी मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार कर लिया।

बोरोप्लस क्रीम और च्यवनप्राश समेत 5 आयुर्वेदिक उत्पाद अब औषधि के दायरे में

हैदराबाद: बोरोप्लस क्रीम और च्यवनप्राश समेत 5 आयुर्वेदिक उत्पाद औषधि के दायरे में आ गए हैं। इस संबंध में तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 25 साल पुराने कर विवाद में फैसला सुनाया है। कोर्ट के अनुसार हिमामी और इमामी कंपनियों द्वारा उत्पादित और बिक्री किए जाने वाले पांच आयुर्वेदिक उत्पाद ख्र नवरत्न तेल , गोल्ड हल्दी क्रीम, बोरोप्लस एंटीसेप्टिक क्रीम, बोरोप्लस प्रिकली हीट पाउडर और सोना चांदी च्यवनप्राश ख्र सौंदर्य प्रसाधनों के बजाय अब औषधियों की श्रेणी में आएंगे। हाईकोर्ट के इस फैसले से इन दोनों सहयोगी कम्पनियों को कुछ अतिरिक्त कर बोझ से छुट मिलेगी। दरअसल, कॉस्मेटिक उत्पाद के रूप में 20 प्रतिशत जीएसटी लगेगा और यदि इसे उपचारात्मक गुणों वाली दवा के रूप में मान्यता मिलती है तो यह 10 फीसदी होगा। यह सब कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से शुरू हुआ। राज्य ने उन्हें सौंदर्य प्रसाधन के रूप में मानना शुरू किया और उन पर 20 फीसदी बिक्री कर लगाया। न्यायमूर्ति पी सैम कोशी और न्यायमूर्ति एन तुकारामजी की खंडपीठ ने दोनों पक्षों को सुना और कहा कि पांचों उत्पाद दवाओं की श्रेणी में आते हैं। यह विवाद निरोग दंत पाउडर लाल सहित छह उत्पादों के इर्द-गिर्द घूमता है। इनका निर्माण और बिक्री दोनों सहयोगी कम्पनियों द्वारा की जा रही है। कर अधिकारियों ने उन्हें सौंदर्य प्रसाधन के रूप में वर्गीकृत किया और उन पर 20 प्रतिशत कर लगाना शुरू कर दिया। दंत पाउडर के संबंध में बिक्री कर अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा कॉस्मेटिक उत्पाद मानने के निर्णय को कम्पनियों द्वारा भी स्वीकार किया गया।

अग्निकांड: दिल्ली पुलिस ने मालिक समेत 2 डॉक्टरों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार दिल्ली पुलिस ने बेबी केयर न्यू बोर्न चाइल्ड अस्पताल अग्निकांड मामले में मालिक समेत दो डॉक्टरों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है. कड़कड़डूमा कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई है. यह घटना 25 मई की रात विवेक विहार में हुई थी. घटना में आठ नवजात शिशुओं की मौत हो गई थी. अस्पताल के मालिक डॉ. नवीन खिंची और डॉ. आकाश के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है. दिल्ली पुलिस ने आईपीसी की धारा 304, 308, 34 और जेजे एक्ट की धारा 75 लगाई है. कड़कड़डूमा कोर्ट की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) विधि गुप्ता आनंद ने मामले की अगली सुनवाई 2 अगस्त को तय की है. चार्जशीट की कॉपी आरोपियों डॉ. नवीन खिंची और डॉ. आकाश के वकील को दे दी गई है. आरोपियों को उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद पेश किया गया था। आरोपियों की ओर से अधिवक्ता नवीन कुमार सिंह और अधिवक्ता सत्यम सिंह ने पैरवी की।

पुलिस के अनुसार, खीची को 26 मई और आकाश को 27 मई 2024 को गिरफ्तार किया गया था। जांच के बाद दिल्ली पुलिस ने 1,000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। उन्होंने जांच के दौरान एकत्र किए गए 80 अभियोजन पक्ष के गवाहों और सबूतों की सूची संलग्न की है। इस घटना के संबंध में 26 मई 2024 को विवेक विहार थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस हिरासत के बाद आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। डॉ. आकाश ने जमानत याचिका दायर की थी, जिसे अदालत ने 3 जून को खारिज कर दिया था। इससे पहले पुलिस को सीसीटीवी फुटेज के डीवीआर को जब्त करने और आकाश की मेडिकल डिग्री की जांच करने के लिए तीन दिन की पुलिस हिरासत दी गई थी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, 25 मई 2024 को रात 11:29 बजे एक अस्पताल में आग लगने और लोगों के खतरे में होने की सूचना मिली थी। पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारी विवेक विहार स्थित बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल में पहुंचे, जहां उन्होंने दो मंजिला इमारत में आग देखी। दमकल विभाग के कर्मचारियों की मदद से नर्सिंग स्टेशन से 12 शिशुओं को बचाया गया। पुलिस ने बताया कि आग बुझाने के बाद अस्पताल का निरीक्षण किया गया, जहां ऑक्सीजन सिलेंडर फटे हुए पाए गए।

बचाए गए शिशुओं को दूसरे अस्पताल, ईस्ट दिल्ली एडवांस एनआईसीयू, विवेक विहार, दिल्ली में स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि बाद में मृत शिशुओं को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया। अस्पताल का निरीक्षण और नर्सिंग स्टाफ की जांच करने पर पाया गया कि वहां कोई अग्निशामक यंत्र नहीं थे, प्रवेश और निकास के उचित स्थान नहीं थे, आपातकालीन निकास का अभाव था और बीएएमएस डॉक्टर की तैनाती आदि थी। दंडात्मक धारा 304/308 आईपीसी लागू की गई। पाया गया कि बेबी केयर न्यू बोर्न चाइल्ड हॉस्पिटल को DGHS, सरकार द्वारा जारी लाइसेंस। दिल्ली के एनसीटी की, 31 मार्च, 2024 को पहले ही समाप्त हो चुकी थी। यहां तक कि समाप्त लाइसेंस (उक्त अस्पताल को जारी) के अनुसार, इसे केवल पांच बेड की अनुमति थी। हालांकि, घटना के समय, 12 नवजात बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उन्होंने कहा कि डॉक्टर नवजात गहन देखभाल की जरूरत वाले नवजात बच्चों का इलाज करने के लिए योग्य या सक्षम नहीं हैं, क्योंकि उनके पास केवल बीएएमएस की डिग्री है। जांच के दौरान पता चला कि बेबी केयर न्यू बोर्न चाइल्ड अस्पताल की विवेक विहार, पंजाबी बाग, दिल्ली, फरीदाबाद और गुड़गांव में शाखाएं हैं। मालिक, डॉ. नवीन खिची, बाल चिकित्सा में एमडी, भेरा एन्क्लेव, पश्चिम विहार, दिल्ली में रहते हैं। वह और उनकी पत्नी, डॉ. जागृति, जो एक दंत चिकित्सक हैं, अस्पताल चलाते हैं। फायर टेंडर, क्राइम टीम और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। आग का संभावित कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। पुलिस ने कहा कि श्रम विभाग के इलेक्ट्रिक इंस्पेक्टर, दिल्ली सरकार, डी-ब्लॉक, शामनाथ मार्ग से इलेक्ट्रिक निरीक्षण रिपोर्ट प्राप्त की जा रही है, साथ ही दिल्ली अग्निशमन सेवा की एक रिपोर्ट भी प्राप्त की जा रही है।

डेंगू के मामलों में वृद्धि से अस्पतालों में हड़कंप

नागपुर: अस्पताल बेड की भारी कमी से जूझ रहे हैं क्योंकि पिछले दो हफ्तों में चिकनगुनिया, डेंगू और हाई ग्रेड फीवर सहित वेक्टर जनित बीमारियों के पुष्ट और संदिग्ध मामलों की संख्या में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है। अस्पताल प्रशासकों की रिपोर्ट है कि भर्ती होने की आवश्यकता वाले प्रत्येक मरीज को कम से कम 3-5 दिनों के लिए बिस्तर पर रहना पड़ता है, जबकि मरीजों की आमद अनुपात में काफी बढ़ गई है। वयस्क और बाल चिकित्सा दोनों अस्पताल पूरी क्षमता से चल रहे हैं, कई बच्चों को उनके प्लेटलेट काउंट में गिरावट और निर्जलीकरण के कारण भर्ती होने की आवश्यकता है। डेंगू और चिकनगुनिया के कुछ मरीज मनकापुर और सदर के दो बड़े अस्पतालों में बिस्तर पाने में असमर्थ थे, लेकिन आखिरकार शंकर नगर के एक अस्पताल में किस्मत आजमाने में सफल रहे। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक चार्डे ने कहा, पिछले 15 दिनों में डेंगू, डेंगू जैसी बीमारियों और चिकनगुनिया के मामलों में उछाल आया है।

एक ही वातावरण में रहने वाले परिवार के कई सदस्य इससे प्रभावित होते हैं। इसके सामान्य लक्षण हैं तेज बुखार, शरीर में तेज दर्द, जोड़ों में दर्द, सिरदर्द और कमजोरी। इसके अलावा कुछ बच्चों को जी मिचलाना, उल्टी और दस्त की भी शिकायत होती है। तेज बुखार और पानी की कमी का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। शुरुआती उपाय एंटीपायरेटिक्स और तरल पदार्थों का सेवन बढ़ाना है। हालांकि, अगर लक्षण गंभीर हैं तो डॉक्टर के पास जाना और अस्पताल में भर्ती होना जरूरी है। इंटरनल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. हर्षवर्धन बोरा ने कहा, हमारे पास मुश्किल स्थिति है क्योंकि ज्यादातर बेड चिकनगुनिया के मरीजों से भरे हुए हैं। हम भर्ती करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। मतली, उल्टी, मुँह से खाना न लेने वाले और बुजुर्ग मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। युवाओं को घर पर रहने के लिए कहा जा रहा है। कॉरपोरेट अस्पताल इकाई के प्रमुख डॉ. नीलेश अग्रवाल ने कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंद मरीजों को समायोजित करने के लिए कोविड-19 महामारी के दौरान इस्तेमाल की गई रणनीतियों को अपना रहे हैं। चिकनगुनिया, वायरल निमोनिया के मामलों में वृद्धि और अपने स्टाफ में प्रसिद्ध डॉक्टरों को शामिल करने के बाद सर्जिकल मरीजों की संख्या में वृद्धि के कारण अस्पताल में मरीजों की आमद में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। जाफर नगर में एक बड़ा अस्पताल चलाने वाले क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट डॉ. इमरान नूर मोहम्मद ने कहा कि कुछ मामलों में वायरल संक्रमण के साथ या बाद में हार्ट फेलियर और किडनी फेलियर भी हुआ। हाइपर इम्युनिटी वाले बुजुर्ग मरीज और ऑटोइम्यून डिसऑर्डर वाले युवा मरीज गंभीर हो जाते हैं। हम केवल उन्हीं को भर्ती करने की कोशिश करते हैं जिन्हें घर पर ठीक नहीं किया जा सकता। प्रत्येक भर्ती मरीज को खुद से खाना खाने और गतिशीलता हासिल करने में तीन से चार दिन लगते हैं।

गढ़चिरौली जिले में एक परिवार ने घायल व्यक्ति को खाट पर लादकर 14 किलोमीटर तक अस्पताल पहुंचाया

गढ़चिरौली: महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में एक घायल आदिवासी व्यक्ति को उसके परिवार के सदस्यों ने एक उफनती धारा को नाव से पार करके करीब 14 किलोमीटर तक खाट पर लादकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुंबई से करीब 1000 किलोमीटर दूर भामरागढ़ तहसील के भाटपर गांव के मल्लू मज्जी (67) गुरुवार को अपने खेत में काम करते समय घायल हो गए। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि उनके बेटे पुसु मज्जी और कुछ अन्य लोगों ने खाट को अस्थायी स्ट्रेचर में बदल दिया और अस्पताल के लिए निकल पड़े। छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे जिले के भामरागढ़ में स्थित ग्रामीण अस्पताल गांव से करीब 14 किलोमीटर दूर है। उन्होंने बताया कि भाटपर के निवासियों को चिकित्सा सुविधा तक पहुंचने के लिए एक नाला पार करना पड़ता है, जिस पर पुल नहीं है। उन्होंने बताया कि मल्लू के परिवार के सदस्यों ने अपने कंधों पर स्ट्रेचर उठाकर नदी के एक किनारे तक पहुंचाया, उसे पार करने के लिए एक पतली, लंबी लकड़ी की नाव का इस्तेमाल किया और अस्पताल तक पैदल ही अपनी यात्रा जारी रखी। उन्होंने बताया कि शुरुआती उपचार के बाद मरीज के परिजनों ने उसे चिकित्सकीय सलाह के खिलाफ अस्पताल से छुट्टी दिलवा दी और उसे खाट पर लादकर अपने गांव वापस ले गए।

हरियाणा सरकार ने मांगें मानी, हड़ताली डॉक्टर काम पर लौटे

चंडीगढ़: प्राप्त समाचार के अनुसार हरियाणा सरकार से मिले आश्वासन के बाद कि उनकी मांगें मान ली जाएंगी, सरकारी डॉक्टरों ने अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल खत्म कर दी, बंद का नेतृत्व कर रहे एसोसिएशन के प्रमुख ने कहा। हड़ताल खत्म होने के बाद डॉक्टरों ने अपनी ड्यूटी फिर से शुरू कर दी। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राजेश ख्यालिया ने बताया कि शुक्रवार देर रात प्रदर्शनकारी डॉक्टरों के प्रतिनिधियों और हरियाणा के मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव अमित अग्रवाल के बीच हुई बैठक के बाद बंद खत्म कर दिया गया। उन्होंने कहा, हमने हड़ताल खत्म कर दी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने डॉक्टरों की मांगें मान ली हैं और 15 अगस्त से पहले उन्हें अधिसूचित करने का आश्वासन दिया है।

डॉक्टर एक कैरियर प्रोग्रेस स्कीम की मांग कर रहे हैं जो केंद्र सरकार के उनके साथियों के साथ समानता सुनिश्चित करे, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए बांड राशि को 1 करोड़ रुपये से घटाकर 50 लाख रुपये करे और उनके लिए एक विशेषज्ञ कैडर का गठन करे । राज्य सरकार पर अपनी मांगों को स्वीकार करने का दबाव बनाने के लिए 3,000 सरकारी डॉक्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे। हड़ताल के कारण हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हुईं। गतिरोध को समाप्त करने के लिए एसोसिएशन के प्रतिनिधियों और राज्य सरकार के बीच कई बैठकें हुईं। इन बैठकों में सरकार का प्रतिनिधित्व करने वालों में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर और अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) सुधीर राजपाल शामिल थे। यह था मामला डॉक्टरों को स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक करोड़ रुपये के दो बॉन्ड जमा करने होते थे डाक्टरों की हड़ताल यह मांग करता है कि राशि को काफी कम किया जाना चाहिए।

मध्य प्रदेश: इंदौर के दो सरकारी अस्पतालों में 6 साल में 102 मरीजों का हुआ बोन मैरो ट्रांसप्लांट

इंदौर: मध्य प्रदेश के इंदौर में सरकारी महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज (एमजीएमएमसी) से जुड़े दो अस्पतालों में पिछले 6 सालों में 85 बच्चों समेत कुल 102 लोगों का बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) सफलतापूर्वक हुआ है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बीएमटी, जिसे स्टेम सेल ट्रांसप्लांट भी कहा जाता है, एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें स्वस्थ रक्त बनाने वाली स्टेम कोशिकाओं को शरीर में डाला जाता है ताकि बोन मैरो की जगह ले ली जाए जो पर्याप्त स्वस्थ रक्त कोशिकाओं का उत्पादन नहीं कर रही है। पिछले 6 सालों में सरकारी महाराजा यशवंतराव अस्पताल और सरकारी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और ब्लड कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित कुल 85 बच्चों और 17 वयस्कों का बीएमटी हुआ है। एक अधिकारी ने कहा, निजी अस्पतालों में ये प्रक्रियाएं बहुत महंगी हैं, और इनकी लागत लाखों रुपए में है। इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए गुरुवार को आयोजित एक समारोह में, मध्य प्रदेश के शहरी विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर को अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण की राष्ट्रीय राजधानी बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, डॉक्टरों को इसके लिए एक योजना बनानी चाहिए। राज्य सरकार पूरी मदद करेगी। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी इस बात की जांच करेंगे कि शहर में बच्चों को परोसे जाने वाले पिज्जा, मोमोज और नूडल्स में मसाले के रूप में हानिकारक सिरप तो नहीं मिलाए जा रहे हैं।

दो व्यापारी गिरफ्तार

आगरा: प्रतिबंधित अल्प्राजोलम दवा की खेप के साथ दो व्यापारियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस ने आगरा पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स सेल के साथ एक संयुक्त अभियान में फुव्वारा बाजार में की। दोनों आरोपी प्रतिबंधित दवा अल्प्राजोलम की 600 गोलियों से भरे तीन बक्से समेत जब्त किए गए हैं। पुछताछ में पता चला कि दानो आरोपी बड़े ड्रग तस्करी गिरोह से जुड़े हुए हैं।

विश्व आईवीएफ दिवस तनाव प्रबंधन पर केंद्रित मार्गदर्शन कार्यक्रम के साथ मनाया गया

पुणे: 25 जुलाई को विश्व आईवीएफ दिवस के अवसर पर केईएम अस्पताल, पुणे द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में लगभग 50 लोगों ने भाग लिया, जिनमें आईवीएफ के माध्यम से सफलतापूर्वक गर्भधारण करने वाले और आईवीएफ चक्र से गुजरने वाले लोग शामिल थे। कार्यक्रम का ध्यान बांझपन से जूझ रहे दम्पतियों और आईवीएफ चक्र से गुजरने वाले दम्पतियों में तनाव कम करने के महत्व पर केंद्रित था। आईवीएफ की यात्रा शुरू करते समय दम्पतियों में स्वाभाविक रूप से बहुत चिंता और तनाव होता है कि क्या उपचार सफल होगा और साथ ही अपने दैनिक कार्य दिनचर्या को जारी रखते हुए अन्य मुद्दे भी होते हैं। इसलिए अपना उचित ख्याल रखना, स्वस्थ जीवन शैली और तनाव प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण है। तनाव के साथ - साथ उम्र, आनुवांशिकी, अंतर्निहित कारण, जीवन शैली के कारक आदि कई अन्य कारक आईवीएफ की सफलता को प्रभावित कर सकते हैं। केईएम पुणे में मेडिकल जेनेटिकिस्ट डॉ मीनल अग्रवाल और केईएम अस्पताल, पुणे में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ उज्ज्वल नेने ने जोड़ों से बातचीत की और उन्हें तनाव प्रबंधन के महत्व और तनाव प्रबंधन की विभिन्न तकनीकों के बारे में जानकारी दी। केईएम में भ्रूण चिकित्सा विभागाध्यक्ष और एसोसिएट कंसल्टेंट डॉ श्रीपद करहाड़े, केईएम अस्पताल, पुणे में आईवीएफ/एआरटी विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ मुग्धा पारसनीस और अन्य विशेषज्ञों ने भी इस अवसर पर बात की। आईवीएफ के माध्यम से गर्भधारण करने वाले जोड़ों ने अपने अनुभव बताए।

एमपी के अस्पताल में स्वस्थ बच्चों को जन्म देने के बाद चार महिलाओं की मौत

दमोह: प्राप्त समाचार के अनुसार मध्य प्रदेश के दमोह के जिला अस्पताल में एक ही दिन स्वस्थ बच्चों को जन्म देने वाली चार महिलाओं की पिछले तीन हफ्तों में मौत हो गई है, जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है। इलाज के दौरान जबलपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला की मौत के बाद, उसके परिवार के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिससे सभी चार मामले सामने आए। अधिकारियों ने कहा कि लक्ष्मी चौरसिया (29), हर्षना कोरी (30), निशा परवीन (28) और हुमा खान (30) को 4 जुलाई को प्रसव के लिए यहां जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चौरसिया के रिश्तेदारों ने दावा किया कि डॉक्टरों ने कहा था कि उनकी सामान्य डिलीवरी होगी, लेकिन आखिरी समय में उन्होंने सिजेरियन का विकल्प चुना। जन्म देने के बाद, उसने पेट में तेज दर्द की शिकायत की और 4 जुलाई की रात में उसकी मृत्यु हो गई, उसके पति सचिन ने अस्पताल के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। हर्षना कोरी को सामान्य प्रसव के बाद अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था और अगली सुबह यानी 5 जुलाई को उनकी मृत्यु हो गई, उनके परिवार के सदस्यों ने बताया। निशा परवीन ने सी-सेक्शन प्रक्रिया के माध्यम से एक बच्चे को जन्म दिया। एक रिश्तेदार ने कहा, हमने मिठाई बांटी, लेकिन कुछ घंटों के बाद उसने शिकायत की कि वह पेशाब नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा, डॉक्टरों ने हमें बताया कि उसकी किडनी फेल हो गई है। उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया और डायलिसिस पर रखा गया। दो दिन पहले उसकी मृत्यु हो गई। हुमा खान की भी सिजेरियन सर्जरी हुई और उसने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया, लेकिन कुछ समय बाद उसने पेशाब नहीं कर पाने की शिकायत की और उसे जबलपुर अस्पताल ले जाया गया और डायलिसिस पर रखा गया। उसके परिवार के सदस्यों ने बताया कि उसकी मृत्यु हो गई।

हरियाणा सरकार ने मांगें मानी, हड़ताली डॉक्टर काम पर लौटे

चंडीगढ़: हरियाणा सरकार से मिले आश्वासन के बाद कि उनकी मांगें मान ली जाएंगी, सरकारी डॉक्टरों ने अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल खत्म कर दी, बंद का नेतृत्व कर रहे एसोसिएशन के प्रमुख ने कहा। हड़ताल खत्म होने के बाद डॉक्टरों ने अपनी ड्यूटी फिर से शुरू कर दी। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राजेश ख्यालिया ने बताया कि प्रदर्शनकारी डॉक्टरों के प्रतिनिधियों और हरियाणा के मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव अमित अग्रवाल के बीच हुई बैठक के बाद बंद खत्म कर दिया गया। उन्होंने कहा, हमने हड़ताल खत्म कर दी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने डॉक्टरों की मांगें मान ली हैं और 15 अगस्त से पहले उन्हें अधिसूचित करने का आश्वासन दिया है। डॉक्टर एक कैरियर प्रोग्रेस स्कीम की मांग कर रहे हैं जो केंद्र सरकार के उनके साथियों के साथ समानता सुनिश्चित करे, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए बांड राशि को 1 करोड़ रुपये से घटाकर 50 लाख रुपये करे और उनके लिए एक विशेषज्ञ कैडर का गठन करे। राज्य सरकार पर अपनी मांगों को स्वीकार करने का दबाव बनाने के लिए करीब 3,000 सरकारी डॉक्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे। हड़ताल के कारण हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हुईं। गतिरोध को समाप्त करने के लिए एसोसिएशन के प्रतिनिधियों और राज्य सरकार के बीच कई बैठकें हुईं। इन बैठकों में सरकार का प्रतिनिधित्व करने वालों में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर और अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) सुधीर राजपाल शामिल थे।

अवैध निर्माण: उदयपुर नगर निगम ने जीबीएच अस्पताल के कुछ हिस्सों को सील किया

उदयपुर: राज्य विधानसभा में अवैध निर्माण के आरोप उठने के बाद उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) ने जी.बी.एच. अस्पताल के कुछ हिस्सों को सील कर दिया। बेडवास में अमेरिकन इंटरनेशनल हेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड द्वारा निर्मित इस अस्पताल में कर्मचारियों और मेडिकल छात्रों ने कार्रवाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया । उदयपुर ग्रामीण सीट से भाजपा विधायक फूल चंद मीना ने 22 जुलाई को विधानसभा में अस्पताल का मामला उठाया । यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बाद में घोषणा की कि अवैध रूप से निर्मित इमारतों को 72 घंटे के भीतर जब्त कर लिया जाएगा , उन्होंने कहा कि अमेरिकन इंटरनेशनल हेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड ने अपनी स्वीकृत निर्माण सीमा को पार कर लिया है। अस्पताल कर्मचारियों और छात्रों के विरोध के बीच टीम ने पीजी छात्रावास की चौथी से आठवीं मंजिल और दो आवासीय परिसर भवनों की ऊपरी मंजिलों को अपने कब्जे में ले लिया।

कोलकाता: अस्पताल में मरीज की मौत के बाद डॉक्टर को परेशान किया गया

हावड़ा: प्राप्त समाचार के अनुसार जगतबल्लवपुर ग्रामीण अस्पताल में इलाज में लापरवाही के कारण एक मरीज की मौत के बाद एक डॉक्टर को कथित तौर पर परेशान किया गया। जिला स्वास्थ्य विभाग ने घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई है। मरीज राजू जेले (34) को बुखार और पेट दर्द के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके परिवार ने आरोप लगाया कि सोमवार दोपहर को वह स्थिर था, लेकिन डॉक्टर के निर्देश पर एक नर्स द्वारा इंजेक्शन लगाने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई। वह बीमार महसूस कर रहा था और उसे सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। रात में उसकी मौत हो गई। मरीज के गुस्साए परिजनों ने चिकित्सकीय लाप. रवाही का आरोप लगाया और डॉक्टर को परेशान किया। हावड़ा के सीएमओएच किशलय दत्ता ने कहा कि समिति द्वारा अपनी जांच रिपोर्ट सौंपने के बाद आगे के कदम उठाए जाएंगे।

अपोलो मेडस्किल्स ने उज्बेक विश्वविद्यालय, जीवींटेज के साथ किया समझौता

नई दिल्ली: हेल्थकेयर कौशल विकास कंपनी अपोलो मेडस्किल्स लिमिटेड, जो अपोलो हॉस्पिटल्स समूह की कौशल विकास शाखा है, ने उज्बेकिस्तान के एक निजी मेडिकल विश्वविद्यालय ट्यूरॉन जरमेड विश्वविद्यालय और जीवींटेज के साथ हाथ मिलाया है, जो उज्बेकिस्तान को वैश्विक आईटी कंपनियों से प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करता है। अपोलो मेडस्किल्स के सीईओ श्रीनिवास राव पुलिजाला ने कहा कि इस गठजोड़ के तहत अपोलो मेडस्किल्स उज्बेक विश्वविद्यालय को प्रशिक्षित भारतीय संकाय प्रदान करेगा, जिसका उद्देश्य उज्बेकिस्तान में चिकित्सा शिक्षा की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार करना है।

पुलिजाला ने कहा कि उज्बेकिस्तान के अलावा, अपोलो मेडस्किल्स अन्य सीआईएस देशों के साथ-साथ कैरेबियाई देशों पर भी नजर रख रहा है क्योंकि चिकित्सा शिक्षा के लिए संकाय की गुणवत्ता में बहुत बड़ा अंतर है जीवेंटेज के संस्थापक गजनफर अली ने कहा कि मध्य एशिया में उज्बेकिस्तान सीआईएस के अन्य देशों की तुलना में कई लाभों के कारण चिकित्सा विज्ञान अध्ययन के लिए तेजी से एक केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा, इस सहयोग का उद्देश्य आधुनिक समय की नैदानिक दक्षताओं के साथ वैश्विक प्रतिभाओं को आकर्षित करना और प्रशिक्षित करना है, जो अंततः दुनिया के लिए अत्यधिक कुशल चिकित्सा चिकित्सकों की अगली पीढ़ी का निर्माण करेगा। ट्यूरन जरमेड विश्वविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष दिलशोद शुकुरलाव ने कहा कि साझेदारी बुखारा और समरकंद में अपने परिसरों में चिकित्सा, नर्सिंग और संबद्ध स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्रों में शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देगी।

MD PAPER August 2024_32 Inch January. 2021.qxd 2/28/2025 9:16 AM Page 11

डीसीए की रेड, मोटापा और अवसाद ठीक करने का दावा करने वाली दवाएं जब्त

हैदराबाद: प्राप्त समाचार के अनुसार डीसीए ने यदाद्री-भुवनगिरी जिले के चौटुप्पल में एक मेडिकल शॉप पर छापा मारा और मोटापा व अवसाद ठीक करने का दावा करने वाली दवाएं जब्त की हैं। औषधि नियंत्रण प्रशासन तेलंगाना के अधिकारियों ने छापे के दौरान सिद्ध-आयु आयुर्वेदिक अनुसंधान फाउंडेशन, मध्य प्रदेश द्वारा निर्मित आयुर्वेदिक दवा त्रिफला गुग्गुलु टैबलेट का पता लगाया। उत्पाद लेबल पर मोटापे का इलाज करने का भ्रामक दावा था। इस बीच, सिरिसिला की औषधि निरीक्षक एलआरडी भवानी और उनकी टीम ने अश्वगंधादि लेह्या नामक आयुर्वेदिक दवा का पता लगाया। इसका निर्माण मनफर आयुर्वेदिक ड्रग्स, गवर्नरपेट, विजयवाड़ा द्वारा किया गया था, जिसके उत्पाद लेबल पर भ्रामक दावा किया गया था कि यह अवसाद और संबंधित चिंता से राहत दिलाती है।इ रेड्डी ने कहा कि मोटापे और अवसाद और संबंधित चिंता/मस्तिष्क के रोगों और विकारों के इलाज के लिए किसी दवा का विज्ञापन करना औषधि और जादुई उपचार अधिनियम, 1954 के तहत प्रतिबंधित है।

अस्पताल में हड़ताल से मरीज परेशान

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार जीटीबी अस्पताल में मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि वार्ड के अंदर एक मरीज की हत्या के बाद रेजिडेंट डॉक्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए, जिससे ओपीडी, लैब और अन्य विभागों में चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हुईं। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, अस्पताल के आपातकालीन ऑपरेशन थियेटर में, आम तौर पर एक दिन में नौ से दस सर्जरी की जाती हैं, लेकिन हड़ताल के कारण केवल एक सर्जरी ही की जा सकी। गुरु तेग बहादुर अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर सोमवार को एक मरीज की गोली मारकर हत्या करने के बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए, जब एक डॉक्टर उसका इलाज कर रहा था।

पुणे के अस्पताल के डॉक्टर ने बिना पैरों वाले मरीज को पेड़ के नीचे बेंच पर छोड़

पुणे: ससून जनरल अस्पताल (एसजीएच) के डीन डॉ. एकनाथ पवार ने एक जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर को निलंबित कर दिया और शहर की पुलिस द्वारा डॉक्टर और एक अन्य कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद जांच का आदेश दिया । ऑर्थोपेडिक्स में मास्टर इन सर्जरी कर रहे और अपने पहले वर्ष में पढ़ने वाले जूनियर डॉक्टर पर पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे एक मरीज को जबरदस्ती छुट्टी देने का आरोप है। एक वीडियो सामने आया जिसमें मरीज को दिखाया गया, जिसके दोनों पैर कटे हुए थे और वह एक पेड़ के नीचे पड़ा था। यरवदा पुलिस ने भारत न्याय संहिता की धारा 125 (मानव जीवन या दूसरों की व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाली लापरवाही या लापरवाही) के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की और मंगलवार को मामले को अपने बंड गार्डन समकक्षों को सौंप दिया। बंड गार्डन पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक संदीपन पवार ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, पुलिस अभी तक एफआईआर में नामजद दोनों की पहचान नहीं कर पाई है। हम अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज और रिकॉर्ड का अध्ययन करेंगे और यह भी जांच करेंगे कि मरीज को कैसे बाहर निकाला गया, किसके आदेश पर और उसे क्यों छोड़ा गया। इस जांच के नतीजे के आधार पर, हम एफआईआर में नामजद लोगों के खिलाफ आगे की कार्यवाही तय करेंगे। पवार ने कहा कि मरीज (32) को 16 जून को अस्पताल के ऑर्थोपेडिक विभाग में लाया गया था।

पुणे: सरकार ससून अस्पताल के मामलों की जांच के लिए पैनल गठित करेगी

पुणे: प्राप्त समाचार के अनुसार सरकार जल्द ही बी.जे. मेडिकल कॉलेज और ससून जनरल अस्पताल के समग्र कामकाज की जांच के लिए एक विशेष समिति का गठन करेगी। यह कदम अन्य घटनाओं के अलावा, एक जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर पर पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे एक मरीज को जबरन छुट्टी देने के आरोप के बाद उठाया गया है। चिकित्सा शिक्षा और औषधि विभाग के प्रमुख सचिव दिनेश वाघमारे ने बुधवार को कहा, हम स्वास्थ्य केंद्र के समग्र प्रशासन की जांच के लिए एक सप्ताह के भीतर एक विशेष समिति का गठन करेंगे। ससून डीन ने कहा, जांच जारी है, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा उन्होंने कहा, हम ससून अस्पताल से बार-बार होने वाली गंभीर घटनाओं से अवगत हैं। पैनल की सिफारिशों के आधार पर, हम कार्रवाई शुरू करेंगे। यह एक सप्ताह के भीतर हो जाना चाहिए। हाल की घटना के संबंध में, हमें अभी तक डीन से रिपोर्ट नहीं मिली है। चूंकि संबंधित डॉक्टर जूनियर रेजिडेंट है, इसलिए हम उसे सेवा से नहीं हटा सकते। एक वीडियो सामने आया था जिसमें मरीज को पेड़ के नीचे दोनों पैर कटे हुए दिखाई दे रहे थे। यरवदा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, जिसे बाद में उनके बंड गार्डन समकक्षों को स्थानांतरित कर दिया गया। अस्पताल के डीन डॉ. एकनाथ पवार ने उक्त मरीज का इलाज कर रहे ऑर्थोपेडिक विभाग के डॉक्टर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डॉ. पवार ने कहा, ष्इस मामले की जांच के लिए गठित चार सदस्यीय जांच समिति ने बुधवार को मुझसे मुलाकात की। मैंने समिति के सदस्यों से अधिक जानकारी जुटाने और सीसीटीवी फुटेज की जांच करने को कहा है।

सिप्ला चीन प्लांट से शुरू करेगी अमेरिका को सप्लाई

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार दवा कंपनी सिप्ला इस साल के अंत तक चीन संयंत्र से अमेरिका को सप्लाई शुरू करेगी। सिप्ला के प्रबंध निदेशक और वैश्विक सीईओ उमग वोहरा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक से मंजूरी मिलने के बाद चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कंपनी अपनी चीन युनिट से अमे. रिकी बाजार में दवा सप्लाई शुरू कर देगी। कंपनी की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में उन्होंने कहा कि कंपनी अपने विभिन्न घरेलू संयंत्रों से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए यूएसएफडीए के साथ काम कर रही है। हालांकि कंपनी ने यूएसएफडीए ऑडिट के साथ चुनौतीपूर्ण चरण देखे है और चीन सुविधा ने यूएसएफडीए ऑडिट को मंजूरी दे दी है। वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही तक अमेरिका को आपूर्ति करने की उम्मीद है। उन्होंने अन्य संयंत्रों के बारे में बताया कि भारत में पातालगंगा और कुरकुंभ संयंत्रों को भी वीएआई (स्वैच्छिक कार्रवाई संकेत) के तहत मंजूरी मिल गई है। दवा कंपनी सिप्ला इस साल के अंत तक चीन संयंत्र से अमेरिका को सप्लाई शुरू करेगी।

आईजीएमसी में जल्द ही 600 स्टाफ नर्स और 43 ओटीए तैनात किए जाएंगे: सीएम सुखू

शिमला: हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) में मरीजों को तुरंत और कुशल चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने के लिए 600 स्टाफ नर्स और 43 ऑपरेशन थियेटर सहायक (ओटीए) तैनात किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, आईजीएमसी में आपातकालीन दवाओं के विभाग को मजबूत करने के लिए चिकित्सा अधिकारियों (एमओ) के 30 पद भरे जा रहे हैं, उन्होंने कहा। आज यहां स्वास्थ्य विभाग की एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए, मुख्यमंत्री ने आईजीएमसी और अन्य मेडिकल कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने राज्य के भीतर विशेष चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे के विस्तार और डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और तकनीशियनों के रिक्त पदों को भरने पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिमला में अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटीज सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं प्रदान करेगा और राज्य सरकार डॉक्टरों और सहायक कर्मचारियों के लिए बेहतर कार्य स्थितियां प्रदान करेगी। श्री सुखू ने कहा कि प्रचलित बीमारियों और उच्च-फुटफॉल ओपीडी की पहचान करने के लिए एक अध्ययन किया जाएगा, जिससे सरकार डॉक्टरों की संख्या और सुविधाओं को आनुपातिक रूप से बढ़ा सकेगी। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि आधुनिक तकनीकों और उपकरणों को शामिल करने के लिए धन उपलब्ध है, आईजीएमसी के आधुनिकीकरण के लिए 25 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धर्म शांडिल, मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी, विधायक हरीश जनारथा, प्रधान सचिव वित्त देवेश कुमार, सचिव स्वास्थ्य एम. सुधा देवी, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. गोपाल बेरी और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था वाली महिला ने तीन बच्चों को जन्म दिया

नवी मुंबई: उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था वाली 34 वर्षीय महिला ने नवी मुंबई के मेडिकवर हॉस्पिटल में तीन बच्चों को जन्म दिया। कंसल्टेंट स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ रोहिणी खेरा भट्ट, कंसल्टेंट बाल रोग विशेषज्ञ और नियोनोलॉजिस्ट डॉ स्वप्निल पाटिल, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ वृक्षाल शामकुवर और एनेस्थेटिस्ट डॉ जयश्री वाली मेडिकल टीम ने उच्च जोखिम वाली ट्रिपल प्रेग्नेंसी को सफलतापूर्वक प्रबंधित किया। वाशी की निवासी और गृहिणी श्रीमती रीता कुमार (बदला हुआ नाम) आईवीएफ के माध्यम से अपनी पहली गर्भावस्था को प्राप्त करने में सक्षम थीं और तीन बच्चों को ले जा रही थीं। दंपति लंबे समय से प्राकृतिक गर्भावस्था की कोशिश कर रहे थे, लेकिन कोई परिणाम नहीं मिला। इस तरह की ट्रिपल प्रेग्नेंसी दुर्लभ और उच्च जोखिम वाली होती है क्योंकि एक ही बच्चे को ले जाने वाली माँ में होने वाले शारीरिक परिवर्तन इस मामले में कई गुना बढ़ जाते गर्भावस्था के 28वें सप्ताह में, उसने डॉ. रोहिणी खेरा भट्ट को बताया कि उसे पेट में दर्द हो रहा है, जो उसे पिछले 2 सप्ताह से हो रहा था और उसे आराम नहीं मिल रहा था। अल्ट्रासाउंड किया गया, जिसमें पता चला कि उसका गर्भाशय ग्रीवा बहुत छोटा था और गर्भाशय ग्रीवा के टांके के बावजूद खुलने लगा था, जिसे नवी मुंबई में उसके आईवीएफ केंद्र में निवारक प्रक्रिया के रूप में किया गया था। बिस्तर पर आराम, संकुचन को रोकने के लिए दवाएँ , बच्चों के फेफड़ों को परिपक्व होने में मदद करने के लिए कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स, गर्भाशय ग्रीवा की लंबाई कम होने के कारण किसी भी संक्रमण को रोकने के लिए एंटीबायोटिक्स और माँ और बच्चों दोनों की नियमित निगरानी करके गर्भावस्था को जितना संभव हो सके उतना लंबा करने का निर्णय लिया गया। गर्भावस्था को 34 सप्ताह तक बढ़ा दिया गया। इस तरह के ट्रिपल गर्भधारण के लिए सबसे अच्छा परिणाम लगभग 34 सप्ताह में होने की उम्मीद है क्योंकि शिशुओं में समय से पहले जटिलताओं का जोखिम काफी कम हो जाता है और एक ही प्लेसेंटा साझा करने वाले शिशुओं में गर्भावस्था को लम्बा खींचने के जोखिम का भी ध्यान रखा जाता है। मामले की जटिलता के कारण सिजे. रियन सेक्शन किया गया था। महिला ने स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया, यानी एक बच्ची का वजन 1.59 किलोग्राम और समान जुड़वां लड़कों का वजन 1.75 किलोग्राम और 1.43 किलोग्राम था। तीनों शिशुओं को करीबी निगरानी के लिए डॉ स्वप्निल पाटिल की देखरेख में एनआईसीयू में भर्ती कराया गया था। दूसरे बच्चे को सांस लेने में कठिनाई हो रही थी जिसके लिए उसे 4 दिनों तक श्वसन सहायता पर रखा गया था। दोनों माता-पिता ने तीसरे दिन से ही शिशुओं की कंगारू मदर केयर शुरू कर दी थी तीनों शिशु सक्रिय थे, उनके महत्वपूर्ण संकेत स्थिर थे, और उन्हें केवल स्तनपान कराने पर छुट्टी दे दी गई थी।

पीरामल फार्मा का पहली तिमाही का शुद्ध घाटा घटकर 88.64 करोड़ रुपये रह गया

नई दिल्ली: पिरामल फार्मा लिमिटेड ने बताया कि 30 जून, 2024 को समाप्त पहली तिमाही में उसका समेकित शुद्ध घाटा कम होकर 88.64 करोड़ रुपये रह गया। यह वृद्धि बिक्री में वृद्धि के कारण हुई। पिरामल फार्मा ने नियामकीय फाइलिंग में कहा कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 98.58 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध घाटा दर्ज किया था। कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन से समेकित राजस्व 1,951.14 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,748.85 करोड़ रुपये था। पहली तिमाही में कुल व्यय एक साल पहले इसी अवधि के 1,908.66 करोड़ रुपये की तुलना में 2,038.16 करोड़ रुपये अधिक रहा। पिरामल फार्मा की चेयरपर्सन नंदिनी पिरामल ने कहा, हमने वित्तीय वर्ष की शुरुआत स्थिर चौतरफा प्रदर्शन के साथ की है। उन्होंने कहा कि कंपनी के CDMO (कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन) व्यवसाय में लगातार ऑर्डर आ रहे हैं, खास तौर पर पेटेंट वाले कमर्शियल मैन्युफैक्चरिंग के लिए। पिरामल ने कहा, ग्राहकों की पूछताछ और विजिट में वृद्धि के साथ हम अपनी अलग-अलग पेशकशों के लिए भी अच्छी मांग देख रहे हैं। हमारे CHG (कॉम्प्लेक्स हॉस्पिटल जेनरिक) व्यवसाय में, इनहेलेशन एनेस्थीसिया पोर्टफोलियो के लिए हमारा नियोजित विस्तार पटरी पर है और वित्त वर्ष 26 में इसके व्यावसायीकरण की उम्मीद है।

जिला अस्पतालों में ट्रॉमा सेंटर शुरू करने के प्रयास किए जाएंगे

जयपुर: प्राप्त समाचार के अनुसार राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह ने विधानसभा में सदस्यों को आश्वस्त किया कि जिन जिला अस्पतालों में ट्रॉमा सेंटर की सुविधा नहीं है, वहां ट्रॉमा सेंटर शुरू करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित जिला अस्पतालों में ट्रॉमा सेंटर खोलने का प्रावधान किया गया है। मंत्री प्रश्नकाल में सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार दुर्घटना में घायल व्यक्ति को किसी भी स्थिति में 50 किलोमीटर से अधिक दूर नहीं जाना चाहिए। इसके लिए हर 100 किलोमीटर पर ट्रॉमा सेंटर खोलने का प्रावधान है। इससे पहले, एक लिखित जवाब में मंत्री ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों के पास चिकित्सा संस्थानों में ट्रॉमा सेंटर खोलती है।

नारायणा ने अथमा के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली: नारायण हेल्थ (एनएच) ने अपने अस्पताल संचालन के हर पहलू में उन्नत तकनीक को एकीकृत करने के लिए एक स्वास्थ्य तकनीक कंपनी एथमा के साथ रणनी. तिक साझेदारी की घोषणा की, ताकि रोगी देखभाल को बेहतर बनाया जा सके , संचालन को सुव्यवस्थित किया जा सके और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को सशक्त बनाया जा सके। बढ़ते रोगी भार, निदान की मात्रा, नुस्खे, इसके नेटवर्क में अलग-अलग संचालन ने प्रभावी संचार और रोगी रिकॉर्ड प्रबंधन में बाधा उत्पन्न की। इसके अतिरिक्त, मैनुअल पेपरवर्क और संसाधन आवंटन के मुद्दों के कारण गलत डेटा और देखभाल वितरण में देरी हुई, और उन्हें यह बदलाव करने के लिए प्रेरित किया, अस्पताल ने कहा। डिजिटल परिवर्तन की क्षमता को पहचानते हुए और इन मुद्दों से निपटने के लिए, एनएच अस्पताल ने इस साझेदारी में प्रवेश किया, ताकि डॉक्टरों, नर्सों, प्रशासनिक कर्मचारियों और तकनीशियनों के जीवन को आसान और अधिक कुशल बनाने वाले अभिनव समाधान तैयार किए जा सकें। एनएच के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ देवी शेट्टी ने कहा, प्रौद्योगिकी अमीर लोगों को वह देती है जो उनके पास हमेशा से बेहतर प्रारूप में थी।

प्रतिबंधित ट्रामाडोल की 110 करोड़ रुपये की टैबलेट बरामद

कच्छ (गुजरात): मुंद्रा सीमा पर प्रतिबंधित ट्रामाडोल की 110 करोड़ रुपये की टैबलेट बरामद की गई है। कस्टम विभाग ने ट्रामाडोल की 68 लाख गोलियां जब्त की, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 110 करोड़ रुपये आंकी गई है। इससे पहले 26 लाख ट्रामाडोल की गोलियां जब्त की गई थीं। उसी निर्यातक से संबंधित एक और शिपिंग बिल की जांच की गई और खेप में अघोषित रॉयल-225 (ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड टैबलेट 225 मिलीग्राम) की भारी मात्रा पाई गई। जांच में पता चला कि ये दवा की पट्टियां पहले जब्त की गई दवाओं से अलग पैटर्न की थीं। इनमें निर्माता की जानकारी भी नहीं थी। अहमदाबाद में एक खाली पड़े गोदाम में की गई जांच में ट्रामाडोल की कुछ और गोलियां मिली हैं और इनकी मात्रा का पता लगाया जा रहा है। कुल मिलाकर ट्रामाडोल की 68 लाख गोलियां जब्त की गई हैं, जिनकी बाजार कीमत लगभग 110 करोड़ रुपये है।

क्या है ट्रामाडोल : ट्रामाडोल एक ओपिओइड दर्द की दवा है, जो एक मनोदैहिक पदार्थ है। ट्रामाडोल का निर्यात एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 8 (सी) के तहत प्रतिबंधित है। इस सिंथेटिक ओपिओइड दवा की नाइजीरिया, घाना आदि अफ्रीकी देशों में भारी मांग है। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

अस्पताल और 2 डॉक्टरों को 20 साल पहले रीढ़ में छूटी सुई के लिए महिला को 5 लाख रुपये देने होंगे

बेंगलुरु: कर्नाटक के उपभोक्ता फोरम ने बेंगलुरु के एक अस्पताल और दो डॉक्टरों को एक महिला को 2004 में हुई एक सर्जरी के लिए 5 लाख रुपए से अधिक का मुआवजा देने का आदेश दिया है, जिसमें 3.2 सेमी की सर्जिकल सुई उसकी रीढ़ में रह गई थी, विंध्या पबोलू की रिपोर्ट। इस सुई की वजह से 46 वर्षीय पद्मावती को छह साल से अधिक समय तक पेट में बहुत दर्द, पीठ में दर्द और मानसिक आघात होता रहा, जब तक कि इसे दूसरे अस्पताल में नहीं निकाला गया। कर्नाटक राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने दीपक अस्पताल और दो डॉक्टरों को पद्मावती को मुकदमे की लागत के रूप में 50,000 रुपए का भुगतान करने को कहा है। न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, जिसने अस्पताल को लाप. रवाही के जोखिम के खिलाफ पॉलिसी जारी की थी, को 5 लाख रुपए का हर्जाना देना होगा।

PALCO

Free consultancy and set up for old / new nursing home, medical center / hospitals, R&D LAB, educational science lab school, all industries lab with trunkey projects in pan India.

Contact : Mr. R.P. PAL / NEERAJ PAL

Call : 9891177191 / 8377951686

1802, FF, Electrical Market, Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi 110006

ड्रग अलर्ट : 11 दवाओं-इंजेक्शन के सैंपल मिले फेल

बीबीएन: प्राप्त समाचार के अनुसार जून के ड्रग अलर्ट में 11 दवाओं-इंजेक्शन के सैंपल फेल पाए गए हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की जांच में हिमाचल प्रदेश के नौ दवा उद्योगों में बनी 11 दवाएं , इंजेक्शन व स्किन केयर उत्पाद गुणवत्ता जांच में फेल मिले हैं।

जांच में ये मिले फेल : जो दवा व स्किन केयर उत्पाद फेल पाए गए हैं, उनमें जीवाणु संक्रमण, एलर्जी, ब्लड डिसऑर्डर, विटामिन सप्लीमेंट, पेट के कीड़े मारने की दवा व स्किन केयर के साबुन शामिल हैं। सीडीएससीओ के जून माह के ड्रग अलर्ट में देश के विभिन्न राज्यों के दवा उद्योगों में निर्मित 31 दवाएं व अन्य उत्पाद सबस्टैंडर्ड पाए गए हैं, इनमें हिमाचल के उद्योगों में निर्मित नौ दवा उद्योगों में निर्मित 11 उत्पाद शामिल हैं। इसके अलावा राज्य की लैब में हुई जांच में 30 दवाएं सबस्टैंडर्ड पाई गई हैं। ड्रग अलर्ट में पता चला है कि इन दवाओं का निर्माण बद्दी, बरोटीवाला, कालाअंब व संसारपुर टैरेस स्थित दवा उद्योगों में हुआ है। राज्य दवा नियंत्रक प्राधिकरण ने सभी संबंधित दवा कंपनियों को नोटिस जारी किए हैं और संबंधित दवा का पूरा बैच बाजार से तत्काल वापस मंगवाने के निर्देश दिए हैं। राज्य दवा नियंत्रक मनीष कपूर ने बताया कि सीडीएससीओ के ड्रग अलर्ट में शामिल सभी नौ दवा कंपनियों को कारण बताओ नोटिस देकर संबंधित बैच का पूरा स्टॉक वापस मंगवाने के निर्देश दिए हैं। उनहोंने बताया कि जिन उद्योगों के बार-बार सैंपल फेल हो रहे हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

अब दर्द से न घबराएं...

आ गई है दर्द निवारक जोड़ी

दर्द दूर करने का नं.1 उपाय

दर्द, सूजन, जकड़न एवं मोच से तुरंत आराम

FAST RELIEF from Back Pain Joint Pain Sport Injuries Sprain & Strains

POWAR PAIN HOT GEL

Powar Pain Herbal Spray

दर्द से सबका वास्ता है...

दर्द से दूर जाने का यही रास्ता है...

PUREMED BIOTECH

SCO No. 6, Genrater House, Opp. City Look Hotel

Sai Road, Baddi - 173205 (H.P.)

E-mail: puremedbiotech@gmail.com

www.puremedbiotech.in

AUTHORIZED DISTRIBUTORS OF ADR BOOK

Location	Party Name	Contact No.
Agra	Satish Book Enterprises	9997877123
Ahmedabad	Bharat Medical Book House	9824013920
Akola	Book Emporium	9422861751
Aligarh	Rama Book Store	9319275252
Allahabad	Chetana Medical Books	9307978423
Amritsar	City Book Shop	0183-2571591
Amritsar	Medical Books & Surgicals Centre	0183-2422729
Aurangabad	Arihant Excel Medical Book House	9822259681
Aurangabad	Shri Samarth Book Depot	9822034577
Belgaun	Shri Ganesh Book Stall	8312461258
Berhampur	Book World	9861015189
Bhagalpur	Kora Kagaz	9771511779
Bhopal	Lyall Book Depot	0755-2543624
Bhubaneswar	Annapurna Medical Book Shop	9861243882
Bikaner	Academy Book Centre	9414138998
Burla	Bharat Book Emporium	9337335744
Calicut	Ramdas Sotes & Books	0495-2358398
Chennai	Chennai Medical Book Centre	044-66246369
Chennai	Shah Medical Books	9444829937
Coimbatore	Arasu Medical Book House	9444308567
Coimbatore	Balaji Medical Books	0422-6725292
Coimbatore	Dass Medical Book Shop	9443958620
Cuttack	Scientific Book Depot	9437020414
Delhi	Mirza Book Depot	9958723206
Delhi	Pawan Book Service	9810202316
Delhi	R.S.Book Store	9810546759
Delhi	Sagar Book Depot	9811680722
Delhi	University Book Store	9818357577
Dhulea	Koshal Book Shop	9423916592
Gorakhpur	Medical Book Centre	9450884543
Gwalior	Anand Pustak Sadan	9425114555
Indore	New Jain Book Stall	9926636333
Indore	Scientific Literature Company	9826299744
Jabalpur	Lords Book Sellers	9425155125
Jabalpur	Akash Pustak Sadan	9826563047
Jaipur	Kumar Medical Book Store	9829610430
Jammu	Bhartiya Pustakalaya	9796636000
Jammu	Narend Book Depot	9419114398
Jamnagar	Jay Medical Book Centre	9925236982
Jodhpur	Book World	9829088088
Jorhat	Naveen Pustakalaya	9435514204
Kolhapur	Ajab Pustakalaya	9881424434
Kolkata	Raj Book House	9432550891
Kota	R.K.Stationers	9829087574
Koti Hyderabad	Osmani Medical Book House	040-64644253
Koti Hyderabad	Paras Medical Books Pvt Ltd.	040-24600869
Koti Hyderabad	Sharp Medical Book Centre	040-65544303
Lucknow	Aditya Medical Books Pvt Ltd.	0522-2611724
Lucknow	Arora Book Agencies	0522-4046778
Ludhiana	Verma Book Depot	9872202530
Madurai	Medical Books & International	9344101063
Meerut	City Book Centre	0121-4056292
Meerut	Menakshi Prakashan	0121-2645498
Meerut	R LAL Book Depot	0121-2666235
Mumbai	The National Book Depot	022-24131362
Mumbai	Vikas Medical Book House Pvt Ltd.	022-23010441
Mumbai	Bhalani Medical Book House	022-24171660
Nagpur	New Medical Book Shop	9822225591
Nagpur	Book Source	9850943011
Patna	Current Book Service	9431077745
Pune	J D Granth Bhandar	020-24492832
Raipur	S.K.Medical Book House	9329637397
Raipur	Sristhi Book Stationery Mart	9300855027
Rajkot	Jay Books Medical Book	9925236984
Ranchi	Student Book Depot	0651-2221907
Saharanpur	Hans Pustak Bhandar	9457449388
Sangli	Tanavade & Sons	9823049499
Sri Nagar	Doctors Dotkom	9086454647
Tirupati	Shri Venketswar Book Depot	9885479105
Trivandram	Professional Book House	9495951506
Varanasi	Atithi Medical Books	9307978423
Varanasi	Current Book Agency	9335015235
Visakhapatnam	Andhra Medical Book Centre	9985716032
Visakhapatnam	World Medical Book Centre	9849022192

कैंसर : 10 रुपये की दवा एक लाख में बेचता गिरोह पकड़ा

नई दिल्ली: कैंसर की नकली दवा बेचने वाले रैकेट के खिलाफ पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की है। आरोपपत्र में बताया गया है कि इस रैकेट में आधा दर्जन अस्पतालों के कर्मचारी शामिल थे। यह गैंग 10 रुपये की फंगल इंफेक्शन की दवा भरकर इसे बाजार में एक लाख रुपये में बेचता था। यही नहीं, आरोपी अस्पताल में इस्तेमाल हो चुकी दवा की खाली शीशी तीन से पांच हजार में, जबकि भरी हुई शीशी चोरी कर 40 से 50 हजार रुपये में गिरोह को देते थे। बता दें कि मार्च माह में अपराध शाखा ने मोती नगर स्थित डीएलएफ फ्लैट से कैंसर की नकली दवा तैयार करने वाले गिरोह को पकड़ा था। इस मामले में सरगना समेत 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें मुख्य सरगना विफिल जैन है। सूरज उसके लिए नकली दवा तैयार करता था। खाली शीशी लाने और दवा बेचने का काम नीरज चौहान और तुषार चौहान संभालता था। इस रैकैट में आधा दर्जन अस्पतालों के कर्मचारी परवेज, कोमल तिवारी, अभिनय, रोहित सिंह, जितेंद्र, माजिद और साजिद को भी गिरफ्तार किया है। यह अस्पताल में इस्तेमाल होने वाली दवा की खाली शीशी और चोरी की गई दवा इस गैंग को बेचते थे।

खाली शीशी के लिए अस्पताल कर्मियों को साथ जोड़ा : आरोपपत्र में बताया गया है कि कैंसर की नकली दवा बनाने के लिए आरोपियों को असली दवा की खाली शीशी चाहिए थी। इसके लिए उन्होंने विभिन्न अस्पतालों के कैंसर वार्ड में काम करने वाले कर्मचारियों को गिरोह के साथि जोड़ा। खाली शीशी में आरोपी फंगल इंफेक्शन रोकने वाली दवा भरते थे। एक शीशी में लगभग 10 रुपये की दवा भरी जाती थी। इसके बाद आरोपी उसे बाजार से कम कीमत (90 हजार से लेकर 1.20 लाख तक) पर कैंसर पीडित परिवार को बेच देते थे। इसके लिए उन्होंने इंडिया मार्ट पर खुद को पंजीकृत करवा रखा था। वहां से ऑर्डर मिलने पर वह कूरियर के माध्यम से लोगों को यह दवा बेच देते थे। आरोपपत्र में उन आठ लोगों का बयान शामिल किया गया है, जिन्होंने इन जालसाजों से नकली दवा अपने परिवार के सदस्यों के लिए खरीदी थी। इनमें से एक शख्स की पत्नी ने दवा लेने के कुछ दिन बाद ही दम तोड़ दिया था। बिहार के मधुबनी निवासी मनीष ने पुलिस को बताया है कि उनकी पत्नी को मुंह और फेफड़े का कैंसर था। डॉक्टर ने उन्हें किट्रूटा इंजेक्शन लाने को कहा। इंडियामार्ट के माध्यम से वह लवी नरूला के संपर्क में आए। उन्होंने 90 हजार रुपये प्रति इंजेक्शन के हिसाब से अप्रैल 2022 और अगस्त 2022 में चार इंजेक्शन खरीदे, लेकिन जब इसका इस्तेमाल किया तो पत्नी की हालत बिगडने लगी और 11 सितंबर 2022 को उसकी मौत हो गई।

डायबिटीज को जड़ से खत्म करेगी यह नई दवा, खुद बनने लगेंगे बीटा सेल्स

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार डायबिटीज को जड़ से खत्म करने में सहायक नई दवा बनाने में वैज्ञानिकों को सफलता मिली है। इस ड्रग थेरेपी में बीटा सेल्स को सक्रिय कर इंसुलिन के प्रोडक्शन को 700 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

डायबिटीज हो सकेगी रिवर्स : गौरतलब है कि अब तक यह माना जाता है कि डायबिटीज को रिवर्स नहीं किया जा सकता है, लेकिन नई थेरेपी से डायबिटीज को रिवर्स किया जा सरता है। चूहों पर इसका प्रयोग शत प्रतिशत तक सफल रहा है। अगर इंसानों पर भी यह सफल रहा तो करोड़ों लोगों के लिए यह वरदान साबित होगी। अगर पैंक्रियाज स्वस्थ हों तो इसमें से बीटा सेल्स इंसुलिन का सही से उत्पादन करते है और सेल्स खराब हो तो इंसुलिन का प्रोडक्शन कम हो जाता है। आमतौर पर बीटा सेल्स डैमेज हो जाता है या काम नहीं करता। इसी कारण खतरनाक किस्म वाली डायबिटीज के रोगियों को रोजाना इंसुलिन लेना पड़ता है। अब न्यूयॉर्क के माउंड सिनाई और सिटी ऑफ होप के वैज्ञानिकों ने ड्रग थेरेपी के माध्यम से बीटा सेल्स को सक्रिय करने की विधि का चूहों पर सफल प्रयोग किया है।

शरीर में खुद बनने लगेंगे बीटा सेल्स : नई स्टडी में दवा के माध्यम से शरीर के अंदर खुद ही बीटा सेल्स बनने लगेंगे। इसके बाद तीन महीनों के अंदर इंसुलिन का पर्याप्त प्रोडक्शन होने लगेगा। बताया गया है कि इस थेरेपी में दो दवाइयां हैं-हारमाइन जो कुछ पौंधों में पाया जाने वाला नेचुरल कंपाउड है और दूसरी दवा है रिसेप्टर। यह वजन कम करने वाली ओजेंपिक दवाइयां है। वैज्ञानिकों ने इंसान के खराब बीटा सेल्स का चूहे में प्रत्यारोपण किया। इसके बाद इस थेरेपी से इसे टीक किया गया है। अध्ययन में पाया गया कि तीन महीनों के अंदर बीटा सेल्स में 700 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। डायबिटीज को जड़ से खत्म करने में सहायक नई दवा बनाने में वैज्ञानिकों को सफलता मिली है।

नशीली दवा की खेप के साथ युवक गिरफ्तार किया

औरंगाबाद (बिहार)। प्राप्त समाचार के अनुसार नशीली दवा की खेप के साथ एक युवक को नवीनगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवक की पहचान छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिला के बसंत मार्ग अंबिकापुर निवासी शब्बीर हुसैन के 24 वर्षीय पुत्र आरिफ हुसैन के रूप में की गई है। आरोपी के पास बैग था गैग की जांच की गई तो नशीली दवाओं की खेप मिली। बैग से ओनोरेक्स सीरप सौ एमएल 50 पीस, बुपेरेनेगाफीन इंजेक्शन तीन सौ पीस, अल्प्रेक्सोकेन 0.5 एमजी 160 पत्ता, स्पास्मो प्रॉक्सीभोन प्लस कैप्सूल 144 पीस, एक्सेल, 10 एमएल इंजेक्शन तीन सौ पीस बरामद किया गया। पुलिस टीम को नवीनगर में नैनो होटल के पास एक लडके को संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए मिला। उसके पास दो बैग के बारे में पूछताछ की गई तो उसने कोई जवाब नहीं दिया।

जब उसे हिरासत में लेकर थाना लाने के बाद उससे सख्ती से पुछताछ की। ड्रग इंस्पेक्टर की मौजूदगी में उसके बैग की तलाशी ली गई तो बैग से कई तरह की नशीली दवाएं मिली। बैग से कुल पांच तरह की दवाए मिली हैं जिनकी खरीद-बिक्री से संबंधित कागजात नहीं दिखाए गए। बिना लाइसेंस के इसकी बिक्री करना अवैध है। इसके अलावा बिना डॉक्टर के पुर्जा के इसकी बिक्री नहीं हो सकती है। इन औषधियों का दुरुपयोग नशे के रूप में किया जाता है। कुछ बोतलों को सील कर जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा गया। ड्रग इंस्पेक्टर ने भी तीन बोतलों को जांच के लिए सील किया और उसे अपने साथ ले गए। आरिफ हुसैन के पैकेट से 13930 रुपए और एक मोबाइल फोन मिला है। नशीली दवा की खेप के साथ आरोपी युवक आरिफ हुसैन को जेल भेज दिया गया।

SLC

SAFE LIFE CARE

Safe Life Care is WHO/GMP certified pharmaceutical company established in 2015 and situated in Himachal Pradesh (India).

MR. SATPAL JASSAL, 9805021984, 8048771771

PRODUCTS

TABLETS

INJECTION

SYRUP

CAPSULES

SUSPENSION

HAND SANITIZER

SAFEKETO SOAP

SLC SAFE LIFE CARE

SCO-1, SS Brother Complex, 2nd Floor, Sai Road, Baddi, Solan, Himachal Pradesh - 173205

Mob.: 9805021984, 8048771771

E-mail : safelifecare@gmail.com | www.safelifecare.co.in

NU ALTER
Naturally safe
AYURVEDIC AND HERBAL
Formulations
MANUFACTURER, SUPPLIER & TRADERS
OWN MANUFACTURING UNITS
CERTIFIED WITH
ISO, GMP AND WHO-GMP
Tablet | Capsule | Syrup | Dry Syrup
Spray | Ointment | Powder
SPECIAL OFFER 10% OFF LIMITED PERIOD
For manufacturing and Trade Inquiries
Plz Contact : 0172-5000295 8699038826 9799047262
NU ALTER HERBOVET
93, HSIIDC, Alipur, Barwala
Haryana-134103
E-mail : altarhealth1@gmail.com
Web : www.nualtergroup.com
Quality manufacturing of Ayurvedic, Veterinary and Allopathic Products

अवैध ऑर्थो आइटम जब्त किए

नागपुर: अवैध ऑर्थो आइटम जब्त करने में खाद्य एवं औषधि प्रशासन टीम को सफलता मिली है। इनकी कीमत 70 लाख से भी ज्यादा आंकी गई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) टीम ने बीते सप्ताह धंतोली में छापेमारी के दौरान करीब 70 लाख रुपये कीमत के आर्थोपेडिक प्रत्यारोपण बरामद किए। ज्यादातर आयातित इम्प्लांट बिना लाइसेंस के स्टॉक किए गए थे।

HEALTHY PLANET HEALTHY Life
Attractive Packing
Large Range of Products
Competitive & Reasonable Rates
Assured Quality Manufactured at GMP Plants
Proven track record of Uninterrupted Services
Pluto Biomeds Pvt. ltd.
A professionally managed company gaining a strong foothold in the pharmaceuticals industry

Products	We offer
Tablets	Attractive Promo Inputs
Capsules	Corporate Gifts
Eye / Ear drops	Yearly Bonanza
Injectables	Seasonal Bonanza
Liquids (Suspension / syrups / Drops)	Visual Aid
Protein Powders	Order book
Dry Syrups	Reminder Cards
Soaps	Catch covers
Ointments and Gels	Product Literatures
Mouthwash	

BUSINESS OPPORTUNITY
Marketing and distribution rights available for unrepresented areas on monoply basis.
CALL TODAY +91 9368 331 293
Pluto Biomeds
A-60, 1-2 Floor, Transport Nagar, Dehradun-248002, Uttarakhand
Mob 93683 31293 email: plutobiomeds@gmail.com

आयुर्वेदिक तेल बेचने वाली कंपनी पर 10 लाख जुर्माना, ये है मामला

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार आयुर्वेदिक तेल बेचने वाली कंपनी पर 10 लाख रुपये जुर्माना लगाया है। यह आदेश केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने जारी किए। जोड़ों के दर्द से राहत देने वाले उत्पाद धुआंधार ऑयल के प्रचार में भ्रामक विज्ञापन देकर नियमों का उल्लंघन करने पर इंदौर की डायरेक्ट-सेलिंग कंपनी इंडिया डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क एलएलपी पर यह जुर्माना लगा है।

सीसीपीए आदेश के अनुसार इंडिया डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क ने एक विज्ञापन में दावा किया है कि तेल का उपयोग आपको बिना किसी सर्जरी या फिजियोथेरेपी के भी फिट बनाता है। अन्य विज्ञापनों में दावा किया गया कि यह दुनिया का पहला हॉटस्ट्रीम जोड़ों के दर्द से राहत देने वाला तेल है और दुनिया में इस उत्पाद का कोई समानांतर नहीं है। इस तेल से मरीजों को जोड़ों के दर्द, कठोरता और सूजन से तुरंत राहत मिलती है। जांच और सुनवाई के दौरान कंपनी किसी भी दावे को साबित नहीं कर सकी। बता दें कि सरकार ने डायरेक्ट-सेलिंग उद्योग पर लगाम लगाने के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत नियमों को सख्त करने के लिए एक टीम गठित करने की योजना बनाई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभाग उपभोक्ता संरक्षण (प्रत्यक्ष बिक्री) नियम, 2021 के उल्लंघन के लिए डायरेक्ट-सेलिंग कंपनियों के खिलाफ दायर शिकायतों की जांच कर रहा है। इन शिकायतों का आकलन करने के बाद अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक योजना तैयार करेगा। कंज्यूमर वॉयस के सीईओ आशिम सान्याल ने कहा कि गलती करने वाली कंपनियों पर जुर्माना लगाना दूसरों के लिए एक सबक होगा और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने में मदद करेगा। यह पाया गया कि कंपनी के दावे में सहायक दस्तावेजों या वैज्ञानिक सबूतों का अभाव था। इससे पता चलता है कि यह अतिरंजित और भ्रामक था। कंपनी का यह दावा कि एथलीट फिटनेस के लिए उत्पाद का इस्तेमाल करते हैं, निराधार है। आदेश में कहा गया है कि कंपनी ने दावा किया कि धुआंधार ऑयल' एक अच्छी विनिर्माण प्रथाओं-प्रमाणित सुविधा में उत्पादित होता है और मध्य प्रदेश खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए मध्य प्रदेश) द्वारा अनुमोदित है। जबकि जांच में पाया गया कि मध्य प्रदेश में उत्पाद का लाइसेंस 27 सितंबर 2021 को समाप्त हो गया और इसका नवीनीकरण नहीं किया गया।

"दोषी को निर्दोष बताने वाले व्यक्ति को भी दोषी के समान ही सजा दी जाए" -चाणक्य

OMNI Herbal Acne®
CREAM • CAPSULE • FACE WASH
APPROVED BY AYUSH
for Glowing Skin
NOTE REQUIRED DISTRIBUTOR IN VACANT AREAS
• त्वचा का कुदरती रंग निखारें।
• चेहरे का रंग साफ करके निखार लाएं।
• यह औषधि चेहरे पर होने वाले कील, मुहांसों, झाइयों, दाग-धब्बे, झुर्रियां कम करने में लाभदायक है।
REMOVES DARK SPOTS ON THE FACE
USEFUL IN PIMPLES, ACNE, HYPERPIGMENTED SKIN
नोट : बेहतर परिणाम हेतु Omni Herbal Acne Face Wash से मुँह धोकर क्रीम लगाएं तथा Omni Herbal Acne Capsule का सेवन करें।
OMNIPOTENT S PHARMACEUTICALS
Patel nagar, Kamiri Road, Hisar-125001 (HR) • Consumer Care No.: 98125-22181, 94160-42679
omnipotents_pharmaceuticals@yahoo.co.in • www.omnipotentspharma.com

पांच दवाओं के सैंपल मिले फेल उत्तराखंड में बनी थीं दवाएं

देहरादून: पांच दवाओं के सैंपल जांच में फेल पाए गए हैं। ये पांचों दवाएं उत्तराखंड में निर्मित हुई हैं। केंद्रीय दवा मानक नियंत्रक संगठन (सीडीएसओ) ने इस बारे में ड्रग अलर्ट जारी किया है। इनमें हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले की निर्माण इकाइयां शामिल हैं। गौरतलब है कि राज्य में बीते चार महीनों में 35 दवाओं के सैंपल फेल पाए जा चुके हैं। देश में निर्मित कुछ दवाओं की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठे थे। खासकर जांबिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत को भारत में बनी खांसी की दवा से जोड़ा गया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने दवाओं की निगरानी बढ़ा दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय हर माह दवाओं की जांच करा रहा है। इसी क्रम में केंद्रीय दवा मानक नियंत्रक संगठन ने जून माह की जांच रिपोर्ट जारी की है। इसमें देशभर में निर्मित 31 दवाओं की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं मिली। इनमें उत्तराखंड में निर्मित पांच दवाएं भी शामिल हैं। खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन के अपर आयुक्त एवं औषधि नियंत्रक ताजबर सिंह ने बताया कि संबंधित कंपनियों के उत्पाद लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। जिन दवाओं के सैंपल फेल आए हैं, उन्हें बाजार से वापस मंगवा लिया गया है।

अवैध क्लीनिक पर रेड, झोलाछाप डॉक्टर गिरफ्तार, दवाएं-इंजेक्शन जब्त

अमरोहा (उप्र): अवैध क्लीनिक पर छापेमारी कर झोलाछाप डॉक्टर को गिरफ्तार करने का मामला प्रकाश में आया है। मौके से काफी मात्रा में दवाएं और इंजेक्शन जब्त कर लिए गए हैं। सीएम फ्लाइंग स्क्वायड और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने यह की छापेमारी की। मोलाहेड़ा गांव में बिना डिग्री के क्लिनिक चलाने वाले एक फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से आधुनिक दवाओं और इंजेक्शन बरामद किए हैं। आरोपी फर्जी डॉक्टर उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के मूल निवासी तारिकत हुसैन को बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। जानकारी के अनुसार हुसैन मोलाहेड़ा गांव में पीर बाबा वाली गली में अवैध रूप से शिफा क्लिनिक चला रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने क्लिनिक पर छापा मारा। टीम के मांगे जाने पर हुसैन कोई डिग्री या क्लिनिक का पंजीकरण नहीं दिखा सका। छापेमारी दल ने उसके क्लिनिक से भारी मात्रा में दवाएं और इंजेक्शन भी बरामद किए। हुसैन के खिलाफ पालम विहार पुलिस स्टेशन में एनएमसी अधिनियम की धारा 34 और बीएनएस अधिनियम की धारा 271 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

नशीली दवा की भारी खेप जब्त, ई-रिक्शा समेत एक गिरफ्तार

जोगबनी (हिप्र): नशीली दवा की भारी खेप जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। यह कार्रवाई एसएसबी 56वीं वाहिनी के जोगबनी बीओपी के जवानों ने पेट्रोलिंग के दौरान की। आरोपी की गिरफ्तारी एसएसबी कैंप के आगे मुख्य मार्ग पर सीमांचल हॉस्पीटल के पास से की गई है। गिरफ्तार आरोपी फरबिसगंज के रामपुर वार्ड पांच का रहने वाला इरशाद पिता मुख्तार मंसूरी बताया गया है। सीमा स्तंभ संख्या 180/(पीपी68) के तीन किमी अंदर भारतीय क्षेत्र में एसएसबी ने यह कार्रवाई टीम लीडर एन रंजीत सिंह के नेतृत्व में की। एसएसबी ने आरोपी के पास से कफ सिरप 90 बोतल, नेट्रावेट टेबलेट 2220 पीस, नेट्राजिप टेबलेट 1500 पीस, स्पासमो प्रॉक्सीवन कैप्सूल 2160 पीस को जब्त किया है। इसके अलावा, एक ई-रिक्शा और एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। कैंप प्रभारी पशुपति कुमार सिंह ने बताया कि जब्त सामग्री व आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कागजी प्रक्रिया के बाद जोगबनी थाना पुलिस को सौंप दिया है ।

Forgo Pharmaceuticals (P) Ltd.
(An ISO 9001:2015 Certified Company)
• Knee & Ankle Support
• Body Belts & Braces
• Fracture Aids
• Cervical Aids
• Fingers, Wrist & Arm Supports
A wide range of products available for Third Party & PCD marketing
Tablets & Capsules | Neturaceuticals & Protein Powders
Oral Liquids & Dry Syrup | Dietary Supplements
Injectables | Herbal Preparations
Eye Drops, Ear Drops & Nasal Drops | Wide range of Skin Care Cosmetics
Creams, Lotions, Gels & Ointments | Veterinary Drugs
Shampoo & Soaps | Vaccines & Pre Filled Syringes
Aerosols & Form Fill Seal (FFS)
Tablets Capsules Dry Syrup Liquid Orals Eye/Ear Drops Soap Shampoo/Lotion Ointment Sachets Veterinary Medicines
Our Speciality Divisions
More then 1000 products
All new molecules available
Third party manufacturing also done
More then 1000 products Third Party Manufacturing also done All new Molecules available
Forgo | The Green Ayurveda | Constant Remedies | Elegance | Yashvan
Sykocure Lifesciences | Kardic Kare | Forgo Cares | Spark Laboratories | Forever Formulations
Corporate Office: Plot No. 92, Ind. Area Phase-I, Panchkula Haryana 134113
Mfg. Unit Forgo Pharmaceuticals (GMP/GLP/WHO Certified Unit) (AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)
27, DIC IND AREA, Barotiwala, Teh: Baddi, Distt. Solan (HP)
Email : helpdeskforgo@yahoo.com / forgopharmaceutical@yahoo.co.in
Contact Detail : 0172-2569292 / 2568292 / 9814924737 / 7696099905 / 9877640753 / 9569569292

एचआईवी एड्स की बेहद सस्ती दवा का निर्माण

मुंबई: प्राप्त समाचार के अनुसार एचआईवी एड्स की बेहद सस्ती दवा का निर्माण किया गया है। अनुमान लगाया जार रहा है कि अमेरिकी कंपनी द्वारा निर्मित यह दवा गेम चेंजर साबित हो सकती है। इससे जानलेवा और लाइलाज बीमारी एड्स का सस्ता और असरदार इलाज आम लोगों तक की पहुंच में होगा।

अमेरिकी कंपनी गिलियड ने तैयार की यह वैक्सीन : अमेरिकी फार्मास्युटिकल दिग्गज कंपनी गिलियड ने एचआईवी की इस असरदार एंटीरेट्रोवायरल लेनाकापाविर को तैयार किया है। इस दवा को एचआईवी के खिलाफ लड़ाई में गेम-चेंजर के रूप में देखा जा रहा है। इसे साल में दो बार टीके के रूप में दिया जाता है, लेकिन अभी यह दवा बहुत महंगी है। इस कारण आम आदमी की पहुंच से बाहर है। इसकी दो खुराक की कीमत 40 हजार डॉलर (लगभग साढ़े 33 लाख रुपये) बैठती है। शुरुआती ट्रायल में पाया गया है कि एचआईवी संक्रमण को रोकने में यह वैक्सीन 100 प्रतिशत असरदार है। इसे एक साल में केवल दो बार इंजेक्ट करने की आवश्यकता होती है। रिसर्च में देखा गया कि अगर दवा निर्माता गिलियड ने सस्ते जेनेरिक इंजेक्शन के निर्माण की अनुम. ति दी तो दवा बनाने की लागत कितनी कम हो सकती है। शोध के अनुसार, एक साल की दवा को कम से कम 40 डॉलर में बनाया जा सकता है, जो कि मौजूदा कीमत से 1,000 गुना कम है। इस दवा की मदद से हम वास्तव में महामारी को कंट्रोल कर सकते हैं।

अगस्त माह के व्रत एवं त्यौहार

02.08.2024	मासशिवरात्रिव्रत
04.08.2024	फ्रेंडशिपडे
07.08.2024	हरियालीतीज, झूलाप्रारम्भ
09.08.2024	नागपंचमी
15.08.2024	स्वतन्त्रता दिवस
16.08.2024	एकादशी
19.08.2024	रक्षाबन्धन
24.08.2024	हरिछटिपूजा बिहार
26.08.2024	श्रीकृष्णजन्माष्टमी

एंटीबायोटिक दो दवाओं के सैंपल जांच में मिले फेल, बिक्री पर रोक

रायबरेली: प्राप्त समाचार के अनुसार एंटीबायोटिक दो दवाओं के सैंपल जांच में फेल पाए गए हैं। गुजरात और मेरठ में बनी इन दो दवाओं की प्रयोगशाला रिपोर्ट आने के बाद ड्रग इंस्पेक्टर ने संबंधित बैच नंबर की दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी है और ये दवाएं कंपनियों को वापस करने के आदेश दिए हैं। वहीं दवा निर्माताओं और विक्रेताओं को नोटिस दिए हैं तथा कोर्ट में केस दाखिल करा दिया है। ड्रग इंस्पेक्टर शिवेंद्र प्रताप सिंह ने अप्रैल 2024 में अचलेश्चर स्थित आस्था मेडिकल स्टोर से सीपी-250 कैपसूल और शहर के चंद्रिका एजेंसी से सेपो-200 के सैंपल लिए थे। लैब में जांच के दौरान दोनों दवाओं के सैंपल फेल हो गए। एक दवा में घुलने की क्षमता कम मिली तो दूसरी में दवा की मात्रा। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोनों मेडिकल स्टोर संचालकों के साथ ही अहमदपुर गुजरात और मेरठ के दवा निर्माताओं को भी नोटिस भेजे गए हैं।

बिक्री को प्रतिबंधित किया : औषधि निरीक्षक ने बताया कि एसीजी 3ई 093 बैच नंबर की सीपी-250 कैप्सूल और 5155 बैच नंबर की सेपो-200 टैबलेट की बिक्री को प्रतिबंधित कर दिया है। संबंधित एजेंसियों और दुकानदारों को संबंधित दवाओं की बिक्री वापस करने के आदेश दिए गए हैं।

फर्जी डॉक्टर के घर पर रेड, भारी मात्रा में दवाइयां जब्त

मुरादाबाद: प्राप्त समाचार के अनुसार फर्जी डॉक्टर के घर पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने छापेमारी की है। टीम ने मौके से भारी मात्रा में दवाइयां जब्त की हैं। बरामद की गई इन दवाओं की कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई है। टीम ने दवाओं के सैंपल लेकर लैब में जांच के लिए भेजे हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को बिना पंजीकरण के क्लीनिक चलाने व दवाओं की बिक्री करने की शिकायत मिली थी। इस पर टीम ने पाकबड़ा में झोलाछाप डॉक्टर कमाल के घर पर छापेमारी की। मौके से भारी मात्रा में दवाइयां बरामद की गई हैं। बताया गया कि आरोपी फर्जी डॉक्टर ने अपने घर को ही अस्पताल बना रखा था और मरीजों का इलाज कर रहा था। डिप्टी सीएमओ के अनुसार आरोपी के घर में चार-पांच चारपाई पड़ी थीं, लेकिन कोई मरीज भर्ती नहीं मिला। वहीं, औषधि निरीक्षक उर्मिला वर्मा ने दवाओं के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं। पाकबड़ा पुलिस को भी मामले की जानकारी दी गई है।

कई दवाइयां एक्सपायर मिली : औषधि निरीक्षक उर्मिला वर्मा ने बताया कि आरोपी कमाल के घर पर भारी मात्रा में दवाएं मिली हैं, जोकि बिना पंजीकरण के भंडारण की गई थीं। उन्होंने बताया कि इनमें कई दवाइयां एक्सपायर हो चुकी हैं। कुल आठ दवाओं के सैंपल लिए हैं।

मेडिकल स्टोर के कर्मचारी चला रहे क्लीनिक, 16 फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

सूरत (गुजरात): मेडिकल स्टोर के कम पढ़े-लिखे कर्मचारियों द्वारा अवैध रूप से क्लीनिक चलाने का मामला पकड़ में आया है। शहर के स्लम एरिया में क्लीनिक चला रहे ऐसे 16 फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया कि केवल 10-12 कक्षा तक पढ़े-लिखे युवक बिना किसी मेडिकल डिग्री के मरीजों का इलाज कर रहे थे। सूरत स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप को सूचना मिली थी कि शहर के स्लम क्षेत्रों में झोलाछाप डॉक्टर मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। सूचना पर डिंडोली, उधना और पांडेसरा इलाकों में छापेमारी की गई। जांच के दौरान सामने आया कि ये फर्जी डॉक्टर सामान्य बीमारियों के अलावा इंजेक्शन लगाने और ग्लूकोज की बोतलें भी चढ़ाने का काम कर रहे थे। छापेमारी में इनके पास से एंटीबायोटिक्स, इंजेक्शन, बीपी मशीन, ग्लूकोज की बोतलें जैसी मेडिकल सुविधाएं मिलीं। एसओजी के पीआई अतुल सोनारा ने बताया कि ये फर्जी डॉक्टर पहले किसी असली डॉक्टर के यहां कंपाउंडर का काम करते थे और वहीं से इलाज करना सीख गए थे।

मेडिकल स्टोर पर रेड, दवा जब्त

हैदराबाद: मेडिकल स्टोर पर छापेमारी कर लेबल पर ज्यादा कीमत लिखी गई कैंसर रोधी दवाइयां जब्त करने में सफलता मिली है। यह कार्रवाई ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों ने करीमनगर स्थित मेडिकल दुकान पर की। जांच के दौरान डैकाजी 500 इंजेक्शन (डकारबाजनि इंजेक्शन आईपी 500 मिलीग्राम) जब्त किए गए। डैकाजी 500 इंजेक्शन ब्रांड नाम के तहत बेचा जाने वाला उत्पाद डकारबाजनि इंजेक्शन 500 मिल. ीग्राम औषधि मूल्य नियंत्रण के अंतर्गत है। उत्पाद डैकाजी 500 इंजेक्शन (डकारबाजनि इंजेक्शन आईपी 500 मिल. ीग्राम) बैच नंबर 323-294, एमएफजी है।

झोलाछाप डॉक्टरों के तीन अवैध क्लीनिकों पर रेड, दे रहे थे एंटीबायोटिक्स और स्टेरॉयड

हैदराबाद: झोलाछाप डॉक्टरों के तीन अवैध क्लीनिकों पर छापेमारी की गई है। यह कार्यवाही तेलंगाना मेडिकल काउंसिल के अधिकारियों ने करीमनगर में की। निरीक्षकण के दौरान झोलाछाप डॉक्टरों को क्लीनिकों में मरीजों को पर्चे लिखते हुए पाया गया। वे एंटीबायोटिक्स और स्टेरॉयड दे रहे थे और साथ ही क्लीनिकों में इनपेशेंट बेड भी चला रहे थे। यह राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019 के अनुसार अवैध है। करीमनगर शहर में वेंकटेश्वर क्लिनिक, लक्ष्मी क्लिनिक और ललिता पाली क्लिनिक पर छापेमारी की गई। इन झोलाछाप डॉक्टरों पर धारा 34 के अनुसार संबंधित पुलिस स्टेशनों में और तेलंगाना मेडिकल काउंसिल रूल्स 2013 के तहत मामले दर्ज किए जाएंगे। इससे पहले मई में सूर्यपेट और नलगोंडा जिलों में प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों पर कई छापे मारे गए थे। इसमें बिना उचित चिकित्सा योग्यता के डॉक्टर के रूप में खुद को पेश करने वाले 55 व्यक्तियों की पहचान की गई। ये झोलाछाप डॉक्टर एंटीबायोटिक्स, गर्भपात की गोलियाँ, स्टेरॉयड इंजेक्शन देते और अवैध रूप से गुप्त गर्भपात प्रक्रियाएँ करते पाए गए। हैदराबाद के चिंतल, शापुर क्षेत्रों में संचालित अयोग्य झोलाछाप डॉक्टरों के केंद्रों का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षणों से पता चला कि ये नकली डॉक्टर लोगों का इलाज कर रहे थे। वे उच्च खुराक वाली एंटीबायोटिक्स लिख रहे थे और विभिन्न शल्य चिकित्सा उपकरणों का इस्तेमाल भी कर रहे थे। इन फर्जी डॉक्टरों के अवैध मेडिकल शॉप और डायग्नोस्टिक सेंटर भी खोले हुए मिले थे।

48 प्राइवेट हॉस्पिटल्स पर कार्रवाई 11 पर जुर्माना, ये है कारण

छत्तीसगढ़: 48 प्राइवेट हॉस्पिटल्स पर कार्यवाही करने का मामला सामने आया है। इनमें से 11 अस्पतालों पर जुर्माना भी लगाया गया है। आरोप है कि आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों से ये अस्पताल नकद राशि भी वसूल रहे थे। दूसरी ओर, आयुष्मान भारत कार्ड के माध्यम मरीज के इलाज का पैसा सरकार से भी ले रहे थे। मामला संज्ञान में आने पर कार्रवाई की गई है। इस मामले में राज्य के 48 हॉस्पिटल्स पर कार्रवाई की गई है। वहीं, 11 अस्पतालों पर भारी जुर्माना लगाया गया है और लाइसेंस कैंसिल कर दिया गया है। बताया गया है कि जिन अस्पतालों पर कार्यवाही हुई है, उन अस्पतालों ने आयुष्मान कार्ड और सरकार के नियमों की अनदेखी की है। जानकारी अनुसार वर्ष 2024 में अब तक कुल 48 अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। इनके खिलाफ शिकायतें मिलने पर जांच के बाद 11 अस्पतालों पर जुर्माना लगाया गया है। एक अस्पताल का रजिस्ट्रेशन भी कैंसिल किया गया है। नियम विरूद्ध कार्य करने पर जय तुलसी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल राजन. ंदगांव पर 15 हजार रुपए का अर्थदंड, श्री आरोग्यम हॉस्पिटल पर 11 लाख 41 हजार रुपए का अर्थदंड एवं अंकुर हॉस्पिटल रायपुर, 1 लाख 40 हजार का अर्थदंड, मां यशोदा हॉस्पिटल, जिला-गरियाबंद पर 6 लाख 60 हजार जुर्माना लगाया गया है।

कफ सिरप की तस्करी पकड़ी

मुंबई। प्राप्त समाचार के अनुसार कफ सिरप की तस्करी के गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने नशीली दवा के अंतरराज्यीय गिरोह के तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से कोडीनयुक्त कफ सिरप की 3 हजार बोतलें जब्त की हैं। इनकी अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये आंकी गई है। अधिकारी ने बताया कि एसआर अहमद, एम असलम और वाई खान ठाणे जिले के उल्हासनगर में एक ट्रांसपोर्ट फर्म से बोतलों का 'पार्सल' लेने के लिए जा रहे थे।

मसल्स बनाने के पाउडर का भ्रामक दावा, लगा जुर्माना

मुंबई। मसल्स बनाने के पाउडर का भ्रामक दावा करने की आरोपी कंपनी पर 1. 1 लाख रुपये का जुर्माना लगा है। उपभोक्ता आयोग ने एक पोषण अनुपूरक फर्म को निर्देश दिया है कि वह पवई स्थित एक फिटनेस बनाने के इच्छुक युवक को 1.1 लाख रुपये का भुगतान करे। बताया गया कि पीडित ने 1,599 रुपये के प्रोटीन पाउडर को पिछले साल ऑनलाइन खरीदा था। इसमें हानिकारक तत्व मौजूद मिले। कंपनी बिग मसल्स न्यूट्रिशन प्राइवेट लिमिटेड पर आरोप है कि अज्ञात अमीनो एसिड को शामिल करके उत्पाद की प्रोटीन सामग्री को कृत्रिम रूप से बढ़ाने का प्रयास किया। वहीं, उत्पाद में चीनी और कार्बोहाइड्रेट का उच्च स्तर प्रदर्शित हुआ।

स्किन क्लीनिकों पर छापेमारी, फर्जी डॉक्टर अरेस्ट

हैदराबाद: प्राप्त समाचार के अनुसार स्किन क्लीनिकों पर छापेमारी के दौरान तीन फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई तेलंगाना मेडिकल काउंसिल ने जुबली हिल्स, बंजारा हिल्स, माधापुर, हाईटेक सिटी, कुकटपल्ली और मियापुर में की। टीम ने त्वचा, लेजर, बाल और कॉस्मेटोलॉजी के लिए समर्पित 40 केंद्रों पर काम करने वाले डॉक्टरों के सत्यापन जांचे और तीन फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही, 20 केंद्र योग्य त्वचा विशेषज्ञों, प्लास्टिक सर्जनों या जिला पंजीकरण प्राधिकरण से जरूरी अनुमति के बिना संचालित पाए गए। कुछ केंद्रों पर डेंटल, आयुर्वेदिक और होम्योपैथी चिकित्सक कार्यरत थे जो अपनी योग्यता से परे लेजर का उपयोग कर रहे थे। अयोग्य चिकित्सकों को नोटिस जारी किए गए हैं। टीजीएमसी के उपाध्यक्ष डॉ. जी. श्रीनिवास ने कहा कि केवल एमबीबीएस, एमडी त्वचा विज्ञान या एमसीएच प्लास्टिक सर्जरी योग्यता वाले डॉक्टरों को ही हेयर ट्रांसप्लांटेशन जैसे कॉस्मेटिक उपचार करने चाहिए।

मेडिकल स्टोर पर रेड, एंटीफंगल दवा ज्यादा कीमत में बेचने पर जब्त की

हैदराबाद: मेडिकल स्टोर पर रेड कर एंटीफंगल दवा आईसीओएन-200 कैप्सूल (इट्राकोनाजोल कैप्सूल 200 मिलीग्राम) को ज्यादा कीमत में बेचने पर जब्त किया है। यह कार्रवाई मेडचल-मलकजगिरी जिले के कुथबुल्लापुर में की। यह कार्रवाई ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन तेलंगाना ने मेडचल-मलकजगिरी जिले के कुथबुल्लापुर गांव में मेडिकल स्टोर पर की। डीसीए अधिकारियों के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद के लिए तय की गई अधिकतम कीमत की तुलना में बताई गई एमआरपी बहुत अधिक है। सूचना के तहत डीसीए ने मेडचल-मलकजगिरी जिले के कुथबुल्लापुर गांव में स्थित एक दवा दुकान पर छापा मारा। ब्रांड नाम आइकॉन-200 कैप्सूल के तहत बेचा जाने वाला उत्पाद इट्राकोनाजोल कैप्सूल 200 मिलीग्राम औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के अनुसार मूल्य नियंत्रण के अंतर्गत है और उत्पाद की कीमत निर्धारित सीमा मूल्य के अनुसार होगी।

22 रुपये का कैप्सूल 44 रुपये में : केंद्र सरकार ने थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आधार पर इट्राकोना. जोल कैप्सूल 200 मिलीग्राम की अधिकतम कीमत 22. 12 रुपये प्रति कैप्सूल निर्धारित की है। हालाँकि, प्राइवेट लिमिटेड 10 कैप्सूल के पैक के लिए उत्पाद को 441. 24 रुपये में बेच रहा है, जो प्रति कैप्सूल 44.12 रुपये है। यह मूल्य निर्धारण औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 का उल्लंघन है। मैस्कॉट हेल्थ सीरीज प्राइवेट लिमिटेड जो उत्पाद का विपणन कर रही है, 10 कैप्सूल के लिए 441.24 रुपये में बेच रही है।

उत्पाद के लेबल पर प्रति कैप्सूल 44.12 रुपये अंकित हैं, जो औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 का उल्लंघन है। डीसीए अधिकारियों ने कहा कि कंपनी ने उत्पाद की कीमत बहुत ज्यादा बढ़ा दी। फर्म ने 10 कैप्सूल के लिए 193.5 रुपये अधिक वसूले। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

बांग्लादेश संकट से भारतीय फार्मा निर्यातकों को पीड़ा

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति और उससे जुड़ी हिंसा के कारण भारतीय दवा उद्योग को भारी नुकसान हुआ है, क्योंकि दवाइयों और अवयवों के कई निर्यातकों का पैसा पड़ोसी देश में फंसा हुआ है, उद्योग के अंदरूनी सूत्रों ने कहा। फार्मा कंपनियां अब बांग्लादेश को आपूर्ति करने में हिचकिचा रही हैं, क्योंकि बकाया भुगतान काफी बढ़ गया है और वे अपनी वित्तीय स्थिरता को लेकर चिंतित हैं, ऐसे में पड़ोसी देश में दवाओं की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। नाम न बताने की शर्त पर एक उद्योग विशेषज्ञ ने ईटी को बताया, व्यापार को प्रभावित करने वाला कोई भी संकट आपूर्ति में देरी, लागत में वृद्धि या यहां तक कि दवा की उपलब्धता में रुकावट पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर संकट जारी रहा तो सभी प्रमुख भारतीय फार्मा कंपनियों और कई मध्यम और छोटे उद्यमों पर इसका असर पड़ने की संभावना है। भारत कुल सक्रिय दवा सामग्री (API) और अन्य संबंधित कच्चे माल का 30 प्रतिशत बांग्लादेश को निर्यात करता है।

2023 में पड़ोसी देश को भारत द्वारा भेजे जाने वाले दवा उत्पादों का मूल्य केवल 50.3 मिलियन डॉलर था, लेकिन बाजार में विकास की बड़ी संभावनाएं हैं। एक फार्मा उद्योग विश्लेषक ने कहा, भारतीय कंपनियां अग्रिम भुगतान के बिना सामग्री की आपूर्ति करने से परहेज कर रही हैं। उनका पैसा फंस गया है। उन्होंने कहा, पैसे नहीं आ रहे हैं, इसलिए कोई भी कंपनी आपूर्ति करने में दिलचस्पी नहीं लेगी। यह (आपूर्ति) बुरी तरह प्रभावित होने वाली है। विश्लेषक ने कहा कि बांग्लादेश में विनिर्माण इकाई रखने वाली तथा वहां अपने उत्पादों का एक बड़ा हिस्सा बेचने वाली भारतीय फार्मा कंपनियों को टिके रहना मुश्किल होगा।

स्वास्थ्य विभाग की रेड, हेल्थ केयर अस्पताल सील

मुरादाबाद: स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापेमारी कर अवैध रूप से चलाए जा रहे सलमा नासिर हेल्थ केयर अस्पताल को सील कर दिया है। निरीक्षण के दौरान यहां पर अवैध लैब भी संचालित मिली। टीम ने दोनों पर सील लगाने के साथ ही थाना मझोला में एफआईआर दर्ज करा दी है। नोडल अधिकारी वैक्स/उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के तहत रहमत नगर के सलमा नासिर हेल्थ केयर का निरीक्षण किया। मौके पर क्लीनिक में आरिफ (18 वर्ष) निवासी जयंतीपुर ब्लड सैंपल लेते हुए मिला। पता चला कि आरिफ 11वीं का छात्र है और दो माह से सैंपल एकत्र करता था। इसके अलावा क्लीनिक में डींगरपुर निवासी सना खान खाना बनाने का कार्य करती मिली। टीम को स्वाले खां ने अपनी योग्यता बीएससी और आसिम ने अपनी योग्यता डीएमएलटी बताई। इन्होंने लैब टेक्नीशियन का कार्य करना बताया है। मौके पर आठ बेड, एक बेड एनआईसीयू, एक फोटोथेरेपी मशीन एवं ओटी संचालित मिली। स्टाफ ने सलमा नासिर को हॉस्पिटल की संचालक बताया। स्वास्थ्य विभाग की टीम को मौके पर पैथोलॉजी लैब भी संचालित मिली। इसके लेटर हेड पर डॉ. मोहम्मद आसिम, डीएमएलटी और डॉ के कुमार, एमडी पैथोलॉजी लिखा मिला। लेकिन दोनों में से कोई भी मौके पर नहीं मिला। पैथोलॉजी लैब में ब्लड कलेक्शन बैग, माइक्रोस्कोप, सेन्ट्रीफयुज, ब्लड रोलर, सेल काउंटर, मोनीटर आदि सामान मिले। डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि निरीक्षण के दौरान दवाइयां भी मिली हैं। इनमें मल्टीविटामिन, बीटामेथासोन सोडियम फास्फेट, रेनिटिडीन आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल का पंजीकरण नहीं करवाया गया है। हेल्थ केयर में कोई भी प्रशिक्षित चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित नहीं पाया गया।

MD PAPER August 2024_32 Inch January. 2021.qxd 2/28/2025 9:16 AM Page 15

नई दवा से बच्चा पैदा करने की उम्र 5 साल बढ़ेगी

नई दिल्ली: नई दवा के सेवन से बच्चा पैदा करने की उम्र अब 5 साल बढ़ जाएगी। इससे नौकरीपेशा महिलाओं को गर्भ धारण करने की समस्या से नहीं जूझना पड़ेगा। दरअसल, वर्तमान में लड़कियों की उम्र शादी से पहले ही ज्यादा हो जाती है और शादी के बाद भी कैरियर नहीं छोड़ना चाहती। कैरियर को प्राथमिकता देने से बच्चा पैदा करने की योजना को टालना उनके लिए मजबूरी बन जाता है। इस चक्कर में उनकी उम्र 30-35 साल की हो जाती है, जबकि महिलाओं में 30 तक की उम्र बच्चा पैदा करने के लिए आदर्श होती है। इसके बाद से दिक्कतें शुरू हो सकती है। अब बाजार में एक ऐसी नई दवा आ गई है, जो बच्चा पैदा करने की उम्र को 5 साल तक बढ़ा देगी। जानकारी अनुसार नई दवा महिलाओं की फर्टिलिटी को 5 साल तक बढ़ा सकती है। इससे महिलाओं की उम्र भी बढ़ सकती है और स्वास्थ्य भी बेहतर हो सकता है। शोध में बताया गया है कि इम्यूनोसप्रेसेंट रेपामाइसिन महिलाओं का सपना साकार कर सकेगी। यह दवा महिलाओं के मेनोपॉज को 5 साल तक बढ़ा सकती है. आमतौर पर मेनोपॉज के बाद महिलाओं में अंडा बनना बंद हो जाता है और पीरियड्स भी बंद हो जाते हैं। 40-50 साल की उम्र में महिलाओं में मेनोपॉज होता है। इसके बाद बच्चे को जन्म देना बहुत मुश्किल है. शुरुआती शोध में इस दवा के बेहतरीन परिणाम सामने आए हैं। इससे फर्टिलिटी बढ़ेगी और उम्र बीमारियों का जोखिम कम हो जाएगा। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में रिप्रोडक्टिव साइंस के प्रो. डॉ. योसीन सुह ने कहा है कि यह दवा ओवरी की उम्र को 20 प्रतिशत तक घटा सकती है। दिलचस्प बात यह कि कैंसर के इलाज में इस दवा का इस्तेमाल किया जाता है और रेपामाइसिन के 44 साइड इफेक्ट हैं। इसमें इंफेक्शन, बीपी, सिरदर्द, मतली सहित कई तरह के साइड इफेक्ट्स हैं। लेकिन यदि महिलाएं हेल्दी हैं और इस दवा का इस्तेमाल कर रही हैं तो इससे कोई साइड इफेक्ट नहीं है।

ऑर्गन ट्रांसप्लांट केस में राजस्थान हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस

जयपुर: ऑर्गन ट्रांसप्लांट केस में राजस्थान हाईकोर्ट ने नोटिस जारी किया है। यह नोटिस एसीएस गृह, एसीएस चिकित्सा शिक्षा डॉ. रश्मि गुप्ता, समुचित प्राधिकारी चिकित्सा शिक्षा और गोपाल ढाका एसीपी गांधीनगर सहित अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्रीमन लाल मीणा को जारी किया गया है। नोटिस में कोर्ट ने पूछा है कि अंग प्रत्यारोपण प्रकरण में अदालत में केस दर्ज कराने का प्रावधान होने के बावजूद एफआईआर (FIR) दर्ज क्यों की गई? जस्टिस नरेन्द्र सिंह ने यह आदेश डॉ. संदीप गुप्ता की आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता हेमंत नाहटा और रिपुदमन सिंह ने कहा कि मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम के तहत ऐसे मामलों में न तो एफआईआर दर्ज हो सकती है और न ही पुलिस अपने स्तर पर गिरफ्तारी कर सकती है। पुलिस को आरोप पत्र भी पेश करने का अधिकार नहीं है। मेडिकल शिक्षा विभाग के साथ षड्यंत्र रचकर पुलिस ने आईपीसी की धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तारियां की हैं। याचिका में यह भी कहा गया कि प्रत्यारोपण कराने वाले बांग्लादेशी नागरिकों ने समस्त दस्तावेज अपने देश में बनाकर भारत के ढाका स्थित उच्चायोग से मेडिकल वीसा लिया था। वहां की सरकार और उच्चायोग ने इसके लिए एनओसी भी जारी की थी।

इसके अलावा तीन साल में किए गए हर किडनी प्रत्यारोपण की सूचना फोर्टिस अस्पताल ने निरंतर सरकार को दी थी। इसी मामले में गुरुग्राम में पहले से ही एफआईआर दर्ज है। एफआईआर दर्ज करने वाली डॉ. रश्मि गुप्ता ने आईपीसी की धाराओं में एफआईआर कराई, जबकि सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि ऐसे मामले में सीआरपीसी की धारा लागू नहीं होती। याचिका में गुहार की गई है कि याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी को अवैध घोषित किया जाए और उसे हिरासत में रखने की अवधि का प्रतिदिन दस लाख रुपए के हिसाब से हर्जाना दिलाया जाए। इस हर्जाने की वसूली उसे झूठा फंसाने वाले पुलिस अधिकारी और डॉ. रश्मि गुप्ता के खाते से की जाए। इस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

मेडिकल स्टोर संचालक को नशीली दवा देते हुए दबोचा

आगरा: प्राप्त समाचार के अनुसार मेडिकल स्टोर संचालक को नशीली दवा देते हुए गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई को दिल्ली पुलिस ने अंजाम दिया। दिल्ली पुलिस ग्राहक के रूप में मेडिकल स्टोर पर आई और नशे की दवा देते हुए दुकानदार को दबोच लिया। दिल्ली पुलिस ने आगरा में नशीली दवाओं की कालाबाजारी के आरोपी को पकडने के लिए ग्राहक के रूप में गई। नोट के नंबर लिखे और मेडिकल स्टोर संचालक से नशे की दवाएं मांगी। पुलिस टीम ने दुकानदार को नशे की दवाएं देते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। गौरतलब है कि दिल्ली में नशे की दवाएं जब्त होने पर इनकी खरीद आगरा से होने की जानकारी मिली मिली थी।

नकली दवा बेचने की शिकायत पर मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी

गोरखपुर: नकली दवा बेचने की शिकायत पर मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी की गई है। न्यूरो से संबंधित एक दवा कंपनी के प्रतिनिधि ने खाद्य औषधि प्रशासन को सूचना दी कि नकली उत्पाद को भालोटिया के थोक मार्केट के जरिए पूर्वांचल, बिहार और नेपाल बार्डर तक खपाया जा रहा है। इस शिकायत के बाद ड्रग इंस्पेक्टर ने कई दवा दुकानों पर छानबीन शुरू की है। हालांकि, अभी तक कोई मामला पकड़ में नहीं आ सका है। नसों के इलाज के लिए महत्वपूर्ण इस टेबलेट की मांग घटने पर संबंधित कंपनी ने मामले की जांच कराई। यहां उन्हें अपनी कंपनी के नाम से मिलते-जुलते नाम की दवा मिली। दवा निर्माता फर्म के अधिकारियों ने दवा का पत्ता ड्रग विभाग को उपलब्ध कराते हुए इसकी शिकायत की। इस मामले में अब सहायक औषधि आयुक्त पूरन चंद ने ड्रग इंस्पेक्टर राहुल कुमार से रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने कहा कि दवा बिक्री फुटकर दुकानों पर हुई है। वहां पर भी जांच कराई जाएगी। गौरतलब है कि भालोटिया मार्केट से मिलावटी दवाइयों का खेल काफी पुराना है। यहां के कुछ कारोबारी हिमाचल प्रदेश की फर्मों से बड़ी कंपनियों के नाम से मिलती-जुलती दवा की टेबलेट तैयार कराते हैं। ये दवा असली दवा के बदले लगभग उसी रेट पर बेच दी जाती है।

MD PAPER August 2024_32 Inch January. 2021.qxd 2/28/2025 9:16 AM Page 16

BADRIVAS BIOTECH PVT. LTD.
Khasra No. 10 & 11 Village. Makkhanpur Bhagwanpur
Roorkee-247661, Dist. Haridwar (Uttarakhand)
Approved Section
Tablets | Capsules | Liquid | Ointment | Nutraceuticals
We have more than 1500 Approved Molecules
Welcome for small batches, Third Party Manufacturing, PCD & Export facility available.
Contact No. :- +91 72538 01212 , +91 72538 11212,
Email :- badrivasindia@gmail.com | www.badrivasbiotech.com

क्षणिकाएं

1. कटिबद्धता,
में जी पाओ।
सोचो कार्य,
पूर्ण कर जाओ।

2. गुमनामी मिले या
शोहरत,
कर्म करते जाना है।
कोई आस मन में रखी
तो,
कर्म नहीं कर पाना है।

3. बुद्धि तत्परता,
अवश्य चाहिए।
पर धैर्य भी,
जीवन में लाइए।

4. कभी न कभी,
संतुष्ट हो जाना है।
अन्यथा तो,
दुखी ही हो पाना है।

5. सब बाते न
बतलाओ।
कुछ बातें,
स्वयं भी सुलझाओ।

6. मानवता बढ़ाइए,
मित्रता बढ़ाईए।
मानव जीवन को,
सार्थक बनाईए।।

नरेन्द्र नाथ लाहा,
9826611169

भूख बढ़ायें, ऊर्जा बढ़ायें
मूड को सुधारें, तनाव कम करें
याद्दाश्त बढ़ायें
A WHO-GMP ISO 9001:2015 certified company

MIKAYLA LIFE SCIENCES
PLOT NO. 309, INDUSTRIAL AREA, PHASE 2, PANCHKULA (HR)
(M) 9915501900
sales@mikayla.in www.mikaylalifesciences.com

नशीली दवा अवैध रूप से बेचने पर फर्जी डॉक्टर को जेल

गिरिडीह (झारखंड): नशीली दवा अवैध रूप से बेचने के आरोपी फर्जी डॉक्टर को कोर्ट ने साढ़े तीन साल कारावास की सजा सुनाई है। प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश मनोज प्रसाद की अदालत ने हीरोडीह के किमापहरी निवासी जमाल अंसारी को यह सजा सुनाई है। साथ ही, एक लाख 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है जिला प्रशासन को सूचना मिली थी कि बसकुपाय गांव में एक अवैध क्लिनिक और दवा दुकान का संचालन किया जा रहा है। जमुआ के तत्कालीन प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बालमुकुंद राय ने 31 जनवरी, 2013 को क्लिनिक में रेड की और भारी मात्रा में अवैध दवा के साथ कई उपकरण भी बरामद किए। जांच के दौरान जानकारी मिली कि जमाल अंसारी नामक व्यक्ति अवैध क्लिनिक चला रहा है। वह घर से ही अवैध तरीके से दवाइयां भी बेच रहा है। छापेमारी के दौरान पता चला कि क्लिनिक में कई अवैध कार्य भी किए जा रहे हैं। रेड के दौरान नशीली दवाइयां भी बरामद की गयीं।

प्रतिबंधित दवा ओफ्लोक्सासिन और ऑर्निडाजोल जब्त की

हैदराबाद: प्राप्त समाचार के अनुसार प्रतिबंधित दवा ओफ्लॉक्सासिन और ऑर्निडाजोल सस्पेंशन जब्त की गई है। यह कार्रवाई तेलंगाना औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने सिकंदराबाद में की। डीसीए के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रतिबंधित दवा संयोजन, ओफ्लॉक्सासिन और ऑर्निडाजोल सस्पेंशन महाराष्ट्र के ठाणे में लोक-बीटा फार्मास्युटिकल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अवैध रूप से निर्मित और बेचा जा रहा था। प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री के बारे में विश्वसनीय जानकारी के आधार पर डीसीए सिकंदराबाद जोन के अधिकारियों ने चिलकलगुडा में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पास जन औषधि केंद्र पर छापा मारा। इस दौरान प्रतिबंधित दवा ओफ्लॉक्सासिन और ऑर्निडाजोल सस्पेंशन (50 मिलीग्राम/125 मिलीग्राम) बरामद की। गौरतलब है कि 2018 में केंद्र ने व्यापक जनहित में ओफ्लॉक्सासिन और ऑर्निडाजोल सस्पेंशन दवा संयोजन को प्रतिबंधित कर दिया था। यह प्रतिबन्ध इस निश्चित खुराक संयोजन से मानव स्वास्थ्य को होने वाले संभावित खतरों के कारण लगाया गया था। इसमें चिकित्सीय औचित्य की कमी मिली थी। प्रतिबंधित दवा ओफ्लॉक्सासिन और ऑर्निडाजोल सस्पेंशन जब्त की गई है।

मरीज की मौत पर निजी अस्पताल में डॉक्टर की धुनाई, वीडियो वायरल

लखनऊ (उत्तर प्रदेश): मरीज की मौत हो जाने पर परिजनों ने निजी अस्पताल के डॉक्टर की धुनाई कर डाली। गोमतीनगर स्थित इग्निस हॉस्पिटल में इलाज के दौरान एक मरीज की मौत हो गई। गुस्साए परिजनों ने डॉक्टर रवि देव के साथ मारपीट की। इस मारपीट का वीडियो भी वायरल हुआ है। वीडियो में लोग डॉक्टर की पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं। आरोपी उन पर कुर्सियां पटक रहे हैं। बताया गया कि आरोपियों ने डॉक्टर से पहले हॉस्पिटल के स्टाफ को भी दौड़ा-दौड़ा कर पीटा था। जानकारी के अनुसार इग्निस हॉस्पिटल में एक मरीज का इलाज चल रहा था। डॉ. रवि देव मरीज को देख रहे थे, तभी तीमारदारों की डॉक्टर और स्टाफ नर्स के साथ बहस शुरू हो गई। इसी बीच एक तीमारदार ने स्टाफ पर हाथ उठा दिया और मारपीट होने लगी। हंगामा बढ़ा तो स्टाफ भाग खड़ा हुआ। मरीज के परिजन डॉक्टर रवि देव के कैबिन में घुसे और कमरे से खींचकर वेटिंग हॉल में ले आए। फिर यहां उन्हें पीटने लगे। डॉक्टर पर कुर्सियां तक उठाकर फेंकी गईं।

वीडियो हुआ वायरल : बताया गया है कि मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। बावजूद इसके डॉक्टर उस मरीज का इलाज करने का दावा कर रहे थे। परिजनों के पूछने पर डॉक्टर नाराज हो गए और जाने को कह दिया। इससे अस्पताल में मारपीट शुरू हो गई। पूरा मामला सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गया, जो कि वायरल हुआ है। अस्पताल प्रशासन ने गोमतीनगर विस्तार थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

Unleash Your Potential
Partner with us as a PCD Franchisee or Pharma Distributor
PCD PHARMA FRANCHISE
Business Opportunity Pan India
Qscent Puregaba ET | Aarfenac DM
Raptura | Rozep Trio
Contact: +91 9416070290
Aaryan Healthcare Pvt. Ltd.
Committed for healthier and better life
(An ISO 9001:2008 Certified Co.)
Email: healthcare.aaryan@gmail.com

We Welcome Your Inquiries for 3rd Party Manufacturing
Committed to Create Miracles
MIRACLE LIFE SCIENCES
Best quality of efficiency Product we directly approved by WHO GMP
With the Wide Range of :
Tablets | Capsules | Liquids | Dry Syrup | Dry-Inj.
Drops | MEDICATED SOAP | Syrup | Ointments | Veterinary Bolus
Beta & Non-Beta | Ophthalmic Drops | Veterinary Inj.
Excellent Packing Like Alu-Alu, Blister & Strip Packing
Brand Promotional Input Like.....
Visual aid | Sample Catch covers | Visiting Cards
Product Literature | MR Bags | DCR Pad | Gifts
Trade Enquiries are Welcome for Third Party MFG. / PCD Franchises Distribution on Monopoly basis in PAN India.
M. +91 9897039922, 9897939961, 7037039923
MIRACLE LIFE SCIENCES
(Behind Patanjali Yog Peeth) 148, Village : Bahadarpur Saini, Post: Daulatpur Bahadrabad-249 405, Haridwar (U.K.)
Email : miracle.patel@gmail.com Web: www.miraclelifesciences.in

www.medicaldarpan.com

Now Also Contact for 3rd Party Manufacturing & PCD DERMA COSMETICS Franchise Business
XENON Pharma Pvt. Ltd.
(A WHO-GMP Certified Company)
XENON | MASLIFE | XENON
For PCD Franchise & Distribution Marketing
* Leaders in introducing 1st time in India products for franchise marketing
* Achieving Customer Satisfaction is Fundamental to our Business, As we provide latest molecules with highest quality standards.
* We also Provide Scientific Data, Promotional Inputs & Gift Articles for Ethical Working and Better Promotion
* Assurance of Timely Delivery, High Quality & Cost Effective Product Range.
* Also contact for 3rd party manufacturing and PCD franchise marketing of DERMA COSMETICS range.
www.xenonpharma.in info@xenonpharma.in
XENON Pharma Pvt. Ltd. Plot No. 79-80, Sec-6A, IIE, Sidcul, Haridwar-249403
Contact : +91 9971340555

Offering Biggest Veterinary Range for Franchisee business
Bivety Biosciences Pvt. Ltd.

More than 250 products and still adding more...
Trade enquiries are Welcome for PCDs
We Offer Veterinary Products in:
Injectables | Bolus | Feed Supplements | Herbal Products
Ectoparasites | Poultry Products | Pets Range | many more....
Bivety Biosciences Pvt. Ltd.
S.C.O-12A, Ground Floor, Sena Nagar,Chandigarh-New Delhi Highway, Ambala-134003 (Hr.)
Contact Us: 7206351754 (WhatsApp Only)

नीरू गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा हरिहर प्रैस के लिए इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एण्ड पैकिंग लिमिटिड नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं के० पी० रोड, बुलन्दशहर से प्रकाशित, सम्पादक - ब्रजेश कुमार गर्ग